नई दिल्ली। बुधवार, 07 अक्टूबर, 2026
आश्विन कृष्ण पक्ष द्वादशी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 272/ मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12



दैनिक
विश्व केसरी
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari
सिर्फ पत्रकारिता...

@ खेल शेफाली-चरणी 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' ...
@ विचार बेहतर विकल्प एवं जरूरी मुद्दों का अभाव ही विपक्ष ...
@ व्यापार सेंसेक्स 685 अंक उछला...

खबर झरोखा

भूपेश बघेल के खिलाफ याचिका पर फैसला सुरक्षित



रायपुर। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के खिलाफ भारतीय जनता पार्टी के नेता विजय बघेल की ओर से दाखिल चुनाव याचिका पर छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट में अहम सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता विजय बघेल ने व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होकर अपनी गवाही दर्ज कराई। इसके साथ ही, पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से मामले में अतिरिक्त मुद्दे तय करने के संबंध में पेश आवेदन पर दोनों पक्षों की विस्तृत बहस सुनने के बाद हाईकोर्ट ने अपना फैसला सुरक्षित रखते हुए 13 अक्तूबर 2026 को आदेश जारी करने के लिए मामला सूचीबद्ध कर दिया।

वायुसेना के नए प्रमुख बने आशुतोष दीक्षित

नई दिल्ली। सरकार ने वायुसेना के वाइस चीफ एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को 31 अक्टूबर 2026 से एयर चीफ मार्शल के पद पर नियुक्त किया है। वे भारतीय वायुसेना के 29वें चीफ ऑफ एयर स्टाफ होंगे। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित मौजूदा एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह की जगह लेंगे, जो 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं।

राहुल-प्रियंका हिरासत में

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ 5 दिन में 7वीं बार प्रदर्शन



एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने मंगलवार शाम लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा को हिरासत में ले लिया है। इसके साथ ही इंडिया ब्लॉक के अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। ये नेता मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आकाशवाणी भवन पर विरोध प्रदर्शन कर रहे थे और उनके इस्तीफे की मांग कर रहे थे।

जानकारी के अनुसार दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल, पवन खेड़ा और अमरिंदर सिंह राजा वड़िंग समेत नेताओं को भी हिरासत में लिया।

दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी की अगुवाई में इंडिया गठबंधन के सांसदों ने आकाशवाणी भवन परिसर में भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) के दफ्तर से कुछ मीटर की दूरी पर धरना दिया।

राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल और सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा, पवन खेड़ा और इमरान प्रतापगढ़ी आकाशवाणी भवन परिसर में एक पेड़ के नीचे बैठे दिखे। विपक्षी नेताओं ने चुनाव आयोग मुख्यालय (जो 300 मीटर दूर है) तक पहुंचने की कोशिश में संस्थान के गेट धकेलकर खोले थे। सूत्रों के अनुसार, आकाशवाणी भवन से एक पीसीआर कॉल की गई, जिसमें कहा गया कि राहुल गांधी जबरदस्ती परिसर में घुस आए हैं।

मीडिया से बातचीत में राहुल गांधी ने कहा, 300 सांसदों को यहां रोका गया और उसके बाद उन्होंने हमें यहां बैठा दिया है। चुनाव आयोग यहां से 50 गज की दूरी पर है। वे हमें वहां जाने नहीं दे रहे हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि क्या समस्या है।

चुनाव आयोग का काम ठीक से चुनाव कराना है। 300 सांसद ज्ञानेश कुमार से मिलना चाहते हैं और ज्ञानेश कुमार डरे हुए हैं। इसलिए मुझे नहीं पता कि देश में क्या हो रहा है। अगर प्रतिनिधि मिल नहीं सकते, तो लोकतंत्र का क्या मतलब है?

राहुल गांधी ने कहा, हमारे देश के साथ जो किया गया है उसे देशद्रोह कहा जाता है और कोई भी बचने वाला नहीं है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमित शाह, मोहन भागवत और ज्ञानेश कुमार ने देश से लोकतंत्र खत्म कर दिया है।

'वोट चोरी' कर देश को हाईजैक कर लिया गया है। इनसे कोई नहीं बचेगा, सब पर कार्रवाई होगी।

मीडिया से बात करते हुए पवन खेड़ा ने कहा, 'चुनाव आयोग हमारे ठीक बगल में है और लोकसभा में विपक्ष के नेता को चुनाव आयोग जाने नहीं दिया जा रहा है, उन्हें रोक दिया गया।

सीईसी ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें, नहीं तो पूरा देश बनेगा जंतर-मंतरः अभिजीत दिपके



एजेंसी ■ छत्रपति संभाजीनगर

कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने 10 अक्टूबर को दिल्ली के जंतर-मंतर पर प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन को लेकर कहा है कि उन्हें गिरफ्तार किए जाने की आशंका है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी गिरफ्तारी के बावजूद आंदोलन नहीं रुकेगा।

छत्रपति संभाजीनगर में प्रेस वार्ता के दौरान अभिजीत दिपके ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि अगर दिल्ली पुलिस उन्हें रोकने की कोशिश करे तो वे महात्मा गांधी को याद करें और जहां पुलिस उन्हें रोके, वहीं उस जगह को जंतर-मंतर बना दें। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से 'रघुपति राघव राजा राम' का जाप करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन जारी रखने की अपील की।

उन्होंने दावा किया कि 10 अक्टूबर के प्रस्तावित प्रदर्शन से सरकार डर गई है लेकिन जेल का डर दिखाकर आंदोलनकारियों को चुप नहीं कराया जा सकता। उन्होंने कहा कि मुझे गिरफ्तार कर लो, एनएसए लगा दो लेकिन हम लड़ते रहेंगे। दिपके ने दिल्ली पुलिस पर भी गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने कहा कि अगर ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा नहीं हुआ तो पूरा देश जंतर-मंतर बन जाएगा।

अभिजीत दिपके ने कहा कि आंदोलन की तीन प्रमुख मांगें हैं: ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग और उनके खिलाफ आपराधिक मामला चलना चाहिए, एसआईआर की प्रक्रिया को फ्रीज की जानी चाहिए और चुनाव आयोग में सुधार और नियुक्तियों की प्रक्रिया को निष्पक्ष एवं तटस्थ बनाया जाना चाहिए।

प्रेस वार्ता के दौरान दिपके ने दावा किया कि महाराष्ट्र से अब तक दो लोगों को नोटिस मिल चुके हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में भी उनके एक वॉलंटियर मुकेश को नोटिस मिला है और आने वाले दिनों में अन्य लोगों को भी नोटिस दिए जा सकते हैं। सरकार 10 अक्टूबर को दिल्ली में होने वाले मार्च से डर रही है। दिपके ने यह भी दावा किया कि भारत में इंस्टाग्राम समेत सोशल मीडिया पर सीजेपी से जुड़े कंटेंट पर रोक लगाई गई है।

दिपके ने कहा कि वह पिछले कुछ दिनों से महाराष्ट्र पुलिस की तारीफ कर रहे थे क्योंकि मुंबई में उनके विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने सहयोग किया था। उन्होंने दिल्ली पुलिस की कार्रवाई की तुलना महाराष्ट्र पुलिस से करते हुए कहा कि महाराष्ट्र पुलिस देश की बेहतर पुलिस फोर्स में से एक है। हालांकि, सीजेपी वॉलंटियर्स को मिले कथित नोटिस का जिक्र करते हुए उन्होंने सवाल उठाया कि महाराष्ट्र के चंद्रपुर से लोग दिल्ली कैसे जा रहे हैं और उनके सफर का खर्च कहां से आ रहा है।

श्रेयस का तूफानी शतक, भारत 8 विकेट से जीता



एजेंसी ■ लखनऊ

भारत ने पहले टी-20 में वेस्टइंडीज को 8 विकेट से हरा दिया। यह टीम इंडिया की लगातार 10वीं टी-20 जीत भी है। भारत जुलाई 2026 में जिम्बाब्वे सीरीज के बाद से कोई भी मैच नहीं हारा है।

टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज मंगलवार को 19.1 ओवर में 171 रन बनाकर ऑलआउट हुई। कप्तान शाई होप ने 52 रन बनाए। शेरफेन रदरफर्ड ने 56 रन की पारी खेली। भारत से डेब्यू कर रहे नमन धीर ने 3 विकेट लिए। कुलदीप यादव और अक्षर पटेल को 2-2 विकेट मिले

जवाब में भारत ने 14.4 ओवर में 2 विकेट खोकर 172 रन बनाकर टारगेट हासिल कर लिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने नाबाद 102 रन की पारी खेली। उन्होंने 42 बॉल में शतक लगाते हुए 10 चौके और 6 छक्के लगाए। ईशान किशन ने नाबाद 37 रन बनाए। दोनों के बीच तीसरे विकेट के लिए 67 बॉल पर 137 रन की साझेदारी हुई।

12वें ओवर में श्रेयस अय्यर ने अकील हुसैन की गेंदों पर छक्का और चौका जड़ा। ओवर में नो-बॉल भी हुई, जिसके बाद ईशान किशन ने फ्री-हिट पर 1 रन लिया और अगली गेंद पर चौका जड़ दिया। इस ओवर से भारत को 19 रन मिले। श्रेयस 36 गेंदों पर 72 और ईशान 24 गेंदों पर 35 रन बनाकर खेल रहे हैं।

10.6 ओवर में श्रेयस अय्यर ने शमर स्प्रिंगर की गेंद पर सीधा छक्का जड़ दिया। इससे पहले 10.5 पर ईशान किशन का कैच भी छूटा। मैथ्यू फोर्ड ने कैच लपका था, लेकिन थर्ड अंपायर ने रिप्ले में गेंद जमीन को छूती देखी और ईशान को जीवनदान मिला।

अमेरिका के साथ ईमानदार रहे कनाडा, भविष्य में समझौता तभी संभवः डोनाल्ड ट्रंप



एजेंसी ■ वॉशिंगटन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्हें कनाडा के साथ व्यापार वार्ता दोबारा शुरू करने की कोई जल्दी नहीं है। उन्होंने कनाडा पर अमेरिका के साथ खराब व्यवहार करने का आरोप लगाया और कहा कि भविष्य में कोई भी समझौता तभी हो सकता है, जब कनाडा अमेरिका के साथ 'ईमानदार' रहे।

पत्रकारों ने पूछा था कि क्या वह अमेरिका में होने वाले मिडटर्म चुनाव से पहले कनाडा के साथ व्यापार वार्ता फिर से शुरू करेंगे। इस पर ट्रंप ने कहा कि मुझे नहीं पता। कनाडा अमेरिका के साथ बहुत खराब व्यवहार करता है, इसलिए मुझे नहीं पता। ट्रंप ने कहा कि उन्होंने हम पर कई ऐसे टैरिफ लगाए, जिनके बारे में मेरे अलावा किसी को पता नहीं था। आखिरकार मामला सुलझ जाएगा, लेकिन मुझे इसकी कोई जल्दी नहीं है। हालांकि उन्होंने साफ नहीं किया कि वह कनाडा के किन टैरिफ की बात कर रहे थे। उनकी बातों से संकेत मिला कि कनाडा के साथ जल्द बातचीत शुरू करना फिलहाल उनकी प्राथमिकता नहीं है। हालांकि, उन्होंने कहा कि आखिरकार दोनों देशों के बीच व्यापार विवाद सुलझ जाएगा। ट्रंप ने दोनों देशों के बीच व्यापारिक रिश्तों में असंतुलन होने का भी दावा किया। उन्होंने कहा, 'कनाडा अपना लगभग सारा कारोबार हमारे साथ करता है, जबकि हम उनके साथ बहुत कम कारोबार करते हैं।'

इंद्रावती जल बंटवारे पर छत्तीसगढ़ में राजनीति गरमाईः कांग्रेस और भाजपा आमने-सामने

संवाददाता ■ रायपुर

इंद्रावती नदी के जल बंटवारे और बाढ़ की स्थिति पर छत्तीसगढ़ में राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने जल वितरण को लेकर सरकार से स्थिति स्पष्ट करने की मांग की है। उन्होंने बारिश के समय ओडिशा द्वारा छोड़े जाने वाले पानी और गर्मी में बस्तर को मिलने वाले जल की वास्तविक स्थिति सार्वजनिक करने को कहा। इसके जवाब में भाजपा प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय ने पलटवार करते हुए कहा कि कांग्रेस शासनकाल में हुए समझौतों की वजह से ही इंद्रावती नदी की आज यह हालत हुई है।

जल बंटवारे और समझौतों पर तकरार

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज ने जगदलपुर में संवाददाता सम्मेलन के दौरान इंद्रावती नदी के जल बंटवारे पर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि वर्षाकाल में ओडिशा से आने वाले जल और ग्रीष्मकाल में बस्तर को मिलने वाले पानी का ब्योरा सार्वजनिक किया जाना चाहिए। इस पर भाजपा प्रवक्ता शिवनारायण पांडेय ने कहा कि दीपक बैज को सवाल उठाने से पहले पूर्व मुख्यमंत्री नंदिनी सत्पथी और प्रकाश चंद्र सेठी के दौर के समझौतों की जानकारी लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि अतीत के गलत समझौतों के कारण ही इंद्रावती जल संकट झेल रही है।



बस्तर में उपयोग और चित्रकूट पर असर

भाजपा प्रवक्ता पांडेय ने कहा कि ओडिशा ने इंद्रावती नदी पर कई बांध बनाकर जल आपूर्ति सुनिश्चित कर ली है, जबकि बस्तर में पानी के उपयोग के लिए अपेक्षित काम नहीं हुआ। वहां आज भी पारंपरिक तरीके से ही पानी का इस्तेमाल हो रहा है। इसके चलते गर्मी में नदी सूखने लगती है और चित्रकूट जलप्रपात भी प्रभावित होता है। पांडेय ने कहा कि चित्रकूट जलप्रपात बैज के क्षेत्र में आता है।

तीर तेवर — सागर कुमार



कैबिनेट फैसलों की पीएम मोदी ने की सराहना

एमएसएमई को मिलेगी मजबूती, 10 हजार करोड़ का फंड

एजेंसी ■ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा लिए गए महत्वपूर्ण फैसलों को देश की विकास यात्रा के लिए अहम बताया। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि कैबिनेट ने इंटीग्रेटेड ट्रांसपोर्ट एंड लॉजिस्टिक्स अथॉरिटी (आईटीएलए) के गठन को मंजूरी दी है, जिससे भारत के परिवहन तंत्र में बेहतर समन्वय, डेटा-आधारित योजना निर्माण और मल्टीमॉडल एकीकरण को बढ़ावा मिलेगा।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यह पहल देश के विकास पथ पर व्यापक और दूरगामी प्रभाव डालने वाली साबित होगी। सरकार का कहना है कि आईटीएलए विभिन्न परिवहन मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच लंबे समय से मौजूद समन्वय संबंधी चुनौतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

कैबिनेट के फैसले के तहत आईटीएलए को एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) के रूप में स्थापित किया जाएगा। इसका उद्देश्य



परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र में अनुसंधान, योजना निर्माण, परियोजनाओं के मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत बनाना है।

सरकार के अनुसार, सड़क, रेल, बंदरगाह, हवाई और जल परिवहन के बीच बेहतर तालमेल स्थापित कर मल्टीमॉडल परिवहन प्रणाली को बढ़ावा दिया जाएगा। इससे परिवहन अवसंरचना विकास की दक्षता, स्थिरता और प्रभावशीलता बढ़ने की उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक अन्य पोस्ट में एमएसएमई क्षेत्र के लिए मंजूर किए गए एसएमई ग्रोथ फंड (एसजीएफ) को बड़ा कदम बताया। उन्होंने कहा कि यह फैसला भारत के अगले दौर के उद्योगपतियों और कारोबारी नेताओं को तैयार करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

उन्होंने कहा कि यह फंड छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) को अपने कारोबार का विस्तार करने, आधुनिक तकनीकों को अपनाने, विनिर्माण क्षमता बढ़ाने, वैश्विक बाजारों में प्रवेश करने और वैश्विक वैल्यू चेन से जुड़ने के लिए मजबूत मंच प्रदान करेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र के लिए बड़ी खुशखबरी! मंत्रिमंडल का यह निर्णय भारतीय व्यापार जगत के भावी नेताओं को तैयार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह एसएमई का विकास करने, उन्नत प्रौद्योगिकियों को अपनाने, विनिर्माण का विस्तार करने, वैश्विक बाजारों में प्रवेश करने और वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं के साथ जुड़ने का मंच प्रदान करता है।

ग्रामीण पर्यटन को नई पहचान देगा 'चेन्दरू' पुरस्कार

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ के गांवों की समृद्ध संस्कृति, जनजातीय परंपराओं, प्राकृतिक सौंदर्य और स्थानीय जीवनशैली को देश-दुनिया के पर्यटन मानचित्र पर नई पहचान दिलाने की दिशा में राज्य सरकार ने महत्वपूर्ण पहल की है। पर्यटन विभाग ने ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उत्कृष्ट और प्रभावी कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के लिए 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' की शुरुआत की है। इसके लिए राज्य शासन द्वारा 'चेन्दरू, राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार नियम, 2025' लागू किए गए हैं, जो पूरे छत्तीसगढ़ में प्रभावी होंगे।

इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के अंतर्गत ग्रामीण पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को एक लाख रुपये की नकद राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। पुरस्कार का उद्देश्य केवल उत्कृष्ट कार्यों को सम्मानित करना नहीं, बल्कि ग्रामीण पर्यटन को स्थानीय रोजगार, आजीविका, सांस्कृतिक संरक्षण और सतत विकास का प्रभावी माध्यम बनाना भी है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि छत्तीसगढ़ के गांव हमारी संस्कृति, परंपराओं और प्रकृति की जीवंत विरासत हैं। राज्य सरकार का प्रयास है कि पर्यटन का लाभ केवल प्रमुख पर्यटन स्थलों तक सीमित न रहे, बल्कि दूरस्थ ग्रामीण और जनजातीय क्षेत्रों तक पहुंचे। ग्रामीण पर्यटन के माध्यम से स्थानीय युवाओं, महिलाओं, स्व-सहायता समूहों, कारीगरों और ग्रामीण उद्यमियों के लिए आजीविका तथा स्वरोजगार के नए अवसर सृजित किए जा सकते हैं।

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि 'चेन्दरू राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार' उन लोगों और संस्थाओं को पहचान देने का प्रयास है, जो जमीनी स्तर पर पर्यटन के माध्यम से अपने गांव और क्षेत्र की तस्वीर बदल रहे हैं। होमस्टे, स्थानीय व्यंजन, हस्तशिल्प, लोककला, लोकसंस्कृति, प्राकृतिक एवं सांस्कृतिक धरोहर और समुदाय आधारित पर्यटन को प्रोत्साहित कर छत्तीसगढ़ देश में ग्रामीण पर्यटन का एक विशिष्ट मॉडल बन सकता है।

'चेन्दरू' नाम से छत्तीसगढ़ की विशिष्ट पहचान को राष्ट्रीय मंच

पुरस्कार का नाम 'चेन्दरू' छत्तीसगढ़ की उस विशिष्ट पहचान को सामने लाता है, जिसने कभी बस्तर और यहां के सहज प्राकृतिक जीवन को राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई। अब इसी नाम से स्थापित राज्य ग्रामीण पर्यटन पुरस्कार छत्तीसगढ़ के गांवों में पर्यटन के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले जमीनी नायकों और संस्थाओं को सम्मान और पहचान प्रदान करेगा।

एक लाख रुपये और प्रशस्ति पत्र से होगा सम्मान

पुरस्कार के अंतर्गत चयनित व्यक्ति अथवा संस्था को प्रतिवर्ष एक लाख रुपये की नकद पुरस्कार राशि तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किया जाएगा। नियमों के अनुसार किसी व्यक्ति को यह सम्मान जीवनकाल में केवल एक बार प्रदान किया जा सकेगा। इसका उद्देश्य अधिक से अधिक नवाचारी और प्रभावशाली प्रयासों को सामने लाकर राज्य में ग्रामीण पर्यटन की नई प्रेरक कहानियां तैयार करना है।

राज्यपाल डेका ने बाल कल्याण परिषद को सौंपी ई-रिक्शा की चाबी



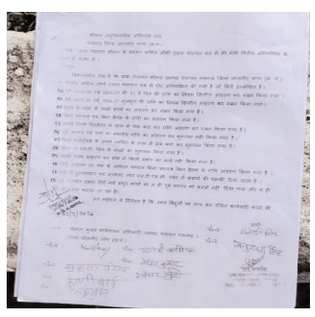
विश्व केसरी■

रायपुर। राज्यपाल रामेन डेका ने मंगलवार को लोकभवन में छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद द्वारा संचालित मानसिक दिव्यांग बाल गृह एवं विशेष विद्यालय शिक्षा का मंदिर में पढ़ने वाले बच्चों के आवागमन के लिए ई-रिक्शा प्रदान किया।

ई-रिक्शा की चाबी सौंपने के साथ ही राज्यपाल डेका ने हरी झंडी दिखाकर ई रिक्शा को लोकभवन से रवाना किया। इस अवसर पर छत्तीसगढ़ राज्य बाल कल्याण परिषद के महासचिव चंद्रेश शाह, उपाध्यक्ष डॉ कमल वर्मा, कोषाध्यक्ष इंदिरा जैन, संयुक्त सचिव प्रकाश अग्रवाल और राजेंद्र कुमार निगम के साथ इन्द्रसेन वर्मा उपस्थित रहे। महासचिव चंद्रेश शाह ने परिषद की ओर से राज्यपाल के प्रति आभार व्यक्त किया।

कोनार पंचायत में वित्तीय अनियमितता के आरोप, सरपंच के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा

विश्व केसरी■



पामगढ़/जांजगीर-चांपा(नीरज शर्मा)। जनपद पंचायत पामगढ़ अंतर्गत ग्राम पंचायत कोनार में पंचायत निधि के कथित दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। ग्राम पंचायत के सरपंच अनिल जोशी के खिलाफ ग्रामीणों एवं पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा कई गंभीर आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारियों से शिकायत की गई है। शिकायत में पंचायत फंड से नियम विरुद्ध राशि आहरण, बिना प्रस्ताव एवं बैठक के भुगतान तथा निजी लोगों के नाम से राशि निकालने सहित कई बिंदुओं पर जांच की मांग की गई है।

शिकायत पत्र में आरोप लगाया गया है कि वर्ष 2025-26 एवं 2026-27 में पंचायत की राशि का नियमों के विपरीत आहरण किया गया। वहीं स्वयं के नाम से लाखों रुपये की राशि आहरित करने, बिना प्रस्ताव एवं बिना बैठक के राशि निकालने तथा अपने निजी रिश्तेदार के नाम से चेक काटकर भुगतान करने जैसे आरोप भी लगाए गए हैं।

इसके अलावा पूर्व सरपंच एवं पंचों के मानदेय की राशि का भुगतान नहीं करने, बिना फर्म/ई-स्टोर के अपने व्यक्तिगत नाम से चेक काटकर भुगतान करने तथा विभिन्न मदों की राशि के कथित तौर पर गलत तरीके से भुगतान किए जाने की शिकायत की गई है। शिकायतकर्ताओं ने पंचायत के कार्यों में पारदर्शिता नहीं होने और राशि आहरण पर रोक लगाए जाने के बावजूद राशि निकाले जाने का आरोप भी लगाया है।

शिकायत में दबाव और धमकी का भी आरोप

शिकायत पत्र में पंचायत से जुड़े लोगों के साथ दुर्व्यवहार एवं अभद्रता करने तथा धमकी देने के आरोप भी लगाए गए हैं। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि पंचायत में किए गए कार्यों और राशि के उपयोग की जानकारी मांगने पर भी उन्हें संतोषजनक जानकारी नहीं दी जा रही है।

दस्तावेजों के अनुसार मामले को लेकर संबंधित अधिकारियों के समक्ष शिकायत प्रस्तुत की गई है। शिकायत में पंचायत के वित्तीय लेन-देन, भुगतान एवं राशि आहरण से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर वास्तविक स्थिति सामने लाने की मांग की गई है।

बाल सुरक्षा और नशामुक्ति पर जागरूकता कार्यक्रम

विश्व केसरी■



रायपुर। छत्तीसगढ़ में बच्चों को उनके अधिकारों, सुरक्षा और उपलब्ध सहायता सेवाओं के प्रति जागरूक करने के लिए विद्यालयों में विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इन कार्यक्रमों के जरिए विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभाव, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी, लैंगिक अपराधों से संरक्षण और साइबर सुरक्षा जैसे विषयों की जानकारी दी जा रही है। इसी क्रम में रायगढ़ और दुर्ग जिले के शासकीय विद्यालयों में बाल जागरूकता कार्यक्रम आयोजित हुए।

रायगढ़ जिले के शासकीय माध्यमिक विद्यालय गोपालपुर में 6 अक्टूबर को आयोजित कार्यक्रम में बच्चों को नशे के गंभीर दुष्प्रभाव और इससे बचने के उपाय बताए गए। साथ ही किशोर न्याय अधिनियम, 2015 और पॉक्सो अधिनियम, 2012 के अंतर्गत बच्चों के अधिकारों की जानकारी दी गई। विद्यार्थियों को गुड टच-बैड टच, बाल विवाह, बाल श्रम, बाल तस्करी तथा मोबाइल के सुरक्षित उपयोग और उसके दुरुपयोग से जुड़े पहलुओं के बारे में भी समझाया गया।

कार्यक्रम में बाल कल्याण समिति, जिला बाल संरक्षण इकाई और चाइल्ड हेल्पलाइन की भूमिका बताई गई। बच्चों को समझाइश दी गई कि किसी जरूरतमंद या संकटग्रस्त बच्चे की सहायता के लिए चाइल्ड हेल्पलाइन 1098, आपातकालीन नंबर 112 या महिला हेल्पलाइन 181 पर सूचना दें, ताकि समय पर सहायता और संरक्षण उपलब्ध कराया जा सके।

दुर्ग जिले के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गोडपेंड्री में 5 अक्टूबर को जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी के निर्देशानुसार कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिला बाल संरक्षण इकाई, मिशन शक्ति और चाइल्ड हेल्पलाइन के प्रतिनिधियों ने विद्यार्थियों को बाल विवाह रोकथाम, पॉक्सो अधिनियम, स्पॉन्सरशिप योजना, दत्तक ग्रहण और फॉस्टर केयर की जानकारी दी। इसके साथ ही चाइल्ड हेल्पलाइन और महिला हेल्पलाइन, बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ, साइबर सुरक्षा तथा घरेलू हिंसा से जुड़े विषयों पर भी जानकारी साझा की गई।

कार्यक्रमों के माध्यम से विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के प्रति सजग रहने और किसी भी संकट या असुरक्षित स्थिति में विश्वसनीय वयस्कों तथा संबंधित सहायता सेवाओं से संपर्क करने के लिए प्रेरित किया गया।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'हर घर जल' संकल्प से बदली डांडजमड़ी की तस्वीर

विश्व केसरी■



रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हर घर तक सुरक्षित और शुद्ध पेयजल पहुंचाने के संकल्प ने छत्तीसगढ़ के सुदूर ग्रामीण अंचलों में लोगों के जीवन में बड़ा बदलाव लाना शुरू कर दिया है। केंद्र सरकार के महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन के तहत जीपीएम जिले के आकांक्षी विकासखंड गौरेला की ग्राम पंचायत डांडजमड़ी के सभी 90 घरों में अब नल से शुद्ध पेयजल पहुंचने लगा है। कभी पानी के लिए दूर स्थित कुएं तक जाना यहां के ग्रामीणों की दिनचर्या का हिस्सा था, लेकिन अब घर के आंगन में नल से पानी मिलने की सुविधा ने विशेषकर महिलाओं और परिवारों के जीवन को अधिक सहज बनाया है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 15 अगस्त 2019 को शुरू किए गए जल जीवन मिशन का उद्देश्य ग्रामीण भारत के प्रत्येक परिवार तक नल के माध्यम से सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। छत्तीसगढ़ में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में इस मिशन को तेजी से आगे बढ़ाते हुए दूरस्थ और ग्रामीण क्षेत्रों तक पेयजल की सुविधाओं का विस्तार किया जा रहा है। डांडजमड़ी की उपलब्धि इसी अभियान के जमीनी असर की एक तस्वीर प्रस्तुत करती है।

घर में नल आया तो दूर हुई वर्षों की परेशानी

डांडजमड़ी की ग्रामवासी ललिता वाकरे के लिए घर में नल से पानी आना केवल एक सुविधा नहीं, बल्कि रोजमर्रा की एक बड़ी परेशानी से मुक्ति है। उन्होंने खुशी व्यक्त करते हुए बताया कि पहले पानी लेने के लिए उन्हें घर से दूर स्थित कुएं तक जाना पड़ता था। इसमें समय और मेहनत दोनों लगते थे। अब घर में ही नल से शुद्ध पेयजल मिलने लगा है। इससे परिवार की दिनचर्या आसान हुई है और पानी की चिंता भी कम हुई है।

ललिता वाकरे का अनुभव उस बदलाव की कहानी है, जो जल जीवन मिशन देश के गांवों में ला रहा है। ग्रामीण परिवारों, विशेषकर महिलाओं को पानी जुटाने में लगने वाले समय और श्रम से राहत मिलने के साथ ही स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता उनके जीवन की गुणवत्ता को बेहतर बनाने में सहायक बन रही है।

सभी 90 परिवारों के घर तक पहुंचा नल से जल

जल जीवन मिशन के तहत डांडजमड़ी पंचायत के सभी 90 घरों तक नल कनेक्शन के माध्यम से शुद्ध पेयजल की आपूर्ति प्रारंभ हो गई है। इस व्यवस्था को स्थायी और स्थानीय सहभागिता पर आधारित बनाने के उद्देश्य से योजना के संचालन एवं संधारण की जिम्मेदारी ग्राम पंचायत को हस्तांतरित कर दी गई है।

बिर्रा में झोलाछाप डॉक्टर के इलाज से हुआ युवक का मौत

विश्व केसरी■



जांजगीर-चांपा (नीरज शर्मा)। विकासखंड बम्हनीडीह के अंतर्गत ग्राम पंचायत बिर्रा के आयुष नर्सिंग होम में गलत इलाज से एक युवक का मौत होने की मामला सामने आई है । फिलहाल परिजनों ने मामले को लेकर गहरे सदमे में है।

इस सबंध में परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार 2 अक्टूबर शुक्रवार को बिर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम डभरा खुर्द निवासी लोकनाथ कश्यप पिता फिरतू राम उम्र 24 वर्ष को परिजनों ने इलाज के लिए आयुष नर्सिंग होम बिर्रा लेकर गए। वहां पर उपस्थित झोलाछाप डॉक्टर लक्ष्मण पटेल ने गलत तरीके से इलाज कर इंजेक्शन लगाकर दवा दिया। जिससे वह बेहोश होकर गिर पड़ा। और उसका तबीयत लगातार बिगड़ते गया। आखिरकार लोकनाथ कश्यप का मौत हो गया। लेकिन मजेदार बात यह है कि उक्त झोलाछाप डॉक्टर लक्ष्मण पटेल के पास कोई वैध लाइसेंस नहीं है। उसके बावजूद भी लगातार क्लीनिक खोलकर बड़ी से बड़ी गंभीर बीमारियों का इलाज कर रहा है। कुछ माह पहले झोलाछाप डॉक्टर के खिलाफ पर शिकायत हुई थी शिकायत के आधार पर जांच किया गया। जांच में शिकायत सही पाए जाने पर उक्त झोलाछाप डॉक्टर लक्ष्मण पटेल की आयुष क्लिनिक को सील बंद की कारवाई किया गया था। उसके बावजूद भी आज बिर्रा क्षेत्र में झोलाछाप डॉक्टर फल फूल रहे हैं। यह बात ग्रामीणों के बीच में तरह-तरह की चर्चाएं हो रही है। बहरहाल कारण चाहे जो भी हो लेकिन गलत इलाज करने से युवक का मौत हुआ है। जिसके कारण परिजनों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

मामले की जांच चल रही है। उक्त झोलाछाप डॉक्टर लक्ष्मण पटेल फरार है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद नियमानुसार कार्रवाई किया जाएगा।

राजीव श्रीवास्तव
थाना प्रभारी बिर्रा

सेलूद कन्या विद्यालय में प्रार्थना शेड निर्माण के लिए 10 लाख स्वीकृत

विश्व केसरी■

रायपुर । दुर्ग जिले के पाटन विकासखंड अंतर्गत शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलूद की छात्राओं के लिए एक बड़ी खुशखबरी सामने आई है। स्कूल में प्रार्थना शेड के निर्माण हेतु लोक शिक्षण संचालनालय छत्तीसगढ़ द्वारा 10 लाख रुपये की प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी गई है।

शिक्षा मंत्री की घोषणा पर 24 घंटे के भीतर कार्रवाई

उल्लेखनीय है कि शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव द्वारा 05 अक्टूबर 2026 को शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय सेलूद में प्रार्थना शेड के निर्माण की घोषणा की गई थी। इस घोषणा पर त्वरित और संवेदनशील पहल करते हुए लोक शिक्षण संचालनालय ने मात्र अगले ही दिन यानी 06 अक्टूबर को निर्माण कार्य के लिए राशि स्वीकृत करने का आदेश जारी कर दिया।

डोंगरगढ़ मेले के दौरान दर्शनार्थियों के लिए अतिरिक्त सुविधा हेतु आवश्यक व्यवस्था

विश्व केसरी■



रायपुर । प्रत्येक वर्ष की भांति इस वर्ष भी मॉ बम्लेश्वरी मंदिर, डोंगरगढ में नवरात्रि पर्व (दिनांक 11अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक) मेला में जाने वाले दर्शनार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये रेलवे प्रशासन द्वारा गाडियों का अस्थायी ठहराव, स्पेशल ट्रेन एवं कुछ गाड़ियो का विस्तार की सुविधा प्रदान की जा रही है ।

कुछ गाड़ियों को डोंगरगढ़ व रायपुर तक अस्थायी विस्तारित करने के साथ ही कुछ दूरगामी एक्सप्रेस ट्रेनों का भी डोंगरगढ़ में दिनांक 11अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक अस्थायी ठहराव दिया जा रहा हैं जो इस प्रकार है :-

01. 68742/68741 गोंदिया-दुर्ग-गोंदिया मेमू पैसेजर को रायपुर तक विस्तारित की जा रही ।

02. 68729/68730 रायपुर-डोंगरगढ-रायपुर मेमू पैसेजर को गोंदिया तक विस्तार किया जा रहा है ।

03. 06886/06885 डोंगरगढ-दुर्ग-डोंगरगढ मेमू पैसेजर स्पेशल ट्रेन चलाई जा रही है ।

10 एक्सप्रेस ट्रेनों का भी डोंगरगढ़ में दिनांक 11अक्टूबर से 20 अक्टूबर 2026 तक अस्थायी ठहराव-

1. गाड़ी संख्या 20843 बिलासपुर भगत की कोठी डोंगरगढ़ स्टेशन पर 21.56 बजे पहुंच कर 21.58 बजे रवाना होगी।

2. गाड़ी संख्या 20844 भगत की कोठी बिलासपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 5:40 बजे पहुंच कर 5:42 बजे रवाना होगी

3. गाड़ी संख्या 20845 बिलासपुर बीकानेर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 21.56 बजे पहुंच कर 21.58 बजे रवाना होगी

4. गाड़ी संख्या 20846 बीकानेर बिलासपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 5:40 बजे पहुंच कर 5:42 बजे रवाना होगी

5. गाड़ी संख्या 12851 बिलासपुर चेन्नई एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 12.16 बजे पहुंच कर 12:18 बजे रवाना होगी

6. गाड़ी संख्या 12852 चेन्नई बिलासपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 10:18 बजे पहुंच कर 10. 20 बजे रवाना होगी

7. गाड़ी संख्या 12849 बिलासपुर पुणे एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 14.36 बजे पहुंच कर 14.38 बजे रवाना होगी

8. गाड़ी संख्या 12850 पुणे बिलासपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 11.58 बजे पहुंच कर 12:00 रवाना होगी

9. गाड़ी संख्या 12771 सिकंदराबाद रायपुर एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 1046 बजे पहुंच कर 10:48 बजे रवाना होगी.

10. गाड़ी संख्या 12772 रायपुर सिकंदराबाद एक्सप्रेस डोंगरगढ़ स्टेशन पर 18:30 बजे पहुंच कर 18.32 बजे रवाना होगी।

चलती 108 एंबुलेंस में गूंजी किलकारी, जच्चा-बच्चा दोनों सुरक्षित

विश्व केसरी■

नवागढ़। गांव से अस्पताल तक का सफर उस वक्त बेहद खास बन गया, जब रास्ते में ही 108 एंबुलेंस के अंदर नवजात की किलकारी गूंज उठी। ग्राम सिंउड़ की 28 वर्षीय अंजलि सूरज दास को प्रसव पीड़ा की सूचना मिलने पर नवागढ़ 108 की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें अस्पताल लेकर रवाना हुई। लेकिन रास्ते में अचानक प्रसव पीड़ा तेज हो गई।

स्थिति को देखते हुए एंबुलेंस को ही अस्थायी प्रसव कक्ष बनाना पड़ा। ईएमटी मंजू कश्यप और पायलट जमुना दास ने सूझबूझ और तत्परता दिखाते हुए एंबुलेंस में ही सुरक्षित प्रसव कराया। प्रसव के बाद जच्चा और बच्चा दोनों सुरक्षित रहे। इसके बाद दोनों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नवागढ़ में भर्ती कराया गया।

NAME CHANGE

it is informed to the general public that I, CHETANA SAHU D/O DHANESH RAM SAHU resident of - House no. - 80, Mahurbandpara Kanker, Tehsil - Kanker, Dist- Kanker (C.G) 494334 have changed my old name CHETNA SAHU D/O DHANESH RAM SAHU in future I should be recognized by my new name that is CHETNA SAHU D/O DHANESH RAM SAHU in all Goverment and other documents.

CHETNA SAHU
Add - House no. - 80, Mahurbandpara Kanker, Tehsil - Kanker, Dist- Kanker (C.G)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :-
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....35968..../ न. पा. नि. जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 05-10-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 35968
वार्ड का नाम 29-गुरू गोविन्द सिंह वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 29 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR334C00093** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **LAKHNU BHONDEKAR** पिता/पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती कुंती देवी पिता/पति पि श्री श्रीमती स्व. लखनु राम ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / **SHAPATH PATRA MRITU PRAMAN PATRA AADHAR CARD /** वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

16 हजार फीट की ऊंचाई से छलांग स्वदेशी पैराशूट ने पास की परीक्षा

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। आसमान में 16 हजार फीट की ऊंचाई और नीचे लद्दाख का बेहद ऊंचा व चुनौतीपूर्ण इलाका, इसी ऊंचाई से भारतीय जवानों ने छलांग लगाकर स्वदेशी पैराशूट की क्षमता को परखा है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन यानी डीआरडीओ ने उन्नत उच्च-ऊंचाई पैराशूट विकसित किया है।



लद्दाख में इसकी पहली वास्तविक छलांग सफलतापूर्वक कराकर डीआरडीओ ने एक अहम उपलब्धि हासिल की है। यह परीक्षण लद्दाख के न्योमा स्थित मुध ड्रॉप जोन में हुआ। इसे देश के सबसे ऊंचाई वाले पैराशूट छलांग क्षेत्रों में गिना जाता है। छलांग 16,000 फीट की ऊंचाई से लगाई गई। करीब 15,500 फीट पर पैराशूट खोला गया और अंत में सैनिक ने 13,700 फीट की ऊंचाई पर सुरक्षित उतरकर इस परीक्षण को सफल बनाया।

इस एक छलांग ने यह साबित कर दिया कि भारत का यह स्वदेशी पैराशूट बेहद ऊंचाई वाले इलाकों में सैनिकों को उतारने की चुनौती का सामना कर सकता है। इस उन्नत पैराशूट को डीआरडीओ की आगरा स्थित एरियल डिलीवरी रिसर्च एंड डेवलपमेंट एस्टैब्लिशमेंट ने तैयार किया है। इसे इस तरह डिजाइन किया गया है कि स्थिर डोरी की मदद से बड़ी संख्या में पैराट्रूपर्स को एक साथ उतारा जा सके।

रक्षा मंत्रालय का कहना है कि छलांग लगाना सामान्य छलांग जैसा नहीं होता। पैराशूट खुलते समय लगने वाला तेज झटका और नीचे आने की गति सैनिक के लिए बड़ा जोखिम पैदा कर सकती है। बेहद ऊंचाई वाले क्षेत्रों में मौसम और वातावरण की चुनौती भी अलग होती है, इसीलिए न्योमा में हुआ यह परीक्षण सिर्फ एक छलांग नहीं, बल्कि पैराशूट की वास्तविक क्षमता की कठिन परीक्षा थी।

सफल परीक्षण ने इसकी प्रभावशीलता और सामरिक उपयोगिता को साबित किया है। इस पैराशूट का निर्माण कानपुर स्थित आयुध पैराशूट कारखाने ने किया है। इसकी गुणवत्ता की जांच वैमानिकी गुणवत्ता आश्वासन महानिदेशालय ने की, जबकि विमानन गुणवत्ता आश्वासन केंद्र, कानपुर ने इसे प्रमाणित किया है।

इसकी खास बात यह है कि इसे 18,000 फीट तक की ऊंचाई पर इस्तेमाल किया जा सकता है। इसमें पैराशूट खोलने के अलग-अलग तरीके हैं और नीचे उतरने की गति को भी सुरक्षित रखने के लिए विशेष रूप से तैयार किया गया है। दरअसल बहुत ऊंचाई पर पैराशूट से

काला सागर में एमवी रोयाद मम्मादोव पर हुए हमले की भारत ने की निंदा



विश्व केसरी■

नई दिल्ली। भारत ने काला सागर में एमवी रोयाद मम्मादोव जहाज पर हुए हमले की कड़े शब्दों में निंदा की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने मंगलवार को एक बयान जारी कर रोमानिया की तारीफ की जिसके रक्षक दल ने वाणिज्यिक जहाज सवार तीन भारतीयों को सुरक्षित निकाल लिया।

एमईए ने बयान में कहा, 'हम काला सागर में एमवी रोयाद मम्मादोव पर हुए हमले की निंदा करते हैं, जिसमें दो विदेशी नाविक मारे गए और तीन भारतीयों समेत चालक दल के कुछ सदस्य घायल हो गए। घायलों को रोमानियाई अधिकारियों ने बचा लिया और उनका रखरखाव किया जा रहा है।'

विदेश मंत्रालय के मुताबिक, जहाज के चालक दल में शामिल तीनों भारतीय सुरक्षित हैं। भारत ने रोमानियाई रक्षक दल का आभार जताते हुए कहा, 'हम इस घटना में त्वरित कार्रवाई के लिए रोमानियाई अधिकारियों को धन्यवाद देते हैं।'

इसमें आगे कहा गया कि भारत व्यावसायिक जहाजों और नाविकों पर हुए हमलों को गंभीर मानता है। डायलॉग और डिप्लोमेसी को किसी भी मतभेद का समाधान बताते हुए एमईए ने कहा, 'अंतरराष्ट्रीय जलमार्ग में यातायात को निशाना बनाना वैश्विक वाणिज्य और दुनिया भर के लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा है। हम अपील करेंगे कि संघर्षों का समाधान संवाद और कूटनीति के जरिए करें।'

विदेश मंत्रालय ने यह भी रेखांकित किया कि भारत ने सितंबर 2026 में संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान लाइबेरिया के साथ मिलकर 'ग्रुप ऑफ फ्रेंड्स ऑन सेफ्टी एंड सिक्योरिटी ऑफ शिपिंग एंड सीफेरर्स' की शुरुआत की थी।

मध्य प्रदेश में चीतों का तीसरा बसेरा बनेगा सागर का रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व

विश्व केसरी■

भोपाल। मध्य प्रदेश में चीता पुनर्स्थापना का प्रयोग सफल रहा है और अब चीतों का नया ठिकाना सागर जिले का रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व बनने जा रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री मोहन यादव बुधवार 7 अक्टूबर को यहां दो चीतों को मुक्त करने वाले हैं। कूनो राष्ट्रीय उद्यान और गांधीसागर वन्यजीव अभयारण्य के बाद वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व को मध्य प्रदेश में चीतों के तीसरे आवास के रूप में विकसित किया गया है।



चीतों की सुरक्षा और अनुकूलन के लिए लगभग 439 हेक्टेयर क्षेत्र में विशेष व्यवस्थाएं की गई हैं। आधुनिक बाड़ों (बोमा) और अन्य सुविधाओं से युक्त सुरक्षित आवास तैयार किया गया है। वन विभाग द्वारा चीतों की सुरक्षा, नियमित निगरानी और स्वास्थ्य देखभाल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की गई है। साथ ही, क्षेत्र में मौजूद अन्य वन्यजीवों के लिए भी सुरक्षित और अनुकूल पारिस्थितिकी तंत्र विकसित किया गया है।

वीरांगना दुर्गावती टाइगर रिजर्व, जिसे नौरादेही टाइगर रिजर्व के नाम से भी जाना जाता है, सागर, दमोह और नरसिंहपुर जिलों में लगभग 2,339 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला प्रदेश का सबसे बड़ा टाइगर रिजर्व है। वर्ष 1997 में स्थापित इस क्षेत्र को नौरादेही वन्यजीव अभयारण्य के साथ एकीकृत करने के बाद 20 सितंबर 2023 को टाइगर रिजर्व का दर्जा दिया गया।

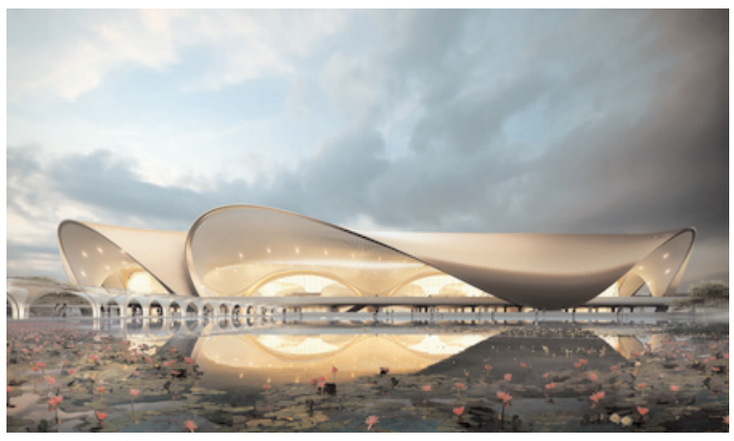
यह क्षेत्र बाघ, तेंदुआ, चीतल, सांभर, नीलगाय और भालू सहित विविध वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास है तथा संकटग्रस्त भारतीय गिद्ध प्रजातियों के संरक्षण के लिए भी महत्वपूर्ण है।

नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट ने बढ़ाई यात्री सुविधाएं, विंटर शेड्यूल से पहले ट्रांसपोर्ट और हॉस्पिटैलिटी नेटवर्क मजबूत

विश्व केसरी■

नवी मुंबई। अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) द्वारा संचालित नवी मुंबई इंटरनेशनल एयरपोर्ट (एनएमआईए) ने आगामी विंटर फ्लाइट शेड्यूल को ध्यान में रखते हुए यात्री सुविधाओं, परिवहन नेटवर्क, ट्रांजिट हॉस्पिटैलिटी और एयरलाइन सपोर्ट सेवाओं का विस्तार किया है। यह तैयारी ऐसे समय में की जा रही है जब क्षमता संबंधी दबाव झेल रहे छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट (सीएसएमआईए) से अधिक उड़ानों को नवी मुंबई एयरपोर्ट की ओर स्थानांतरित किए जाने की योजना है।

भारत के सबसे बड़े ग्रीनफील्ड हवाईअड्डों में शामिल एनएमआईए यात्री अनुभव को बेहतर बनाने के लिए डिजिटल आर्ट प्रोग्राम और विशेष अनुभव क्षेत्र (एक्सपीरियंस जोन) भी विकसित कर रहा है, ताकि यात्रियों को अधिक आरामदायक और आकर्षक माहौल मिल सके।



यह सभी तैयारियां 25 अक्टूबर 2026 से 27 मार्च 2027 तक चलने वाले विंटर शेड्यूल से पहले की जा रही हैं।

परिवहन सुविधाओं के विस्तार के तहत महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) 7 अक्टूबर से इलेक्ट्रिक ई-शिवाई बस सेवा शुरू करेगा। ये बसें एयरपोर्ट को दादर, बोरीवली और पुणे से जोड़ेंगी। इनके किराए क्रमश: 170 रुपए, 210 रुपए और 450 रुपए निर्धारित किए गए हैं। 12 वर्ष से कम आयु के बच्चों और नेशनल कॉमन मोबिलिटी कार्ड के साथ यात्रा करने वाली महिलाओं को आधा किराया देना होगा।

निजी बस सेवा 'चलो' प्रतिदिन 21 सेवाएं उपलब्ध करा रही है, जो एयरपोर्ट को मारोल, बांद्रा, दादर और कोलाबा से जोड़ती हैं। वहीं नवी मुंबई म्युनिसिपल ट्रांसपोर्ट (एनएमएमटी) एयरपोर्ट के लिए सात समर्पित मार्गों पर सेवाएं संचालित कर रहा है।

भारत टैक्सी 10 अक्टूबर से एयरपोर्ट पर अपनी सेवाएं शुरू करेगी और शुरुआती चरण में 40 वाहनों तक की सुविधा उपलब्ध होगी। इसके अलावा सिटीफ्लो, आर्या और चालो मिलकर एनएमआईए और सीएसएमआईए के बीच हर घंटे नि:शुल्क शटल सेवा भी संचालित करेंगे।

एयरपोर्ट का कुल परिवहन नेटवर्क काफी व्यापक बनाया गया है, जिसमें 3,787 ऐप-आधारित टैक्सियां, 184 कार रेंटल वाहन, 171 ऑटो-रिक्शा और 547 बसें शामिल हैं।

प्लेग का खौफ बनाम हकीकत: रूस की घटना से फिक्र करने की कितनी जरूरत?

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। रूस के साइबेरिया में एक एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट की महिला कर्मचारी की मौत ने लोगों को डरा दिया है। उसकी मौत के बाद करीब 200 लोगों पर पैनी नजर रखी जा रही है। दुनिया का ध्यान एक बार फिर उस बीमारी की ओर गया है, जिसे सदियों पहले 'ब्लैक डेथ' के नाम से जाना जाता था। सोशल मीडिया पर प्लेग फैलने और लैब से संक्रमण बाहर निकलने जैसी आशंकाओं ने चिंता बढ़ाई है। लेकिन मौजूदा वैज्ञानिक और आधिकारिक जानकारी की तस्वीर इससे कहीं अलग है। अमेरिका की ओर से भी कुछ सवाल खड़े किए जा रहे हैं।



सबसे पहले यह स्पष्ट करना जरूरी है कि रूस में इस समय किसी बड़े प्लेग प्रकोप की पुष्टि नहीं हुई है। 28 वर्षीय लैब कर्मचारी की मौत निमोनिया से हुई, लेकिन उसके कारण का अभी पता नहीं चला है। रूसी स्वास्थ्य अधिकारियों के मुताबिक, जांच में ऐसे कोई सबूत नहीं मिले हैं कि महिला के साथ लैब टेस्टिंग के दौरान प्लेग बैक्टीरिया से संबंधित कोई हादसा हुआ था। महिला जिस इरकुत्स्क एंटी-प्लेग रिसर्च इंस्टीट्यूट में काम करती थी, वहां संक्रमण से जुड़े किसी नए मामले की भी पुष्टि नहीं हुई है।

फिर करीब 200 लोगों को निगरानी में क्यों रखा गया? रॉयटर्स के अनुसार, इसका कारण बीमारी की पुष्टि से ज्यादा सावधानी है। महिला के संपर्क में आए लोगों की पहचान कर उन्हें मेडिकल निगरानी में रखा गया है। अस्पताल के कुछ हिस्सों को भी अलग किया गया है। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति नियंत्रण में है। संपर्क में आए कुछ लोगों में कोविड-19 और राइनोवायरस संक्रमण मिला है, लेकिन अब तक प्लेग का कोई नया मामला सामने नहीं आया है।

इसके बावजूद यह घटना गंभीरता से क्यों ली जा रही है? इसकी वजह खुद प्लेग की प्रकृति है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के अनुसार, प्लेग येरसिनिया पेस्टिस नाम के बैक्टीरिया से होने वाली बीमारी है।

गीता प्रेस की पत्रिका 'कल्याण' के शताब्दी समारोह में शामिल होंगे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

प्रो. राकेश सिन्हा, प्रो. संजय द्विवेदी सहित अनेक विद्वान करेंगे संबोधित

विश्व केसरी■

गोरखपुर। भारतीय संस्कृति, सनातन धर्म और नैतिक मूल्यों के प्रचार-प्रसार के लिए समर्पित गीता प्रेस की प्रतिष्ठित पत्रिका 'कल्याण' के शताब्दी समारोह का आयोजन 7 अक्टूबर को गोरखपुर में किया जाएगा। सायं 4 बजे आयोजित इस समारोह की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ करेंगे।



यह आयोजन हनुमान प्रसाद पोद्दार के 134वें जयंती महोत्सव के अवसर पर किया जा रहा है। समारोह में देश के प्रख्यात विद्वान और विचारक पत्रिका 'कल्याण' की सौ वर्षों की वैचारिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक यात्रा पर अपने विचार व्यक्त करेंगे।

समारोह को पूर्व सांसद प्रो. राकेश सिन्हा, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय, भारतीय जन संचार संस्थान (आईआईएमसी) के पूर्व महानिदेशक प्रो. संजय द्विवेदी तथा भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के निदेशक डॉ. ओमजी पाण्डेय संबोधित करेंगे।

उल्लेखनीय है कि पत्रिका 'कल्याण' ने एक शताब्दी से भारतीय संस्कृति, सनातन परंपरा, आध्यात्मिक चिंतन और नैतिक जीवन-मूल्यों के प्रसार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। यह पत्रिका भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक चेतना को जन-जन तक पहुंचाने का एक सशक्त माध्यम रही है। शताब्दी समारोह में इसकी ऐतिहासिक भूमिका, वैचारिक योगदान और समकालीन समाज में इसकी प्रासंगिकता पर विमर्श होगा।

दक्षिण कोरिया: समुद्र जाने को तैयार नहीं अड़ियल 'बुकांगी', तीन हफ्ते से जहां पहुंची वहीं डटी

विश्व केसरी■

सोल। दक्षिण कोरिया के बुसान की अड़ियल 'बुकांगी' ने प्रशासन की नाक में दम कर रखा है। 3.5 मीटर लंबी शार्क समुद्र में लौटने को तैयार नहीं है। करीब तीन सप्ताह पहले ये बुसान के नॉर्थ पोर्ट की एक संकरी नहर में पहुंच गई थी। अब ये उसी जलमार्ग में बनी हुई है। उसे खुले समुद्र तक पहुंचाने की दो कोशिशें की जा चुकी हैं लेकिन दोनों नाकाम रहीं। दिलचस्प बात यह है कि एक बार समुद्र के मुहाने के काफी करीब पहुंचने के बाद भी वह नहर में लौट आई।



फिर स्थानीय लोगों ने इसका नाम 'बुकांगी' रख दिया। यह नाम बुसान के नॉर्थ पोर्ट के कोरियाई नाम 'बुकहांग' और स्थानीय नामों में इस्तेमाल होने वाले प्रत्यय 'ई' से मिलकर बना है। योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, 18 सितंबर को पहली बार नहर में देखे जाने के बाद से बुकांगी न सिर्फ स्थानीय अधिकारियों के लिए एक रेस्क्यू चुनौती बनी हुई है, बल्कि हजारों लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र भी बन गई है। शनिवार तक सात लाख से ज्यादा लोग उसे देखने पहुंच चुके थे।

शार्क को नहर से बाहर निकालने की पहली कोशिश 29 सितंबर को की गई थी। अधिकारियों ने पानी की तेज धार छोड़कर उसे धीरे-धीरे नहर के मुहाने की ओर पहुंचाने का प्रयास किया। पांच नौकाओं और पानी के पंपों की मदद से करीब पांच घंटे तक पूरी शिद्दत से अभियान चलाया गया, लेकिन शार्क बार-बार नौकाओं के पीछे से निकलती रही और अधिकारियों की बनाई दिशा से बचती रही, जिसके बाद अंतत: अभियान पर विराम लगाना पड़ा।

इसके बाद अधिकारियों ने एक और तरकीब निकाली। 2 अक्टूबर को करीब 50 मीटर लंबा और 6.8 मीटर ऊंचा जाल बिछाया गया। योजना थी कि जाल की मदद से शार्क को धीरे-धीरे कृत्रिम जलमार्ग से बाहर निकाल खुले समुद्र तक पहुंचाया जाएगा। लेकिन यह कोशिश भी सफल नहीं रही। जाल नहर की तलहटी में ही जाकर अटक गया और करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद अभियान रोकना पड़ा।

इसके अगले दिन जो हुआ उससे सब हतप्रभ रह गए। दरअसल, अधिकारियों ने जाल को नहर के मुहाने से करीब 100 मीटर पहले रोक दिया था। लेकिन अगले दिन बुकांगी उस 50 मीटर लंबे जाल को पार कर फिर नहर के भीतर लौट आई।

जम्मू-कश्मीर में मोबाइल नेटवर्क होगा मजबूत, 12 इलाकों में लगेंगे नए टावर

विश्व केसरी■

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर सरकार ने उन इलाकों में मोबाइल टावर लगाने के लिए जमीन देने को मंजूरी दी है, जहां अभी नेटवर्क की सुविधा कम है। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने खुद इसकी जानकारी दी।



मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पोस्ट में लिखा, 'जम्मू-कश्मीर सरकार ने उरी, तंगमर्ग, करनाह, कालाकोट, करालपोरा, बसंतगढ़, खौड़, लट्टी मरोटी, बनिहाल, पोगल परिस्तान, रामसू और किला दरहाल जैसे कम कवरेज वाले क्षेत्रों में मोबाइल टावर लगाने के लिए जमीन देने को मंजूरी दी है। यह काम यूनिवर्सल सर्विस ऑब्लिगेशन फंड (यूएसओएएफ) के तहत किया जाएगा।'

उन्होंने कहा कि इस कदम का मकसद पूरे जम्मू-कश्मीर में हाई-स्पीड टेलीकॉम कवरेज को बढ़ाना है।मुख्यमंत्री ने कहा, 'यह पहल दूरदराज और सीमावर्ती गांवों में कनेक्टिविटी को मजबूत करेगी, ऑनलाइन शिक्षा और ई-गवर्नेंस सेवाओं तक पहुंच में मदद करेगी, आपातकालीन संचार में सुधार करेगी और डिजिटल खाई को पाटेगी।'

इस फैसले के तहत सरकार ने 12 से 13 कम सुविधा वाले और सीमावर्ती इलाकों में बीएसएनएल के नए मोबाइल टावरों के लिए जमीन को मंजूरी दी है, ताकि हाई-स्पीड कवरेज को बढ़ाया जा सके।

जम्मू-कश्मीर में बड़े शहरों और हाईवे पर मोबाइल कनेक्टिविटी अच्छी है, लेकिन दूरदराज और सीमावर्ती इलाकों में अभी भी बुनियादी ढांचे का विस्तार किया जा रहा है।

संपादकीय

उत्तराखंड में लेखकों का एक 'गाँव'



संतोष श्रीवास्तव

'लेखक गाँव': यह नाम सुनते ही मन में अनेक प्रश्न उठते हैं। क्या यह केवल लेखकों के रहने की जगह है? या उनके सृजन करने की जगह या प्रकृति से जुड़ने का प्रयास। या फिर चिंतन, मनन, अध्यात्म का केंद्र? उत्तराखंड के थानो वेली पहुँचकर लगा कि इन सभी प्रश्नों का उत्तर एक साथ 'हाँ' भी है और उससे कहीं अधिक भी।

यहाँ प्रकृति स्वयं एक पाठ बन जाती है। और इसी स्थल पर हमने किया अंतरराष्ट्रीय विश्व मैत्री मंच के 13 वें राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन। जिसमें भारत भर से 35 साहित्यकारों ने भाग लिया। मन में जोश और उमंग भरे हम पहुंचे देहरादून से 25 किलोमीटर दूर हरे-भरे पहाड़ी रास्ते से गुजरते हुए थानो वेली ।

एक बहुत बड़े गेट जिस पर लेखक गांव लिखा था उससे परिसर में प्रवेश करते ही सामने थे हरे भरे पर्वत उन पर लेटे बादल और साहित्य, संस्कृति, कला, प्रकृति और चिंतन को एक ही परिसर में समेटने वाला अनूठा स्थल।

लेखक गाँव को 25 अक्टूबर 2024 को औपचारिक रूप से लोकार्पित किया गया। यह अवसर तीन दिवसीय स्पर्श हिमालय महोत्सव-2024 से जुड़ा था। पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उत्तराखंड के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में इसे देश के पहले हिमालयी 'लेखक गाँव' की संज्ञा दी गई।

सुप्रसिद्ध साहित्यकार एवं उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक' की परिकल्पना का मूर्त रूप है लेखक गांव। इसे स्पर्श हिमालय फाउंडेशन के तत्वावधान में विकसित किया गया है। इसका मूल विचार यह है कि लेखक को केवल पुस्तकालय या सभागार ही नहीं,



बल्कि ऐसा पूरा वातावरण मिले जिसमें वह प्रकृति के बीच रहकर पढ़ सके, सोच सके, संवाद कर सके और सृजन कर सके।

यह परिसर लगभग 25 एकड़ भूमि में विकसित किया गया है और इसके भवनों में स्थानीय पहाड़ी स्थापत्य तथा काष्ठ-कला का उपयोग किया गया है। देवदार की लकड़ी, पहाड़ी पटाल और पारंपरिक सजावटी तत्वों का प्रयोग परिसर को उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान

प्रकृति, कला, भारतीय ज्ञान-परंपरा और सांस्कृतिक विरासत के साथ जोड़ता है।

यहां लेखक कुटीर है।नालंदा पुस्तकालय शोध एवं अनुसंधान केंद्र' है। जिसमें दस लाख पुस्तकों के विशाल पुस्तकालय का लक्ष्य है। मैंने भी यहां अपनी 17 पुस्तके भेंट की हैं जो यहां के रजिस्टर में मेरे नाम सहित दर्ज है।

यहां कला दीर्घा है जहां साहित्य और दृश्य कला एक-दूसरे से गहरे जुड़े हैं। चित्र, मूर्ति, लोककला और साहित्य—सभी मनुष्य की संवेदना को अलग-अलग ढंग से व्यक्त करते हैं।ठ्युयोग एवं ध्यान केंद्र भी है जो एकाग्रता, संवेदना और आत्मचिंतन की दिशा को प्रशस्त करता है।ठ्युयहां संजीवनी वाटिका है जोठ्ठप्रकृति और भारतीय परंपरागत वनस्पति-ज्ञान को साहित्यिक परिसर से जोड़ती है। वाटिका की जड़ी बूटियां भारतीय संस्कृति और जीवन-दर्शन का हिस्सा हैं।

यहां नक्षत्र एवं नवग्रह वाटिका भी बनाई गई है।

भारतीय परंपरा में प्रकृति, वनस्पति और ब्रह्मांड के बीच संबंध की जो कल्पना रही है, इन वाटिकाओं के माध्यम से उसे सांस्कृतिक रूप में प्रस्तुत किया गया है।

इस तरह परिसर में आधुनिक साहित्यिक गतिविधियों के साथ भारतीय ज्ञान-परंपरा को भी स्थान मिलता है।

लेखक गाँव की एक महत्वपूर्ण विशेषता है गंगा और हिमालय से संबंधित संग्रहालय। इस संग्रहालय के माध्यम से लेखक गाँव अपनी भौगोलिक स्थिति को भारतीय सांस्कृतिक चेतना से जोड़ता है। यहां परिचर्चा केंद्र भी है, प्रकृति की पाठशाला भी है।

जहाँ साहित्यकार, विचारक, कलाकार, शोधार्थी और अन्य विद्वान विभिन्न विषयों पर संवाद कर सकते हैं।

बेहतर विकल्प एवं जरूरी मुद्दों का अभाव ही विपक्ष की अक्षमता



ललित गर्ग

भारतीय लोकतंत्र की खूबसूरती यह है कि यहां कोई भी सरकार स्थायी नहीं होती और कोई भी विपक्ष हमेशा के लिए विपक्ष नहीं रहता। सत्ता के लंबे कार्यकाल के बाद स्वाभाविक रूप से सरकार के प्रति उकताहट पैदा होती है। लेकिन उकताहट और सत्ता परिवर्तन के बीच एक बड़ा अंतर है। मतदाता किसी सरकार से नाराज हो सकता है, उसके कामकाज पर सवाल उठा सकता है, फिर भी केवल नाराजगी के आधार पर किसी ऐसे विकल्प को स्वीकार नहीं करता, जिसके पास देश के भविष्य की स्पष्ट रूपरेखा न हो, जो सत्ता का लालची एवं बेहतर विकल्प से वंचित हो। आज भारतीय राजनीति में विपक्ष के सामने मूल प्रश्न यही है-क्या वह केवल सरकार से असंतुष्ट है या जनता के सामने कोई विश्वसनीय विकल्प भी रख रहा है? राहुल गांधी लंबे समय से यह सवाल उठा रहे हैं कि मोदी सरकार के प्रति अपेक्षित एंटी-इंकंबेंसी दिखाई क्यों नहीं देती। उनका आरोप है कि चुनावी प्रक्रिया में गड़बड़ी और 'वोट चोरी' के कारण जनता की वास्तविक इच्छा सामने नहीं आ पा रही। इन आरोपों के समर्थन में उनके द्वारा प्रस्तुत दावों को लेकर राजनीतिक और कानूनी बहस जारी है, उन्हें अंतिम रूप से सिद्ध तथ्य मानना अभी उचित नहीं होगा। लेकिन इतना जरूर है कि चुनावी प्रक्रिया, मतदाता सूची और निर्वाचन आयोग की पारदर्शिता पर उठने वाले प्रत्येक प्रश्न का निष्पक्ष और तथ्यात्मक उत्तर मिलना लोकतंत्र के हित में है।

इसी संदर्भ में एसआईआर यानी मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण का विवाद महत्वपूर्ण हो गया है। निर्वाचन आयोग स्वयं एसआईआर-2026 से संबंधित मतदाता सेवाएं और मतदाता सूची उपलब्ध करा रहा है तथा वह अपने को स्वतंत्र संवैधानिक प्राधिकरण बताता है। दूसरी ओर विपक्ष ने इस प्रक्रिया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल उठाए हैं। इस विवाद को अब सर्वोच्च न्यायालय में भी चुनौती मिली है। इस पूरे मामले का अंतिम निष्कर्ष राजनीतिक नारों से नहीं, संवैधानिक और न्यायिक प्रक्रिया से निकलेगा। यहीं विपक्ष की राजनीति की असली परीक्षा शुरू होती है। चुनाव आयोग के विरुद्ध आंदोलन करना विपक्ष का लोकतांत्रिक अधिकार है। मतदाता सूची में यदि किसी पात्र नागरिक का नाम गलत ढंग से हटाया गया है तो उसका विरोध होना चाहिए। यदि किसी अधिकारी ने नियमों का उल्लंघन किया है तो उसकी जांच होनी चाहिए। लेकिन लोकतंत्र की रक्षा केवल आयोग के विरोध से नहीं होगी। लोकतंत्र की रक्षा तब होगी जब विपक्ष जनता को यह भी बताए कि सत्ता मिलने पर वह शिक्षा, रोजगार, कृषि, उद्योग, स्वास्थ्य, शहरी जीवन, कानून-व्यवस्था और प्रशासन में क्या बदलेगा।

यही वह बिंदु है जहां 'वोट चोरी' का राजनीतिक विमर्श जनता के रोजमर्रा के सवालों से टकराता है। एक सामान्य परिवार को बच्चों की महंगी शिक्षा की चिंता है। रोजगार की बदलती प्रकृति, एआई और नई तकनीक के कारण पारंपरिक कौशल तेजी से अप्रासंगिक हो रहे हैं। डिग्री लेने के बाद भी रोजगार की गारंटी नहीं है। प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और नकल की घटनाएं युवाओं के विश्वास को चोट पहुंचाती हैं। ऐसे में युवा यह जानना चाहता है कि अगली सरकार परीक्षा व्यवस्था को कैसे विश्वसनीय बनाएगी, स्कूलों की गुणवत्ता कैसे सुधारेगी और बदलती तकनीकी अर्थव्यवस्था के लिए करोड़ों युवाओं को तैयार कैसे करेगी। किसान की समस्या भी केवल एमएसपी या आंदोलन तक सीमित नहीं है। फसल आने पर कीमत गिर जाती है और कुछ महीने बाद वही प्याज, टमाटर या दूसरी सब्जियां महंगी हो जाती हैं। इसका समाधान



केवल विरोध में नहीं, बल्कि गांव-कस्बे तक भंडारण, कोल्ड-चेन, प्रसंस्करण, कृषि बाजार और मूल्यवर्धन की मजबूत व्यवस्था में है। विपक्ष यदि कृषि सुधारों का विरोध करता है तो उसे यह भी बताना होगा कि वह वैकल्पिक कृषि ढांचा किस तरह खड़ा करेगा।

रोजगार का प्रश्न इससे भी बड़ा है। भारत की युवा आबादी को उद्योग, विनिर्माण, सेवा क्षेत्र, अनुसंधान और नई तकनीक से जोड़ना होगा। निवेश के लिए स्थिर कानून-व्यवस्था, पारदर्शी प्रशासन और भरोसेमंद कारोबारी वातावरण जरूरी है। केवल बड़े उद्योगपतियों पर राजनीतिक प्रहार या संपत्ति की गणना जैसे नारों से रोजगार पैदा नहीं होते। विपक्ष यदि संपत्ति के पुनर्वितरण या सामाजिक न्याय की बात करता है तो उसे साथ ही यह भी बताना होगा कि संपत्ति और अवसर कैसे पैदा किए जाएंगे। 'जितनी आबादी, उतना हक' जैसी राजनीति सामाजिक प्रतिनिधित्व के प्रश्न को सामने लाती है, लेकिन आज की चुनौती प्रतिनिधित्व के साथ-साथ क्षमता निर्माण की भी है। पिछड़े, दलित, आदिवासी और कमजोर वर्गों के बच्चों को अच्छी शिक्षा, कौशल, स्वास्थ्य और अवसर मिलें-यह सामाजिक न्याय का अधिक स्थायी आधार है। केवल आंकड़े गिनना पर्याप्त नहीं, उन आंकड़ों के पीछे खड़े मनुष्य का जीवन बदलना जरूरी है। इस पूरे परिदृश्य में ममता बनर्जी की भूमिका विशेष चर्चा का विषय बनी है। राष्ट्रीय विपक्षी राजनीति में उनकी भूमिका को लेकर नया विमर्श अवश्य उभरा है। हाल की इंडिया गठबंधन की बैठक में उन्होंने विपक्ष का दायरा बढ़ाने और व्यापक एकता की आवश्यकता पर जोर दिया। यह बदलाव इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि इंडिया गठबंधन का सबसे बड़ा संकट केवल भाजपा से मुकाबला नहीं, बल्कि उसके भीतर का परस्पर अविश्वास है। सीटों का बंटवारा, क्षेत्रीय वर्चस्व, नेतृत्व का प्रश्न और राज्यों में एक-दूसरे के खिलाफ लड़ने वाली पार्टियों का राष्ट्रीय स्तर पर साथ आना आसान नहीं है। आज की स्थिति में आप का चुनाव आयोग तक प्रस्तावित मार्च से अलग रहकर अपना रास्ता अपनाना भी इस अंतर्विरोध को दिखाता है।

कांग्रेस, तृणमूल, समाजवादी पार्टी, वामपंथी दल, राजद, आप और दूसरे क्षेत्रीय दल जब अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग राजनीति करते हैं, तब राष्ट्रीय मंच पर उनका साझा न्यूनतम कार्यक्रम क्या है? जनता इसी का उत्तर चाहती है। चुनाव आयोग के मुद्दे पर भी यही कसौटी लागू होती है। इंडिया गठबंधन ने 6 अक्टूबर को निर्वाचन आयोग तक मार्च सहित विरोध कार्यक्रम घोषित किए हैं और ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग उठाई है। यह आंदोलन संवैधानिक प्रश्नों को सार्वजनिक बहस के केंद्र में ला सकता है। लेकिन यदि विपक्ष का पूरा राजनीतिक अभियान केवल एक व्यक्ति के इस्तीफे तक सीमित रह गया, तो इससे चुनावी संस्थाओं पर व्यापक विश्वास का प्रश्न हल नहीं होगा। उसे यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर निर्वाचन आयोग की नियुक्ति, मतदाता सूची, ईवीएम-वीवीपैट, चुनावी चंदे और चुनावी पारदर्शिता को लेकर वह कौन से संस्थागत सुधार करेगा।

बड़ा प्रश्न है कि सत्ता की पात्रता को विकसित करने के लिये विपक्ष क्यों नहीं जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर सकारात्मक राजनीति को बल देती। वास्तव में विपक्ष के सामने सबसे बड़ा संकट मुद्दों की कमी नहीं, मुद्दों को समाधान में बदलने की क्षमता का है। बेरोजगारी है, शिक्षा का संकट है, कृषि की समस्या है, स्वास्थ्य का खर्च है, महंगाई की चिंता है, शहरी प्रदूषण है, एआई से बदलती नौकरियां हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था में भारत की प्रतिस्पर्धा का प्रश्न है। जनता इन सबको प्रतिदिन महसूस करती है। लेकिन राजनीतिक विमर्श बार-बार मोदी बनाम कौन, राहुल बनाम मोदी, ईवीएम बनाम बैलेट और आयोग बनाम विपक्ष की बहस में सिमट जाता है। भारतीय मतदाता सरकार से मोहभंग होने पर भी यह देखता है कि उसके सामने विकल्प क्या है। वह जमीन छोड़कर अंधे कुएं में छलांग नहीं लगाता। उसे ऐसा विपक्ष चाहिए जो सरकार की कमियां गिनाने के साथ अपनी क्षमताएं भी बताए, जो केवल सत्ता की आलोचना नहीं, शासन का वैकल्पिक मॉडल प्रस्तुत करे, जो चुनाव आयोग से सवाल पूछे तो अपनी चुनावी पारदर्शिता की कसौटी भी सामने रखे, जो सामाजिक न्याय की बात करे तो शिक्षा और अवसर का रास्ता भी बताए, जो उद्योगपतियों से सवाल करे तो निवेश और रोजगार की अपनी नीति भी स्पष्ट करे।

सिंधु सभ्यता से वैश्विक बाजार तक भारत के सूत की यात्रा



आचार्य ललित मुनि

हमारे घरों में कपास का उपयोग इतना सामान्य है कि हम उसके बारे में सोचते भी नहीं। दीपक की बाती में, आरती की थाली में, कमीज के कपड़े में, बिस्तर की चादर में, तौलिये में, बच्चे के पहनने के कपड़े में और कभी घाव पर रखी जाने वाली पट्टी में भी सूत हमारे साथ रहता है।

खेत में कपास का पौधा खड़ा होता है तो वह एक फसल दिखाई देता है, लेकिन उसके फूल से निकला सूत जब धागा बनकर करघे तक पहुंचता है, तब उसका रूप ही बदल जाता है। यही धागा कभी व्यापारी के माल के साथ समुद्र पार गया, कभी यूरोप के बाजार में भारतीय कपड़ों की पहचान बना।

कपास के महत्व को हमें हजारों वर्ष पीछे जाना पड़ेगा, उस समय तक जब न आधुनिक मिलें थीं, न मशीन से चलने वाले करघे और न वैश्विक बाजार की आज जैसी कोई स्थिति, तब तन ढंकने के लिए सूत का कपड़ा ही सहायक था। मेहरगढ़ की एक प्राचीन कब्र में तांबे के मनके के भीतर सुरक्षित मिले कपास के सूत से हमें इसकी प्राचीनता ज्ञात होती है। आगे चलकर सिंधु सभ्यता के नगरों में यही सूती धागे और वस्त्र का रूप ले चुके थे।

बुनकरों के हाथों से बने भारतीय सूती कपड़े समुद्री रास्तों से दूर देशों तक पहुंचे। भरूच जैसे बंदरगाहों से उनका व्यापार हुआ। यूरोप में भारतीय कपड़ों की ऐसी मांग बनी कि वहां के अपने वस्त्र उद्योग को उनसे प्रतिस्पर्धा महसूस होने लगी। लेकिन इतिहास एक जगह ठहरता नहीं। मशीनें आईं और कपड़े के उत्पादन का ढंग बदल गया। भारत, जो कभी तैयार सूती कपड़ों का बड़ा निर्यातक था, धीरे-धीरे ब्रिटिश मिलों के लिए कच्ची कपास देने वाले देश में बदलता गया।

और फिर इसी कपास का एक दूसरा रूप सामने आया। गांधी के हाथ में चरखा आया। कपास का धागा केवल कपड़ा बनाने का साधन नहीं रहा, वह स्वदेशी और आत्मनिर्भरता की आवाज बन गया। आज 7 अक्टूबर को विश्व कपास दिवस मनाया जाता है। इस अवसर पर कपास को केवल एक फसल की तरह देखना उसके इतिहास को बहुत छोटा कर देना होगा। इसके साथ किसान की मेहनत है, बुनकर का हुनर है, समुद्री प्राचीन व्यापार की यादे हैं, औद्योगिक परिवर्तन है और स्वतंत्रता आंदोलन का एक महत्वपूर्ण अध्याय भी है।

कपास के प्राचीन इतिहास की महत्वपूर्ण कड़ी तत्कालीन भारत एवं वर्तमान पाकिस्तान के बलूचिस्तान क्षेत्र में स्थित मेहरगढ़ से मिलती है। वहां छठी सहस्राब्दी ईसा पूर्व की एक कब्र में मिले तांबे के मनके के भीतर कुछ रेशे सुरक्षित मिले थे। सूक्ष्मदर्शी जांच में इन्हें Gossypium, यानी कपास के रेशों के रूप में पहचाना गया। 2002 में प्रकाशित शोध ने इसे पुरानी दुनिया में कपास के सबसे प्राचीन ज्ञात प्रमाण के रूप में दर्ज किया।

इसके बाद मोहनजोदड़ो से कपास के वस्त्र का प्रमाण मिलता है। एक चांदी के पात्र के ढक्कन से चिपके कपड़े के टुकड़े को चांदी के लवणों ने बचा लिया था। जांच में उसके रेशे कपास के पाए गए और इसका काल लगभग 3000 से 2750 ईसा पूर्व माना गया। सिंधु सभ्यता के लोग कपास के रेशे को धागे और वस्त्र में बदलना जानते थे।

पाणिनि की अष्टाध्यायी, कौटिल्य के अर्थशास्त्र और बौद्ध साहित्य में बुनाई, सूत और वस्त्रों से जुड़े उल्लेख मिलते हैं। पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में हेरोडोटस ने भारत में ऊन जैसे पदार्थ देने वाले पेड़ों का उल्लेख किया। पहली शताब्दी ईस्वी के Periplus of the Erythraean Sea में भरूच यानी Barygaza से कपास और सूती वस्त्रों के व्यापार का उल्लेख मिलता है।

अठारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में ब्रिटेन में कताई और बुनाई की मशीनें आईं। मशीन से बने ब्रिटिश कपड़े भारतीय बाजार में आने लगे और पारंपरिक कारीगरों की आजीविका प्रभावित हुई।

बोध कथा

एक सेवा का मूल्य



तुर्की में जकीर नाम के एक फकीर हुए हैं। वह आईन नदी के किनारे कुटी बनाकर रहते थे। एक दिन नदी में एक सेवा बहता आ रहा था। जकीन ने उसे पकड़ लिया। अभी उसे खाने की तैयारी कर ही रहे थे कि अंत:करण से आवाज आई ''फकीर! क्या यह तेरी संपत्ति है,क्या तूने इसे परिश्रम से पैदा किया है? यदि नहीं तो इसे खाने का तुझे क्या अधिकार है?''सेव झोले में डालकर अब फकीर अब उसके स्वामी की खोज में नदी के चढ़ाव की ओर चल पड़े।

हिंदू ग्रंथ पढ़ें

थोड़ी दूर पर एक सेव का बाग मिला। कुछ सेव के वृक्षों की डालें पानी को छू रही थीं,फकीर ने विश्वास किया सेव यहीं से टूटा हुआ होगा। उन्होंने बाग के स्वामी से कहा-यह लीजिए आपका सेव नदी में बहा जा रहा था।'' उसने कहा-भाई मैं तो बाग का रखवाला मात्र हूँ,इसकी स्वामिनी तो बुखारा की राजकुमारी है।''फकीर वहाँ से बुखारा के लिए रवाना हुआ।

कई दिन की पैदल यात्रा के बाद वहाँ पहुँचा और वह सेव लेकर राजकुमारी जी के पास उपस्थित हुआ। फकीर को एक सेव लेकर इस तरह आने का हाल सुनकर राजकुमारी हँसकर बोली-अरे बाबा! इसको वहीं खा लेते,एक सेव यहाँ लाने की क्या आवश्यकता थी?''फकीर ने कहा-राजकुमारी जी आपकी दृष्टि में एक सेव का कुछ भी मूल्य नहीं पर इस सेव ने तो मेरा साधा धर्म,संयम और सारे जीवन की साधना नष्ट कर दी होती।''

कविता

मनुष्य के पक्ष में...



गोलेन्द्र पटेल

सत्ता नहीं खोना
चाहता बाज़
चुप्पी चिड़िया चुनाव
का चिह्न है
कौआ काँव-काँव
कर चिल्लाता है
चिल्होर-चील को
चाहिए आकाशीय
ताज।
गिद्ध गगन में गऊगोश्त बाँटते हैं
पीकर मदिरा, प्रजा और पंक्षी प्रसन्न हैं
सूरज की किरणों में चमकते हैं उनके पंख
हर पंख पर विराजती है सत्ता की गर्माहट।
विजेता गरुड़ की सभा में
मोरनी नृत्य करती है
गौरैया ग़ज़ल सुनाती है
बुलबुल गीत सुनाती है
कोइलिया कविता पढ़ती है
कचकचिया कथा कहती है
टिटिहरी तुरही बजाती है—
हुऽ-टि-टी-टी3...!
हारा हुआ हंस हर्षित है
बगल में बैठा बकुला व्यंग्यकार है।
सभा में उपस्थित हैं:
उल्लू, उपन्यासकार
चमगादड़, चित्रकार
नीलकंठ, नाटककार
कबूतर, कथाकार
शुतुरमुर्ग, संगीतकार
सुग्गा, संस्मरणकार
पनडुब्बी, प्रशस्तिकार (प्रथम महिला)।
आकाश में शब्द-सत्ता का सुशासन स्थापित हुआ है
गरुड़ से विष्णु जी क्षीरसागर में सोते हुए कहे,
'वत्स, तुम तब तक राज करोगे
जब तक तुम्हारी सभा में साहित्यकार रहेंगे।'
तमसा की कल-कल में क्रौंची का करुण कलरव है।

व्यंग्य केसरी

देशभक्ति का थर्मामीटर



बेबाक बनारसी

हमने इतना भर कहा कि इस देश में गद्दार बढ़ रहे हैं', तो वे मुझे घूर कर देखने लगे,फिर बोले 'मैं समझ रहा हूं कि आपका इशारा किसकी ओर है!' मैंने मुस्कुराते हुए कहा, 'आपकी तरफ तो बिल्कुल नहीं है.आप तो जबरदस्त देशभक्त होंगे' सज्जन की जुबान लड़खड़ाने लगी. बोले, 'हां हां इसमें कोई शक?' मैंने फौरन कहा, 'तो फिर बोलिए वंदे मातरम!' वे चिढ़ गए और बोले, 'साम्प्रदायिकता की बात मत करो!

विडंबना यह है कि जब आप किसी से पूछते हैं कि भाई, जरा उंगली उठाकर उस गद्दार का पता तो बताओ, तो उसकी खुद की उंगलियां आपस में उलझ जाती हैं।

?उस सज्जन की जुबान का लड़खड़ाना कोई इत्तेफाक नहीं था। यह हमारे समाज के एक बहुत बड़े वर्ग का मनोवैज्ञानिक सच है। वे हर मंच से देशप्रेम की लंबी-चौड़ी परिभाषाएं लिख सकते हैं, शेरो-शायरी कर सकते हैं और दूसरों की निष्ठा पर सवालिया निशान लगा सकते हैं। लेकिन जैसे ही उनसे यह कहा जाए कि जरा अपने ही पाले हुए उसूलों पर खरे उतरकर दिखा दीजिए—मिसाल के तौर पर, बस एक बार सप्रेम 'वंदे मातरम' का नारा लगा दीजिए—तो उनके पैरों तले जमीन खिसक जाती है।

?तुरंत उनके मुंह से जो ब्रह्मास्त्र निकलता है, वह है: 'साम्प्रदायिकता की बात मत करो!'

?यहाँ आकर गजब का मानसिक व्यायाम शुरू होता है। जिस नारे को कभी स्वतंत्रता सेनानियों ने अपनी जान की बाजी लगाकर देश की अस्मिता का प्रतीक बनाया था, उसे आज के तथाकथित 'सेक्युलर' और सुविधाभोगी नायकों ने अचानक एक धर्म-विशेष के दायरे में कैद कर दिया है। सवाल यह है कि यदि कोई नारा इस देश की माटी, इसकी नदियों और इसके गौरव का गान करता है, तो वह अचानक साम्प्रदायिक कैसे हो जाता है? क्या राष्ट्रभक्ति भी अब किसी विशेष पार्टी, एजेंडे या धर्म के पेटेंट के अधीन आ गई है?

हमारे देश में देशभक्ति को लेकर दो तरह के चश्मे बिकते हैं। एक चश्मा वह है जो दूसरों की देशभक्ति को हमेशा शक की निगाह से देखता है, और दूसरा वह है जो खुद पर जरा सी आंच आते ही अपनी निष्ठा को बचाने के लिए संविधान, सेक्युलरिज्म और अभिव्यक्ति की आजादी के नाम पर छुपने की जगह तलाशने लगता है।

?जब तक आप देश की समस्याओं पर सामान्य टिप्पणी करते हैं, तब तक आप एक प्रगतिशील विचारक हैं। लेकिन जैसे ही आप राष्ट्रवाद की कसौटी पर किसी को सीधा खड़ा कर देते हैं, वैसे ही लोकतंत्र के ये स्वयंभू ठेकेदार असहज हो जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी देशभक्ति का मुखौटा अब उतरने वाला है।

?सज्जन का चिढ़ जाना इस बात का सबूत है कि चोर की दाढ़ी में तिनका नहीं, बल्कि पूरा का पूरा तिनकों का गोदाम है। वे चाहते हैं कि देश में गद्दारों पर बहस हो, लेकिन उसका निशाना हमेशा कोई और होना चाहिए—वे खुद नहीं।

?क्या आपको नहीं लगता कि जो लोग महज़ एक नारे या राष्ट्र-गीत के उच्चारण मात्र से इतने असहज हो जाते हैं।

इतिहास

7 अक्टूबर का दिन देश और दुनिया के इतिहास में कई महत्वपूर्ण घटनाओं का साक्षी रहा है, जिसमें मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना और ऐतिहासिक युद्धों से जुड़ी जानकारियां शामिल हैं।

प्रमुख ऐतिहासिक घटनाएँ

1586: मुग़ल सेना ने कश्मीर में प्रवेश किया था।

1708: सिखों के दसवें गुरु, गुरु गोविंद सिंह जी का निधन (शहीदी दिवस) हुआ था।

1919: नीदरलैंड की आधिकारिक एयरलाइन केएलएम की स्थापना हुई थी।

1950: मदर टेरेसा ने वेटिकन की अनुमति से मिशनरीज ऑफ चैरिटी की स्थापना की थी। 1959: सोवियत अंतरिक्ष यान 'लूना-3' ने पहली बार चंद्रमा के अंधेरे (दूसरी) हिस्से की तस्वीर ली थी। 2001: अमेरिका ने अफगानिस्तान के खिलाफ युद्ध की शुरुआत की थी।

खबर के असर के बाद पण्डरीपानी स्कूल मामले में गिरी निलंबन की गाज

विश्व केसरी■

छुरा (मानसिंह निषाद)। पण्डरीपानी के शासकीय प्राथमिक स्कूल में तालाबंदी और प्रधानपाठक की अनुपस्थिति का मामला आखिरकार कार्रवाई की चौखट तक पहुंच गया। विश्व केसरी द्वारा इस मामले को प्रमुखता से उठाए जाने के बाद शिक्षा विभाग हरकत में आया और जांच के बाद प्रधानपाठक नोहेर सिंह मौर्य पर निलंबन की गाज गिरी है। जिला शिक्षा अधिकारी गरियाबंद राजेश कुमार चंद्राकर ने 5 अक्टूबर 2026 को निलंबन आदेश जारी करते हुए प्रधानपाठक को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है।

इस कार्रवाई के बाद शिक्षा विभाग में हलचल तेज हो गई है। वहीं पण्डरीपानी स्कूल मामले में खबर से लेकर जांच और फिर कार्रवाई तक की पूरी कड़ी ने यह संदेश दिया है कि स्कूलों में ड्यूटी के प्रति लापरवाही, अनधिकृत अनुपस्थिति और अनुशासनहीनता को अब नजरअंदाज नहीं किया जाएगा।

विश्व केसरी ने उठाई आवाज, विभाग ने शुरू कराई जांच - पण्डरीपानी के शासकीय प्राथमिक स्कूल



में सामने आई तालाबंदी और प्रधानपाठक की अनुपस्थिति के मामले को विश्व केसरी ने प्रमुखता से प्रकाशित कर शिक्षा व्यवस्था से जुड़े गंभीर सवालों को सामने रखा था। स्कूल में बच्चों की पढ़ाई और शिक्षक की नियमित उपस्थिति को लेकर उठे सवालों के बाद मामला विभागीय स्तर तक पहुंचा।

शिकायत प्राप्त होने के बाद कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी छुरा के प्रस्ताव के आधार पर तीन सदस्यीय जांच समिति का गठन किया गया। समिति ने मामले की जांच कर अपना प्रतिवेदन विभाग को सौंपा। इसी जांच रिपोर्ट के आधार पर अब शिक्षा विभाग ने प्रधानपाठक के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई की है।

जांच रिपोर्ट में सामने आई अनधिकृत अनुपस्थिति - जिला शिक्षा अधिकारी द्वारा जारी आदेश में जांच समिति की रिपोर्ट का उल्लेख करते हुए बताया गया है कि प्रधानपाठक नोहेर सिंह मौर्य 8 जुलाई 2026 को बिना पूर्व सूचना के अनधिकृत रूप से अनुपस्थित रहे। इसके अलावा शाला समयावधि में नियमित उपस्थिति नहीं देने की बात भी जांच में सामने आई।

विभाग ने जांच में पाए गए इन तथ्यों को कर्तव्य के प्रति लापरवाही, स्वेच्छाचारिता एवं अनुशासनहीनता माना है। आदेश में कहा गया है कि संबंधित आचरण छत्तीसगढ़ सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के नियम-3(1) एवं नियम-23 के प्रावधानों के विपरीत है।

जांच पूरी होते ही विभाग ने लिया सीधा एक्शन - जांच प्रतिवेदन मिलने के बाद जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार चंद्राकर ने मामले में कार्रवाई करते हुए प्रधानपाठक नोहेर सिंह मौर्य को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया। निलंबन आदेश में स्पष्ट किया गया है कि निलंबन अवधि में उनका मुख्यालय कार्यालय विकासखंड शिक्षा अधिकारी, छुरा निर्धारित रहेगा।

निलंबन अवधि के दौरान उन्हें नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ते की पात्रता होगी। आदेश की प्रतिलिपि कलेक्टर गरियाबंद, संभागीय संयुक्त संचालक शिक्षा रायपुर, जिला कोषालय अधिकारी, विकासखंड शिक्षा अधिकारी छुरा सहित संबंधित अधिकारियों को भेजी गई है।

तालाबंदी से शुरू हुआ मामला, निलंबन तक पहुंची कार्रवाई - पण्डरीपानी स्कूल में सामने आई स्थिति ने ग्रामीणों और अभिभावकों के बीच भी चिंता पैदा कर दी थी। स्कूल में बच्चों की नियमित पढ़ाई और शिक्षक की उपस्थिति शिक्षा व्यवस्था की बुनियादी जरूरत है। ऐसे में स्कूल संचालन से जुड़े मामले में विभागीय जांच और उसके बाद निलंबन की कार्रवाई को महत्वपूर्ण माना जा रहा है। विश्व केसरी ने जिस मुद्दे को प्रमुखता से सामने लाकर जिम्मेदार अधिकारियों का ध्यान आकर्षित किया था, उसी मामले में अब विभागीय जांच के बाद कार्रवाई सामने आई है। खबर के बाद विभागीय स्तर पर जांच शुरू हुई और जांच में सामने आए तथ्यों के आधार पर प्रधानपाठक के विरुद्ध निलंबन की कार्रवाई की गई।

अब स्कूल की व्यवस्था पर रहेगी

25 वर्षों की जनसेवा ने देश को सेवा सुशासन और गरीब कल्याण की नई दिशा दी

कैबिनेट मंत्री ने प्रधानमंत्री के नेतृत्व में मिली महत्वपूर्ण सौगातों की पत्रकार वार्ता में दी जानकारी

विश्व केसरी■

अंबिकापुर (रविशंकर गुप्ता)। छत्तीसगढ़ शासन के कैबिनेट मंत्री राजेश अग्रवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन में 25 वर्ष पूर्ण होने पर प्रदेशवासियों की ओर से बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। शहर के होटल पर्पल आर्किड में आयोजित भाजपा सरगुजा संभागीय पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि 7 अक्टूबर 2001 से गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में शुरू हुई जनसेवा की यात्रा आज देश के प्रधानमंत्री के रूप में निरंतर आगे बढ़ रही है। इन 25 वर्षों में सेवा, सुशासन, गरीब कल्याण और राष्ट्र निर्माण को प्राथमिकता दी गई है।

भाजपा जिलाध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, पूर्व जिलाध्यक्ष ललन प्रताप सिंह, जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं अरुणा सिंह तथा जिला संवाद प्रमुख रूपेश दुबे की उपस्थिति में प्रेस कांफ्रेंस को सम्बोधित करते हुए राजेश अग्रवाल ने कहा कि केंद्र सरकार के सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के मंत्र से समाज के अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया है। जनधन, उज्ज्वला, जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत, आयुष्मान भारत, प्रधानमंत्री आवास योजना और किसान सम्मान निधि जैसी योजनाओं से गरीब, किसान, महिला और ग्रामीण परिवारों को लाभ मिला है। छत्तीसगढ़ में 41 लाख से अधिक ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुंचने तथा 25 लाख से अधिक किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ मिलने की जानकारी उन्होंने दी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत प्रदेश में बड़े पैमाने पर पक्के मकानों का निर्माण हुआ है। वर्ष 2025 में 3.51 लाख आवासों के गृह प्रवेश तथा 3 लाख हितग्राहियों के लिए 1,200 करोड़ रुपये की किश्त जारी किए जाने का उल्लेख करते हुए उन्होंने इसे गरीब परिवारों के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि बताया।

राजेश अग्रवाल ने जनजातीय क्षेत्रों के विकास, पीवीटीजी परिवारों तक मूलभूत सुविधाएं पहुंचाने, वन धन केंद्रों, स्वास्थ्य एवं शिक्षा के विस्तार तथा बस्तर में विकास गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सड़क, रेल, बिजली, औद्योगिक क्षेत्र, फार्मास्यूटिकल पार्क और चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में भी छत्तीसगढ़ में महत्वपूर्ण परियोजनाएं आगे बढ़ी हैं। वर्ष 2025 में राज्य में 14,260 करोड़ रुपये से अधिक की विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास हुआ था।

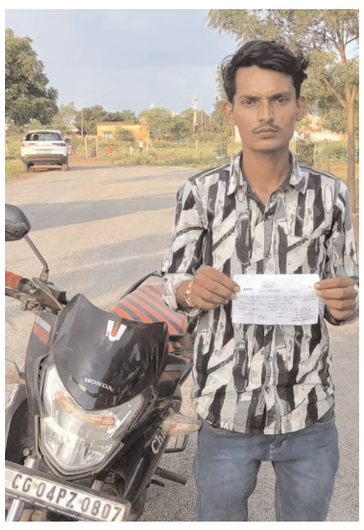
उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के 25 वर्ष के जनसेवा काल के उपलक्ष्य में चल रहे सेवा संकल्प अभियान के तहत प्रदेशभर में विभिन्न जनभागीदारी कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। मेरे सपनों का भारत थीम पर चित्रकला, रंगोली, भाषण प्रतियोगिता तथा जल एवं पर्यावरण संरक्षण जैसी गतिविधियां भी आयोजित हो रही हैं। पत्रकार वार्ता में वरिष्ठ भाजपा नेता राजकुमार बंसल, विवेक दुबे, आलोक दुबे, जतीन परमार उपस्थित रहे।

बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर सख्त

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पुलिस अधीक्षक गौरव राय के कुशल निर्देशन में जिले में सड़क दुर्घटनाओ की रोकथाम एवं शराबी वाहन चालको पर सख्त कार्यवाही करने हेतु पुलिस द्वारा लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इसी क्रम में बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों की चेकिंग कर उनके वाहन विधिवत जप्त करते हुए माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत करने की प्रक्रिया भी लगातार की जा रही है। इस दौरान चेकिंग अभियान में थाना हथबंद पुलिस द्वारा ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से चेकिंग कर एक वाहन चालक को शराब पीकर वाहन चालन करते हुए पकड़ा गया।



पुलिस द्वारा इस प्रकरण में वाहन चालक के विरुद्ध मोटर व्हीकल की विभिन्न धाराओं के तहत कार्यवाही करते हुए, इसका वाहन विधिवत जप्त कर माननीय न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जिसमें 06 अक्टूबर को माननीय न्यायालय द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले प्रकरण में वाहन चालक को 15,000 अर्थदंड से दंडित किया गया है। पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाते हुए, पकड़े गए इन सभी चालकों के विरुद्ध लाइसेंस निलंबन की भी कार्यवाही की जाएगी। पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वाले लोगों पर सख्त कार्रवाई आगे भी लगातार जारी रहेगी।

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव भेंट कर उपचार के बाद स्वास्थ्य की ली गई जानकारी

विश्व केसरी■

पामगढ़ (नीरज शर्मा)। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष, जगदलपुर विधायक किरण सिंह देव से उनके रायपुर स्थित निवास पर गुलाब सिंह चंदेल प्रदेश कार्यसमिति सदस्य भाजपा एवं गुरु दयाल पाटले प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा अजा मोर्चा द्वारा सौजन्य भेंट कर उनका कुशलक्षेम जाना गया।

पिछले महीने किरण सिंह देव की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई थी जिससे उनके शरीर में अंदरुनी चोटें आई थीं, बेहतर उपचार के लिए वे लंबे समय तक दिल्ली में रहे। स्वास्थ्य बेहतर होने के पश्चात वे कुछ दिनों पहले ही रायपुर लौटकर आए हैं।

प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव को आशीर्वाद स्वरूप माता कौशल्या जन्मभूमि 'कोसला' धाम का चित्र



भेंट करते हुए प्रभु श्रीराम माता कौसल्या जी से उनके बेहतर स्वास्थ्य की मंगलमय कामना कि गई। साथ ही माता कौसल्या जन्मभूमि कोसला के विषय पर गुलाब सिंह चंदेल ने विस्तार पूर्वक चर्चा करते हुए बताया कि 'छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले के पामगढ़ के समीप स्थित 'कोसला धाम' प्रभु श्रीराम का ननिहाल माता कौसल्या की पावन जन्मभूमि है, जगतगुरु श्रीरामभद्राचार्य ने शास्त्र सम्मत इसका वर्णन किया है, एवं मुख्यमंत्री विष्णु देवसाय वित्त मंत्री ओ पी चौधरी हाल ही में दर्शन करने भी पहुंचे थे।'

इसपर प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 'इस महत्वपूर्ण विषय पर पूर्व में भी हमारी मुख्यमंत्री एवं मंत्रिमंडल के साथ चर्चा हुई है और निश्चित रूप से आगे इस पर बेहतर परिणाम आएगा।' उन्होंने इसके लिए सभी लोगों के प्रयास की सराहना भी की। साथ ही कोसला धाम की सौ पृष्ठों की एतिहासिक पुस्तक भी प्रदेशाध्यक्ष को भेंट की गई। इस अवसर पर गुलाब सिंह चंदेल प्रदेश कार्यसमिति सदस्य निवर्तमान जिलाध्यक्ष भाजपा जांजगीर-चांपा, कृष्णकांत चंद्रा संगठन प्रभारी कोरबा, गुरु दयाल पाटले प्रदेश कोषाध्यक्ष भाजपा अजा मोर्चा, आयुष शर्मा जिला पंचायत सदस्य, गौरव तिवारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कमरीद के शिवधाम मुहल्ला में हादसा - नाले में डूबी मिली 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला

तनौद/ कमरीद / जांजगीर-चांपा। पामगढ़ थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत कमरीद के शिवधाम मुहल्ला निवासी गंगा बाई गोंड, पति द्वारिका गोंड, उम्र 65 वर्ष का शव गांव के नाले में डूबा हुआ मिला है।

परिजनों के अनुसार गंगा बाई दिनांक 5 अक्टूबर को दोपहर 12:00 बजे घर से निकली थी। देर तक घर वापस न आने पर परिजनों ने आसपास खोजबीन की, लेकिन कोई पता नहीं चला। अगले दिन 6 अक्टूबर को सुबह 11:00 बजे परिजनों को नाले के ऊपर उनकी चप्पल दिखाई दी। शंका होने पर आसपास तलाश करने पर नाले के पानी में डूबी हुई मिली। घटना की सूचना परिजनों एवं ग्राम पंचायत कमरीद के सरपंच द्वारा थाना पामगढ़ में दी गई है। पुलिस मामले की जांच कर पंचनामा कर रही है।

26वीं राज्य स्तरीय स्पर्धा का हुआ रंगारंग समापन

विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। पंडित चक्रपाणी शुक्ल हाई स्कूल मैदान मे 3 से 6 अक्टूबर तक चार दिवसीय 26 वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का मंगलवार को रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम के साथ समापन हुआ। पांचो संभाग के खिलाड़ियों द्वारा बैंड की धुन पर आकर्षक मार्च पास्ट किया गया।मुख्य अतिथि स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने ध्वज अवरोहण कर प्रतियोगिता समापन की विधिवत घोषणा की। इस अवसर पर उन्होंने विभिन्न विधा के विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत व सम्मानित किया। स्पर्धा के तीनो विधाओं मे शानदार प्रदर्शन कर रायपुर जोन ओवर ऑल चैम्पियनशिप का खिताब हासिल



किया। इस अवसर पर मंत्री यादव ने बलौदाबाजार मे जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) खोलने की घोषणा की।

स्कूल शिक्षा मंत्री यादव ने पांचो संभाग से आए खिलाड़ियों को बेहतर खेल प्रदर्शन की बधाई देते हुए कहा कि खेल से शारीरिक औऱ मानसिक विकास तो होता ही है इससे संस्कृति, खान-पान,रहन-सहन भी सीखी जा सकती है। इसीलिए हमने 22 जुलाई से 31 अक्टूबर तक चलने वाले राज्य स्तरीय शालेय खेल स्पर्धा का आयोजन संभाग मुख्यालय के अलावा जिलों मे भी करने का निर्णय लिया है। इससे बच्चों को अलग- अलग जिलों की संस्कृति को जानने का मौका मिलेगा।उन्होंने कहा कि खेल मे हार औऱ जीत होती है,हारने वाले को निराश औऱ जीतने वाले को घमंड नहीं होना चाहिए। दोनों ही स्थिति मे औऱ बेहतर करने का प्रयास करना चाहिए।हार हमें कमियों को दूर करने का अवसर देता है। उन्होंने बताया कि कुराश खेल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रीय खेल मे शामिल कराया है जो इस स्पर्धा के अंतर्गत बलौदाबाजार मे आयोजित हुआ है।सभी खिलाडी यहां से अच्छा अनुभव औऱ सीख लेकर वापस अपने जिलों मे जायेंगे। जिला पंचायत अध्यक्ष आकांक्षा जायसवाल ने कहा कि सभी खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन अनुशासन मे रहकर किया है। यह खेल स्पर्धा आज भले ही समाप्त होगा लेकिन खिलाड़ियों का उत्साह जारी रहेगा। उन्होंने कहा पढ़ाई के साथ खेल- कूद से भी जिंदगी मे ऊँचे मुकाम हासिल कर सकते हैं।

हाईवा को ओवरटेक करना पड़ा भारी एक्टिवा सवार 16 वर्षीय नाबालिग की मौत

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। गंडी रोड के पास सोमवार को हाईवा को ओवरटेक करने के दौरान एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। एक ही एक्टिवा पर सवार तीन नाबालिग दुर्घटना का शिकार हो गए। हादसे में 16 वर्षीय कृष्ण कुमार साहू की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसके साथ सवार दो अन्य नाबालिग घायल हो गए। तीनों बकतरा सिंचाई कॉलोनी के निवासी बताए जा रहे हैं।

जानकारी के अनुसार, तीनों नाबालिग एक्टिवा से मंडी रोड की ओर जा रहे थे। इसी दौरान उन्होंने



आगे चल रहे हाईवा को ओवरटेक करने का प्रयास किया। ओवरटेक करते समय एक्टिवा अनियंत्रित होकर हाईवा की चपेट में आ गई। टक्कर के बाद कृष्ण कुमार साहू हाईवा के पहिए की चपेट में आ गया, जिससे गंभीर चोट लगने के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

दो नाबालिग घायल, अस्पताल में उपचार जारी - हादसे के बाद घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जुट गई। स्थानीय लोगों ने दोनों घायल नाबालिगों को तत्काल अस्पताल पहुंचाया, जहां उनका उपचार जारी है। दोनों घायल भी बकतरा सिंचाई कॉलोनी के निवासी बताए गए हैं।

हाईवा जब्त, चालक की तलाश - घटना की सूचना मिलते ही अभनपुर पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने हाईवा को जब्त कर थाने में खड़ा करा दिया है। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है।

प्रारंभिक जांच में हाईवा को ओवरटेक करने के दौरान दुर्घटना होने की बात सामने आई है। वहीं, तीनों नाबालिगों के एक ही एक्टिवा पर बिना हेलमेट सवार होने की जानकारी भी सामने आई है। दुर्घटना की वास्तविक वजह और जिम्मेदारी किसकी थी, इसका खुलासा पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगा।

इंस्पायर अवार्ड प्रतियोगिता के लिए समृद्धि शर्मा का हुआ चयन



विश्व केसरी■

बलौदाबाजार (ताराचंद कठोत्रे)। स्वामी आत्मानंद शासकीय उत्कृष्ट एमडीवी अंग्रेजी माध्यम विद्यालय बलौदाबाजार में कक्षा 6वीं में अध्ययनरत छात्रा समृद्धि शर्मा का चयन इंस्पायर अवार्ड मानक के 12वें नेशनल लेवल एग्जीबिशन एंड प्रोजेक्ट कॉम्पिटिशन के लिए हुआ है। समृद्धि राष्ट्रीय स्तर पर अपने नवाचारी मॉडल 'सिलेंडर कैरियर' का प्रदर्शन करेंगी। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने समृद्धि की इस उपलब्धि के लिये बधाई व शुभकामनायें दी है। कलेक्टर शर्मा ने कहा कि जिले की छात्रा का राष्ट्रीय स्तर पर चयन पूरे जिले के लिए गौरव का विषय है। समृद्धि ने अपने नवाचारी मॉडल 'सिलेंडर कैरियर' के माध्यम से अपनी रचनात्मक सोच, वैज्ञानिक दृष्टिकोण और नवाचार की क्षमता का परिचय दिया है।कलेक्टर शर्मा ने कहा कि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक सोच एवं नवाचार को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है।

दीपावली तक ओवरब्रिज निर्माण में लोगों को कम से कम परेशानी हो : बृजमोहन

विश्व केसरी■

नवापारा-राजिम (शेखर मिश्रा)। गोबरा नवापारा में रायपुर-राजिम मार्ग पर खोलीपारा रेलवे क्रॉसिंग के पास बनने वाले ओवरब्रिज का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। निर्माण के प्रारंभिक चरण में सड़क के दोनों ओर लोहे के बड़े-बड़े ऊंचे प्लेट लगाए जा रहे हैं। इससे निर्माण कार्य को गति मिलने की उम्मीद है, लेकिन सड़क किनारे स्थित दुकानदारों और व्यापारियों की चिंता भी बढ़ गई है। व्यापारियों का कहना है कि दीपावली का त्योहारी सीजन नजदीक है और निर्माण कार्य के चलते आवागमन प्रभावित होने से उनके कारोबार पर असर पड़ सकता है।



इसी समस्या को लेकर प्रभावित दुकानदारों और क्षेत्र के लोगों ने रविवार को बड़ी संख्या मे रायपुर पहुंचकर सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात कर अपनी समस्याओं से अवगत कराया था। उन्होंने सांसद से आग्रह किया था कि ओवरब्रिज निर्माण का कार्य जारी रहे, लेकिन दीपावली के दौरान आम लोगों और व्यापारियों को कम से कम परेशानी हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। जिसके बाद लोगों की समस्या को गंभीरता से लेते हुए सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को रेलवे के जिम्मेदार अधिकारियों को अपने निवास पर बुलाकर ओवरब्रिज निर्माण कार्य की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों से निर्माण की वर्तमान स्थिति, कार्य की प्रगति तथा स्थानीय लोगों और दुकानदारों को होने वाली संभावित परेशानियों के संबंध में चर्चा की।

सांसद ने रेलवे अधिकारियों को निर्देशित किया कि अंडरब्रिज का निर्माण कार्य तेज गति से कराया जाए, लेकिन इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि निर्माण के कारण आम नागरिकों और व्यापारियों को कम से कम परेशानी हो। उन्होंने विशेष रूप से दीपावली के त्योहारी सीजन को देखते हुए आवागमन सुचारु रखने तथा दुकानदारों के कारोबार पर कम से कम असर पड़े, इसके लिए आवश्यक व्यवस्था करने के निर्देश दिए।

किसानों को 240 करोड़ का केसीसी लोन देगा सहकारी बैंक



विश्व केसरी■

बेमेतरा (अनिल त्रिपाठी)। खरीफ फसल की कटाई के साथ ही किसान अब आगामी रबी सीजन की तैयारी में जुट गए हैं। खाद-बीज और खेती की अन्य जरूरतों के लिए जिले के सहकारी बैंकों और समितियों में किसान केसीसी लोन लेने पहुंचने लगे हैं। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक ने इस बार रबी सीजन के लिए किसानों को 240 करोड़ रुपए का केसीसी ऋण बांटने का लक्ष्य निर्धारित किया है। पिछले रबी सीजन में बैंक ने 235 करोड़ रुपए का लक्ष्य रखा था, जिसके मुकाबले 81 हजार 477 किसानों को 211 करोड़ रुपए का ऋण वितरित किया गया था। इस बार बैंक ने रबी फसल के लिए ऋण वितरण का लक्ष्य बढ़ाकर 240 करोड़ रुपए किया है। सहकारी समितियों के माध्यम से किसानों को केसीसी लोन उपलब्ध कराया जाएगा।

शेयर बाजार में लौटी रौनक, सेंसेक्स 685 अंक उछला

विश्व केसरी



मुंबई। पिछले सप्ताह चारों सत्रों में भारी गिरावट के बाद भारतीय शेयर बाजार में पिछले दो सत्रों से लगातार जोरदार खरीदारी देखने को मिल रही है। इस बीच आरबीआई एमपीसी की बैठक के नतीजों से पहले मंगलवार को लगातार दूसरे दिन घरेलू बाजार के प्रमुख बेंचमार्कों, बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी 50, में अच्छी बढ़त दर्ज की गई और इनमें करीब 1 प्रतिशत की तेजी आई।

बाजार बंद होने के समय, सेंसेक्स 685.34 अंक यानी 0.95 प्रतिशत बढ़कर 73,067.81 पर पहुंच गया, जबकि निफ्टी50 220.35 अंक यानी 0.98 प्रतिशत बढ़कर 22,776.10 पर पहुंच गया।

निफ्टी50 इंडेक्स में ट्रेंट, बीएसई, कोटक महिंद्रा बैंक, नेस्ले इंडिया और एचयूएल के शेयरों में सबसे ज्यादा तेजी दर्ज की गई, जबकि इसके विपरीत कोल इंडिया, टेक महिंद्रा, मैक्स हेल्थ, टीएमपीवी, अल्ट्रा टेक सीमेंट, अपोलो हॉस्पिटल और आईटीसी के शेयरों में सबसे ज्यादा गिरावट देखने को मिली। व्यापक बाजारों में, निफ्टी मिडकैप और निफ्टी स्मॉलकैप में क्रमश: 1.08 प्रतिशत और 1.56 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई। वहीं सेक्टरवार देखें तो, निफ्टी केमिकल, निफ्टी फार्मा, निफ्टी ऑयल एंड गैस, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी प्राइवेट बैंक और निफ्टी हेल्थकेयर में सबसे ज्यादा यानी 1 प्रतिशत से ज्यादा की तेजी देखी गई, जबकि निफ्टी आईटी, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी पीएसयू बैंक में सबसे ज्यादा गिरावट आई। बता दें कि बीएसई सेंसेक्स इस सप्ताह 1,000 से अधिक अंक चढ़ा है, जबकि निफ्टी 50 सूचकांक ने पिछले दो सत्रों में 300 से अधिक अंक जोड़े हैं। सोमवार से आरबीआई एमपीसी की तीन दिवसीय बैठक शुरू हो गई है और इसका अंतिम परिणाम कल यानी 7 अक्टूबर को आने वाला है, जिस पर सभी की नजरें टिकी हुई हैं।

आरबीआई एमपीसी की बैठक के नतीजों से पहले भारतीय शेयर बाजार में लगातार हो रही तेजी का संबंध कच्चे तेल की कीमतों में नरमी से हो सकता है। हाल ही में आई तेजी के बाद ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल से नीचे आ गई है। यह तेजी कुछ मध्य पूर्वी देशों द्वारा कच्चे तेल की नई आपूर्ति शुरू करने के बाद संभव हुई थी।

एक मार्केट एक्सपर्ट ने बताया कि ग्लोबल संकेतों से सपोर्ट मिलने के कारण मार्केट में लगातार दूसरे सेशन में बढ़त देखी गई। एक्सपर्ट के मुताबिक, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड में सुधार देखने को मिली। मंगलवार को अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड यील्ड में 0.50 प्रतिशत से अधिक की गिरावट आई।

जीएसटी परिषद की प्रस्तावित 57वीं बैठक की तारीख में बदलाव, अब 8 अक्टूबर को होगी

विश्व केसरी



नई दिल्ली। जीएसटी परिषद की प्रस्तावित 57वीं बैठक की तारीख में बदलाव किया गया है और अब यह 7 अक्टूबर के बजाय 8 अक्टूबर को होगी। जीएसटी परिषद सचिवालय ने एक कार्यालय ज्ञापन में कहा कि अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण बैठक की तारीख में बदलाव किया गया है।

बैठक की अध्यक्षता वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी और इसमें केंद्र एवं राज्यों के प्रतिनिधि शामिल होंगे। बैठक में कारोबारियों और करदाताओं के लिए जीएसटी अनुपालन को आसान बनाने के उद्देश्य से कई प्रक्रिया संबंधी सुधारों पर चर्चा होने की उम्मीद है।

रिपोर्टों के अनुसार, परिषद पंजीकरण, रिटर्न और रिफंड की प्रक्रियाओं में बदलाव के साथ-साथ जीएसटी विवादों के समाधान और इनपुट टैक्स क्रेडिट के प्रवाह को बेहतर बनाने से जुड़े सुधारों पर विचार कर सकती है। इसका उद्देश्य अनुपालन में लगने वाले समय और लागत को कम करना है।

इसके अलावा, ये प्रस्ताव जीएसटी परिषद की कानून समिति की व्यापक सिफारिशों का हिस्सा हैं। समिति ने जीएसटी कानूनों को सरल बनाने और जानबूझकर कर चोरी तथा अनजाने में कर का भुगतान न कर पाने वाले मामलों के बीच अंतर करने के तरीकों की समीक्षा की है। मौजूदा जीएसटी व्यवस्था के तहत, केंद्रीय जीएसटी अधिनियम की धारा 69 के तहत आयुक्त गिरफ्तारी का आदेश दे सकते हैं, यदि उन्हें विश्वास करने का कारण हो कि किसी व्यक्ति ने धारा 132 के तहत निर्दिष्ट अपराध किए हैं। इनमें कर चोरी और फर्जी इनपुट टैक्स क्रेडिट से जुड़े कुछ मामले भी शामिल हैं। परिषद कारोबारियों, जिसमें ई-कॉमर्स आपूर्तिकर्ता भी शामिल हैं, के लिए अनुपालन को आसान बनाने के उद्देश्य से उठाए जाने वाले उपायों पर भी चर्चा कर सकती है। इससे पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को कहा था कि जीएसटी सुधारों का अगला चरण अनुपालन को आसान बनाएगा और रिफंड प्रक्रिया में सुधार करेगा, जिससे कारोबारियों का निवेश और विस्तार करने का भरोसा बढ़ेगा।

कैबिनेट ने एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण को मंजूरी दी, मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग को मिलेगा बढ़ावा

विश्व केसरी



नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में मंगलवार को एकीकृत परिवहन एवं लॉजिस्टिक्स प्राधिकरण (आईटीएलए) की स्थापना को मंजूरी दे दी। यह एक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) होगा, जो परिवहन और लॉजिस्टिक्स क्षेत्रों में एकीकृत योजना, अनुसंधान, परियोजना मूल्यांकन और निगरानी का काम करेगा।

इस फैसले का उद्देश्य विभिन्न परिवहन मंत्रालयों और एजेंसियों के बीच बिखरी हुई योजना और क्रियान्वयन के कारण लंबे समय से चली आ रही चुनौतियों का समाधान करना है।

सरकार की ओर से जारी आधिकारिक बयान में कहा गया, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने परिवहन और लॉजिस्टिक्स के व्यापक क्षेत्रों में अनुसंधान, योजना, मूल्यांकन, निगरानी और प्रभाव आकलन को मजबूत करने के लिए आईटीएलए नामक विशेष प्रयोजन वाहन (एसपीवी) की स्थापना को मंजूरी दी।' सरकार का मानना है कि बेहतर समन्वय और मल्टीमॉडल एकीकरण से देशभर में बुनियादी ढांचे के विकास की दक्षता, स्थिरता और प्रभावशीलता बढ़ेगी। आईटीएलए परिवहन और लॉजिस्टिक्स प्लानिंग के लिए राष्ट्रीय स्तर की शीर्ष संस्था के रूप में काम करेगी। यह नीतिगत सहयोग प्रदान करने के साथ-साथ अनुसंधान करेगी, परियोजनाओं का मूल्यांकन करेगी, क्रियान्वयन की निगरानी करेगी और क्षेत्र में निर्णय लेने में सहायता के लिए डेटा एनालिटिक्स का इस्तेमाल करेगी। प्राधिकरण की एक प्रमुख जिम्मेदारी व्यापक राष्ट्रीय परिवहन मास्टर प्लान तैयार करना होगी, जिसकी योजना अवधि 10 वर्ष या उससे अधिक होगी।

इस योजना में परिवहन के प्रमुख साधनों को शामिल किया जाएगा, जिनमें सड़क, रेलवे, बंदरगाह और शिपिंग, नागरिक उड्डयन, अंतर्देशीय जलमार्ग, तटीय शिपिंग, शहरी परिवहन और लॉजिस्टिक्स शामिल हैं। प्राधिकरण विभिन्न परिवहन मंत्रालयों द्वारा तैयार की गई अल्पकालिक क्षेत्रीय योजनाओं और वार्षिक योजनाओं की भी समीक्षा करेगा, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे दीर्घकालिक राष्ट्रीय रणनीति के अनुरूप हों। इससे देशभर में एकीकृत और मल्टीमॉडल परिवहन बुनियादी ढांचे के विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। अपने दायित्व के तहत आईटीएलए केंद्र सरकार की 500 करोड़ रुपए या उससे अधिक की अनुमानित लागत वाली परिवहन और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का तकनीकी मूल्यांकन करेगी। ऐसी परियोजनाओं का वित्तीय मूल्यांकन मौजूदा मूल्यांकन तंत्र के माध्यम से ही किया जाता रहेगा।

भारत का स्टील उत्पादन चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में 3.7 प्रतिशत बढ़कर 81.8 मिलियन टन तक पहुंचा: सरकार

विश्व केसरी



नई दिल्ली। इस्पात मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही (अप्रैल-सितंबर) में भारत के स्टील क्षेत्र ने मजबूत प्रदर्शन दर्ज किया है। इस दौरान फिनिश्ड स्टील का उत्पादन 3.7 प्रतिशत बढ़कर 81.8 मिलियन टन हो गया, जो पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में 78.8 मिलियन टन था। इस वृद्धि को मजबूत घरेलू मांग और बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी का परिणाम माना जा रहा है।

मंत्रालय के अनुसार, इस अवधि में फिनिश्ड स्टील की खपत 7.9 प्रतिशत बढ़कर 84.9 मिलियन टन पहुंच गई, जबकि पिछले वर्ष की समान अवधि में यह 79 मिलियन टन थी। सड़क, रेलवे और बंदरगाह जैसे बड़े सरकारी अवसंरचना प्रोजेक्ट्स से स्टील की मांग को महत्वपूर्ण समर्थन मिला।

स्टील मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार, भारत का स्टील निर्यात भी उल्लेखनीय रूप से बढ़ा। अप्रैल से सितंबर 2026 के दौरान स्टील निर्यात 26.2 प्रतिशत बढ़कर 35.5 लाख टन हो गया, जबकि एक वर्ष पहले इसी अवधि में यह 28.1 लाख टन था। मूल्य के आधार पर देखें, तो स्टील निर्यात से होने वाली आय 28.9 प्रतिशत बढ़कर 28,263.7 करोड़ रुपए हो गई, जो पिछले वर्ष समान अवधि में 21,931.5 करोड़ रुपए थी। यह वैश्विक बाजारों में भारतीय स्टील की बढ़ती प्रतिस्पर्धात्मकता को दर्शाता है। इस दौरान, देश का क्रूड स्टील उत्पादन भी बढ़ा है। पहली छमाही में इसका उत्पादन 85.1 मिलियन टन रहा, जो पिछले वर्ष की समान अवधि के 82.7 मिलियन टन की तुलना में 2.9 प्रतिशत अधिक है।

सरकारी आंकड़ों के मुताबिक, भारत की कुल क्रूड स्टील उत्पादन क्षमता 222.9 मिलियन टन प्रति वर्ष तक पहुंच चुकी है, जिससे देश को राष्ट्रीय स्टील नीति 2030 के तहत निर्धारित 300 मिलियन टन वार्षिक क्षमता हासिल करने की दिशा में मजबूती मिल रही है। इसी बीच, सरकारी खनन कंपनी एनएमडीसी ने भी उत्पादन में मजबूत वृद्धि दर्ज की है। सितंबर 2026 में कंपनी का लौह अयस्क उत्पादन 8 प्रतिशत बढ़कर 4.04 मिलियन टन रहा। वहीं चालू वित्त वर्ष की पहली छमाही में उत्पादन 27.3 मिलियन टन तक पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग 23 प्रतिशत अधिक है।

एनएमडीसी ने छत्तीसगढ़ के नागरनार में अपनी 20 लाख टन वार्षिक क्षमता (2 एमटीपीए) वाले पेलेट प्लांट का भी संचालन शुरू कर दिया है। यह 5,427 करोड़ रुपए की एकीकृत परियोजना का हिस्सा है, जिसमें बचेली स्थित लौह अयस्क प्रसंस्करण संयंत्र, 135 किलोमीटर लंबी स्लरी पाइपलाइन और नागरनार पेलेट प्लांट शामिल हैं। इस परियोजना से बैलाडीला क्षेत्र के लौह अयस्क फाइन्स और स्लाइम्स में मूल्य संवर्धन होगा, सड़क परिवहन पर निर्भरता कम होगी और एनएमडीसी की उपस्थिति पूरे लौह अयस्क मूल्य श्रृंखला में और मजबूत होगी।

तमिलनाडु में 79 प्रतिशत खनिज परिवहन ट्रकों में नहीं लगा जीपीएस, सरकार ने बढ़ाई समयसीमा

विश्व केसरी



चेन्नई। तमिलनाडु में निर्माण खनिजों के परिवहन के लिए पंजीकृत पांच में से लगभग चार ट्रकों में जीपीएस ट्रैकिंग उपकरण नहीं लगे हैं, जिसके चलते खनिज आवागमन की निगरानी को कड़ा करने के उद्देश्य से मद्रास उच्च न्यायालय के आदेश के बावजूद स्थापना की समय सीमा को एक बार फिर बढ़ा दिया गया है।

खनिज प्रबंधन प्रणाली पोर्टल पर पंजीकृत 1.4 लाख ट्रकों में से 30 सितंबर तक केवल 30,000 ट्रकों में ही वाहन स्थान ट्रैकिंग उपकरण लगे हुए थे। शेष 79 प्रतिशत ट्रकों को एम-रेत, पी-रेत और अन्य निर्माण सामग्री ले जाने वाले वाहनों को ढकने की आवश्यकता का पालन करना बाकी है।

भूविज्ञान एवं खनन विभाग ने परिवहन संघों द्वारा अतिरिक्त समय की मांग के बाद, समय सीमा को बढ़ाकर 31 अक्टूबर कर दिया है। मूल समय सीमा 31 मार्च को पहले ही बढ़ा दी गई थी जबकि सरकार ने अलग से घोषणा की थी कि जीपीएस उपकरण के बिना वाहनों को 1 सितंबर से खनिज पारगमन पास मिलना बंद हो जाएगा।

वाहन ट्रैकर्स को खनिज प्रबंधन प्रणाली से जोड़ने का उद्देश्य ट्रकों द्वारा सामग्री लोड करने के स्थान और उनकी आवाजाही को रिकॉर्ड करके खनिज परिवहन की निगरानी को मजबूत करना है। ऐसे रिकॉर्ड अधिकारियों को अनधिकृत खदानों से आने वाली आपूर्ति की पहचान करने और अवैध खनन और परिवहन उल्लंघनों की जांच करने में मदद कर सकते हैं।

इस प्रणाली के धीमी गति से लागू होने पर ट्रक मालिकों ने सरकार की इस प्रणाली को लागू करने की प्रतिबद्धता पर सवाल उठाए हैं। तमिलनाडु राज्य ट्रक मालिक संघ के महासचिव जी. गणेश ने कहा कि ट्रैकिंग उपकरणों की लागत में भारी गिरावट आई है, जो 15,000 रुपये से घटकर 3,700 रुपये हो गई है। उन्होंने कहा कि कई विक्रेता एआईएस-140 मानक को पूरा करने वाले एक लाख से अधिक उपकरण उपलब्ध करा सकते हैं और उनका तर्क था कि उपलब्धता को देखते हुए और देरी को उचित नहीं ठहराया जाना चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस आवश्यकता को लागू करने में सरकार की अनिच्छा ने अवैध खनन पर अंकुश लगाने के उसके संकल्प पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विभाग के अधिकारियों ने कहा कि लगभग 37 अधिकृत आपूर्तिकर्ताओं के पास अल्पावधि के भीतर शेष सभी वाहनों को सुसज्जित करने के लिए पर्याप्त स्टॉक नहीं है। एक अधिकारी ने बताया कि यह नवीनतम विस्तार कई संगठनों के अनुरोधों के बाद किया गया है।

अधिकारियों ने यह भी कहा कि फर्जी क्यूआर कोड वाले फर्जी खनिज पारगमन पास बनाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। खनन संबंधी उल्लंघनों की शिकायतों के लिए जल्द ही एक समर्पित नंबर शुरू किया जाएगा और इसे चेन्नई स्थित विभाग के नियंत्रण कक्ष से जोड़ा जाएगा।

निर्माण की मांग और अधिकृत खदान उत्पादन के बीच पर्याप्त अंतर के बीच प्रवर्तन संबंधी चुनौतियां सामने आती हैं। तमिलनाडु में निर्माण सामग्री की औसत दैनिक आवश्यकता लगभग 5.25 लाख यूनिट है, जबकि खदानों से अनुमत उत्पादन केवल 1.2 लाख यूनिट है, जो गहन नियामकीय जांच की आवश्यकता को उजागर करता है।

कैबिनेट ने 10,000 करोड़ रुपए के एसएमई ग्रोथ फंड को दी मंजूरी, छोटे उद्योगों के लिए बढ़ेगी फंडिंग

विश्व केसरी



नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय कैबिनेट ने मंगलवार को 10,000 करोड़ रुपए के एसएमई ग्रोथ फंड (एसजीएफ) को स्थापित करने को मंजूरी दे दी है। इसका उद्देश्य भारत के छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए विकास केंद्रित पूंजी को बढ़ावा देना और मैन्युफैक्चरिंग, सर्विस, टेक्नोलॉजी, इनोवेशन-आधारित सेक्टर और रणनीतिक वैल्यू चेन में बेहतरीन भारतीय उद्यमों के विस्तार को सक्षम बनाना है।

यह केंद्रीय बजट 2026-27 में की गई उन व्यापक घोषणाओं का हिस्सा था, जिनका मकसद पूरे एमएसएमई इकोसिस्टम के लिए इक्विटी, लिक्विडिटी और प्रोफेशनल सपोर्ट उपलब्ध कराना था। कैबिनेट की ओर से जारी बयान में कहा गया कि ऐसे कई फंड मौजूद हैं जो इक्विटी सपोर्ट देते हैं, लेकिन उनमें से ज्यादा शुरुआती दौर के और मुख्य रूप से बहुत छोटे उद्यमों पर ध्यान केंद्रित करते हैं। छोटे और मध्यम उद्यमों (एसएमई) के लिए इक्विटी ग्रोथ कैपिटल के मामले में एक संरचनात्मक कमी थी।

बयान में आगे कहा गया कि यह अहम पहल 'विकसित भारत 2047' के विजन को साकार करने के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इसके तहत भारत के एंटरप्रेन्योरशिप इकोसिस्टम को मजबूत किया जाएगा, ग्रोथ-स्टेज वाली कंपनियों के लिए घरेलू कैपिटल मार्केट को और बेहतर बनाया जाएगा और ऐसी भारतीय कंपनियों की एक नई पीढ़ी तैयार की जाएगी जो ग्लोबल लेवल पर मुकाबला करने में सक्षम हों।

एसएमई भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं और रोजगार पैदा करने, एक्सपोर्ट, मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट और इनोवेशन में अहम भूमिका निभाते हैं।

टाटा संस लिस्टिंग विवाद: टाटा ट्रस्ट्स ने वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह पर बोर्ड के प्रस्तावों को कमजोर करने का लगाया आरोप

विश्व केसरी



नई दिल्ली। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस की संभावित लिस्टिंग को लेकर टाटा ट्रस्ट्स के भीतर मतभेद और गहरे होते दिखाई दे रहे हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार, सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट (एसडीटीटी) के वरिष्ठ ट्रस्टियों ने साथी ट्रस्टियों वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह पर बोर्ड के प्रस्तावों को कमजोर करने और अपने न्यासी दायित्वों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

एनडीटीवी प्रॉफिट की रिपोर्ट के मुताबिक, यह आरोप एक पत्र के माध्यम से सामने आया है, जिस पर नोएल एन. टाटा, डेरियस जे. खंबाटा, नेविल एन. टाटा और भास्कर भट्ट के हस्ताक्षर बताए गए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, यह घटनाक्रम टाटा ट्रस्ट्स के भीतर टाटा संस की स्वामित्व संरचना और उसकी लिस्टिंग की स्थिति को लेकर बढ़ते मतभेदों को दर्शाता है।

पत्र में कहा गया है कि टाटा संस को अनलिस्टेड बनाए रखना लंबे समय से टाटा ट्रस्ट्स और कंपनी दोनों की स्थापित और सहमति वाली नीति रही है। रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2024 में टाटा संस के बोर्ड ने सर्वसम्मति से कंपनी को अनलिस्टेड बनाए रखने का निर्णय लिया था। इसके बाद जुलाई 2025 में सर दोराबजी टाटा ट्रस्ट और सर रतन टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों ने भी सर्वसम्मति से इस रुख को दोहराया था और इस मुद्दे पर भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के साथ संवाद जारी रखने पर सहमति जताई थी।

रिपोर्ट के अनुसार, वरिष्ठ ट्रस्टियों ने कहा है कि जुलाई 2025 के प्रस्तावों को कभी वापस नहीं लिया गया। उनका आरोप है कि वेणु श्रीनिवासन और विजय सिंह ने अपनी बदली हुई राय को ट्रस्टियों के समक्ष सामूहिक चर्चा के लिए रखने या पूर्व निर्णयों की पुनर्समीक्षा की मांग करने के बजाय सार्वजनिक रूप से लिस्टिंग का समर्थन किया। पत्र में कहा गया है कि इस तरह के सार्वजनिक बयान न केवल ट्रस्ट्स के आधिकारिक निर्णयों को कमजोर करते हैं, बल्कि टाटा संस की आरबीआई के समक्ष लंबित प्रक्रियाओं और आवेदनों को भी प्रभावित कर सकते हैं।

बच्चे से रोज ये एक सवाल पूछना बंद करें, पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स क्यों दे रहे हैं इसकी जगह दूसरा तरीका?



बच्चे से रोज पूरे दिन का हिसाब पूछने के बजाय किसी खास अनुभव, भावना या मजेदार घटना पर बातचीत शुरू करें. खुले सवाल पूछें, बीच में न रोकें और अपनी बातें भी साझा करें. सहज माहौल मिलने पर बच्चा बिना दबाव के अपनी बातें ज्यादा आसानी से साझा कर सकता है.

स्कूल से घर लौटते ही कई माता-पिता बच्चे से सबसे पहले पूछते हैं, 'आज स्कूल में क्या हुआ?' सवाल बिल्कुल सामान्य लगता है, लेकिन अक्सर इसका जवाब मिलता है, 'कुछ नहीं.' फिर माता-पिता दोबारा पूछते हैं, 'आज क्या पढ़ाया?', 'किससे बात की?' और बच्चा बातचीत से बचने लगता है. दरअसल, समस्या हमेशा बच्चे के व्यवहार में नहीं होती. कई बार सवाल पूछने का तरीका ही ऐसा होता है जिससे उसे विस्तार से जवाब देने का मन नहीं करता.

बच्चे से दिनभर की बातें जानने के लिए लगातार सवालों की जगह बातचीत को सहज बनाना ज्यादा मददगार हो सकता है. पैरेंटिंग एक्सपर्ट्स भी बच्चों से जुड़ने के लिए खुले और अनुभव आधारित सवालों को बेहतर तरीका मानते हैं. माता-पिता एक के बाद एक सवाल पूछने लगते हैं. 'टीचर ने क्या कहा?', 'दोस्तों के साथ खेले?', 'लंच में क्या खाया?' जैसे सवाल बच्चे को बातचीत के बजाय जवाब देने की जिम्मेदारी जैसे लग सकते हैं. इसका मतलब यह नहीं कि माता-पिता की दिलचस्पी गलत है. बस बातचीत शुरू करने का तरीका थोड़ा बदला जा सकता है.

सवाल बदलने से बातचीत कैसे आसान हो सकती है

बच्चे से पूरे दिन का हिसाब मांगने के बजाय किसी एक खास अनुभव पर बात शुरू करें. उदाहरण के लिए 'आज स्कूल में सबसे मजेदार बात क्या थी?' या 'आज ऐसा क्या हुआ जिससे तुम्हें अच्छा लगा?' जैसे सवाल बच्चे को सोचने के लिए एक स्पष्ट दिशा देते हैं. अगर बच्चा फिर भी छोटा जवाब देता है तो तुरंत दूसरा सवाल दागने के बजाय अपनी तरफ से दिन की कोई छोटी बात साझा करें. जैसे, 'आज मेरा दिन थोड़ा व्यस्त था, लेकिन रास्ते में मुझे एक मजेदार चीज दिखी.' इससे बच्चे को महसूस होता है कि बातचीत केवल उससे जवाब लेने के लिए नहीं हो रही है.

ऐसे सवाल पूछें जिनका जवाब सिर्फ हां या ना में न हो

'क्या स्कूल अच्छा था?' के जवाब में बच्चा आसानी से 'हां' या 'नहीं' कह सकता है. इसकी जगह सवाल को थोड़ा खास बनाया जा सकता है. जैसे, 'आज किस क्लास में तुम्हें सबसे ज्यादा मजा आया?' या 'आज तुम्हें किस बात पर हंसी आई?' इसी तरह 'दोस्तों से मिले?' की जगह 'आज तुमने किस दोस्त के साथ सबसे ज्यादा समय बिताया?' पूछा जा सकता है. ऐसे सवाल बच्चे को किसी घटना, व्यक्ति या भावना के बारे में बात करने का मौका देते हैं.

बच्चे की बात बीच में न काटें

कई बार बच्चा कुछ बताना शुरू करता है और माता-पिता तुरंत सलाह देने लगते हैं, अगर बच्चा कहता है कि दोस्त से उसका झगड़ा हुआ तो तुरंत 'तुमने ऐसा क्यों किया?' पूछने के बजाय पहले उसकी पूरी बात सुनना बेहतर है. बच्चे को यह भरोसा होना चाहिए कि वह अपनी छोटी-बड़ी बातें बिना डांट के बता सकता है. जब उसे लगेगा कि उसकी बात सुनी जा रही है तो वह धीरे-धीरे खुद ज्यादा बातें साझा कर सकता है।

दिवाली पर अयोध्या आने का बना रहे हैं प्लान, तो इन जगहों की जरूर करें सैर, स्वर्ग से कम नहीं दिखेगी रामनगरी



अगर आप दीपावली के मौके पर अयोध्या आने का प्लान बना रहे हैं और रामनगरी की खास जगह पर घूमना चाहते हैं, तो प्रभु राम की नगरी अयोध्या में राम मंदिर के अलावा और भी बहुत सारी ऐसी जगह हैं, जहां आप दीपावली के मौके पर परिवार के संग घूम सकते हैं.

राम मंदिर अयोध्या में 500 वर्ष के लंबे संघर्ष के बाद प्रभु राम का दिव्य और भव्य मंदिर तैयार हो गया है. राम मंदिर परिसर में अगर आप परिवार के साथ दर्शन करने आ रहे हैं. तो आप यहां राम मंदिर के साथ 18 और मठ मंदिर के दर्शन भी कर सकते हैं. साथ ही कुबेर टीला पर जाकर एक धार्मिक अनुभव भी प्राप्त कर सकते हैं. राम मंदिर परिसर में रामायण काल से जुड़े ऋषि मुनि संत महंत के भी मंदिर बनाए गए हैं.

राम की पैड़ी दीपोत्सव स्थल:

यह जगह सरयू तट के बिल्कुल सटा हुआ है. जहां दीपावली के मौके पर कई लाख दीपक यहां पर जलाए जाते हैं. साथ ही परिवार के साथ यहां लोग धार्मिकता के साथ-साथ पर्यटन की दृष्टि से भी इस जगह पर पहुंचते हैं. इस पूरे स्थल पर रामायण कालीन दृश्य भी अंकित किए गए हैं. जहां लोगों को धार्मिकता का भी अनुभव प्राप्त होता है. रात के अंधेरे में इस जगह पर रंग-बिरंगी लाइट अयोध्या आने वाले लोगों का मन मोह लेती है.

गुप्तार घाट

सरयू नदी के तट पर स्थित गुप्तार घाट अयोध्या के प्रमुख धार्मिक और पर्यटन स्थलों में एक माना जाता है. मान्यता है कि भगवान श्रीराम ने यहीं से सरयू में जल समाधि लेकर अपने धाम की ओर प्रस्थान किया था. यही वजह है कि इस घाट का धार्मिक महत्व बेहद खास माना जाता है.

गुप्तार घाट की खूबसूरती श्रद्धालुओं और पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करती है. घाट की सीढ़ियां, साफ-सुथरा परिसर और सरयू का शांत वातावरण यहां आने वाले लोगों को आध्यात्मिक अनुभूति कराता है. सुबह और शाम के समय यहां का नजारा बेहद मनमोहक होता है.

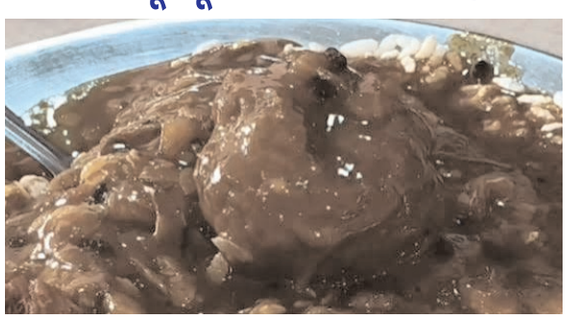
लता चौक

लता मंगेशकर चौक श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए आकर्षण का प्रमुख केंद्र है. यह चौक महान गायिका भारत रत्न लता मंगेशकर की स्मृति को समर्पित है. यहां स्थापित विशाल वीणा की प्रतिकृति इसकी सबसे खास पहचान है, जो भारतीय संगीत और सुरों की विरासत को दर्शाती है. सरयू तट के करीब स्थित यह चौक रात के समय रोशनी से जगमगाता है और इसकी खूबसूरती देखते ही बनती है.

सूर्य कुंड

राम मंदिर से लगभग 6 किलोमीटर दूरी पर स्थित सूर्यकुंड है, जहां सूर्यकुंड परिसर का शांत और आध्यात्मिक वातावरण यहां आने वाले लोगों को सुकून का एहसास कराता है।

150 साल से कायम है सीतामढ़ी की 'रसभरी' का जादू, बेमिसाल जायके का स्वाद लेने दूर-दूर से खिंचे चले आते हैं लोग



सीतामढ़ी के भूतही क्षेत्र की 150 साल पुरानी रसभरी अपनी अनूठी परंपरा, शुद्धता और खास स्वाद के लिए आज भी लोगों की पहली पसंद बनी हुई है. इसे खास तरीके से बनाया जाता है और अधिकतर लोग मुढ़ी-चूड़ा के साथ इसे खाना पसंद करते हैं.

सीतामढ़ी जिला ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के साथ-साथ अपने अनूठे खान-पान के लिए भी जाना जाता है. यहां के भूतही क्षेत्र में मिलने वाली रसभरी कोई साधारण मिष्ठान या पकवान नहीं, बल्कि लगभग 150 वर्षों से चली आ रही एक समृद्ध स्वाद-परंपरा का हिस्सा है. इस मशहूर दुकान की बागडोर पीढ़ियों से संभाली जा रही है. दुकान के वर्तमान संचालक महेश कुमार बताते हैं कि उनके दादाजी के जमाने से यह व्यंजन इसी खास विधि और लगन के साथ बनाया जा रहा है. समय बदलने के बावजूद इसके पारंपरिक स्वाद, बनाने के तरीके और ताजगी में कोई कमी नहीं आई है, यही वजह है कि आज भी यह लोगों की पहली पसंद बना हुआ है.

शुद्ध सामग्री और पारंपरिक विधि से तैयार होती है रसभरी

रसभरी को तैयार करने की प्रक्रिया पूरी तरह से पारंपरिक और स्वास्थ्यवर्धक है. इसे शुद्ध चने के बेसन, बारीक कटे हुए प्याज और खास घरेलू मसालों के मिश्रण से तैयार किया जाता है. इसके बाद इसे शुद्ध सरसों तेल में धीमी और मध्यम आंच पर तला जाता है. इसमें किसी भी तरह के रंग या केमिकल का इस्तेमाल नहीं होता. बेसन और मसालों का सही संतुलन इसे बाहर से कुरकुरा और अंदर से बेहद स्वादिष्ट व मुलायम बनाता है. यही विशेष रेसिपी और कड़वे तेल का तड़का इसे आसपास के दूसरे व्यंजनों से पूरी तरह अलग और अनोखा जायका देता है।

'वह मुझसे सच में प्यार करते भी हैं या नहीं?'... क्या आपके मन में भी आते हैं ऐसे सवाल? रिलेशनशिप एंग्जायटी से बचने के 5 तरीके



सब कुछ ठीक होने पर भी रिश्ते में असुरक्षा और शक महसूस होने की स्थिति को रिलेशनशिप एंग्जायटी कहा जाता है. इसके पीछे पुराने अनुभव या आत्मविश्वास की कमी हो सकती है, जिससे खुलकर बात करके और माइंडफुलनेस अप

सब कुछ ठीक चल रहा है. आपका पार्टनर आपसे प्यार करता है, आप दोनों के बीच अच्छा तालमेल है, और रिश्ते में किसी तरह की कोई बड़ी समस्या भी नहीं है. इसके बावजूद, आपके मन में एक अजीब सा डर या शक बना रहता है— 'क्या वह सच में मुझसे प्यार करते हैं?' या 'क्या यह रिश्ता ज्यादा दिन टिकेगा?' अगर आप भी इस तरह की उलझन और बेचैनी से गुजरते हैं, तो अकेले आप ऐसे नहीं हैं. इस स्थिति को 'रिलेशनशिप एंग्जायटी' (Relationship An&iety) कहा जाता है, जो आज के समय में बहुत आम है. आइए जानते हैं कि यह क्या है, क्यों होती है और इससे बाहर निकलने के आसान तरीके क्या हैं.

क्या है रिलेशनशिप एंग्जायटी?

हेल्थलाइन के एक्सपर्ट मनोचिकित्सकों के अनुसार, रिलेशनशिप एंग्जायटी उन भावनाओं, असुरक्षा और शकों का समूह है जो किसी रिश्ते में तब भी उभर सकती हैं जब बाहर से सब कुछ बहुत अच्छा चल रहा हो. यह शुरुआती डेटिंग के दौरान या लंबे समय से चले आ रहे कमिटेड रिश्तों में भी देखने को मिल सकती है. जब यह एंग्जायटी बढ़ जाती है, तो यह भावनात्मक थकान, तनाव, और यहां तक कि पेट की खराबी जैसी शारीरिक समस्याओं का कारण भी बन सकती है.

कैसे पहचानें रिलेशनशिप एंग्जायटी के संकेत को?

क्या मैं उनके लिए मायने रखती/रखता हूँ?:

मन में यह सवाल बार-बार आना कि अगर आप आसपास न हों, तो क्या पार्टनर को आपकी परवाह होगी या नहीं.

पार्टनर की भावनाओं पर शक करना:

पार्टनर के प्यार जताने के बाद भी यह जबरदस्?ती का डिबेट रहना कि 'वह मुझसे सच में प्यार नहीं करते.' जैसे, मैसेज का जवाब देने में देर होने पर यह सोचना कि अब उनकी रुचि कम हो गई है.

पार्टनर के छोड़कर जाने का लगातार डर:

इस डर की वजह से कई बार आप अपनी खुशियों या जरूरतों से समझौता करने लगते हैं, ताकि पार्टनर नाराज न हो जाए.

बेवजह झगड़ा मोल लेना:

कई बार अनजाने में हम ऐसी हरकतें कर बैठते हैं जो रिश्ते को बिगाड़ सकती हैं, जैसे छोटी-छोटी बातों पर बेवजह झगड़ा मोल लेना या पार्टनर की भावनाओं की परीक्षा लेना।

मैसूर दशहरा से लेकर 'कोलु' उत्सव तकः जानिए दक्षिण भारत में किस तरह मनाई जाती है नवरात्रि



जहां उत्तर भारत में नवरात्रि का मतलब, उपवास, रामलीला और रावण दहन से जुड़ा होता है, वहीं दक्षिण भारत में यह पर्व परंपरा, कला, इतिहास, पारिवारिक आत्मीयता और देवी शक्ति की आराधना का सबसे बड़ा उत्सव बन जाता है. कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश और केरल जैसे राज्यों में नवरात्रि मनाने के तौर-तरीके बेहद अनूठे और प्राचीन परंपराओं में रमे हुए हैं. आइए जानते हैं कि साउथ इंडिया के अलग-अलग हिस्सों में यह त्योहार किस तरह जीवंत हो उठता

क्या आपने कभी सोचा है कि उत्तर भारत के गरबे, डांडिया और रावण दहन से अलग, दक्षिण भारत में नवरात्रि का त्योहार कैसे मनाया जाता होगा? अगर नहीं, तो चलिए आज हम दक्षिण भारत की उन पारंपरिक फेस्टिवल सेलेब्रेशन के तरीकों को जानने की कोशिश करते हैं जहां परंपरा, कला और भक्ति का एक अलग ही संगम देखने को मिलता है. एक तरफ जहां उत्तर भारत में नवरात्रि का मतलब नौ दिनों के उपवास, रामलीला और दशहरे पर रावण दहन होता है, वहीं दक्षिण भारत में यह पर्व देवी शक्ति के स्वागत, कला के प्रदर्शन और पारिवारिक मेल-मिलाप का सबसे बड़ा उत्सव बन जाता है.कर्नाटक से लेकर तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश तक, इन नौ दिनों में पूरा साउथ एक अलग ही सांस्कृतिक रंग में रंग जाता है. तो आइए, जानते हैं दक्षिण भारत में नवरात्रि के इस पर्व को किस अंदाज़ में मनाया जाता है.

400 साल पुरानी शाही परंपरा:

इस उत्सव का इतिहास विजयनगर साम्राज्य से जुड़ा है. नवरात्रि के इन नौ दिनों में पूरा मैसूर शहर किसी दुल्हन की तरह सजा होता है.

शाही सवारी (जम्बो सवारी):

विजय दशमी (विजयादशमी) के दिन यहाँ एक भव्य जुलूस निकलता है, जिसमें सजे-धजे हाथियों पर माता चामुंडेश्वरी की सोने की मूर्ति को विराजमान किया जाता है।

रोज जमा होने वाली मलाई फेंकें नहीं, ऐसे बनाएं घर का शुद्ध देसी घी, एक्सपर्ट ने बताया आसान तरीका

अगर आपके घर में रोज दूध आता है और उसकी मलाई जमा होती रहती है, तो उसे फेंकने की बजाय घर पर घी बनाया जा सकता है. मलाई को कुछ दिनों तक जमा करके पहले उससे मक्खन निकाला जाता है और फिर धीमी आंच पर पकाकर घी तैयार किया जाता है. एक्सपर्ट सविता श्रीवास्तव ने घर पर मलाई से घी बनाने का आसान देसी तरीका बताया है.



7सुल्तानपुर: गांवों में आज भी घर पर दूध, दही और मलाई से घी बनाने की परंपरा है. बाजार में मिलने वाले घी की जगह कई लोग घर का बना घी इस्तेमाल करना पसंद करते हैं. अगर आपके घर में रोज दूध आता है और उसकी मलाई जमा होती रहती है, तो इसी मलाई से आसानी से घी तैयार किया जा सकता है. इसके लिए किसी खास मशीन या महंगे सामान की जरूरत नहीं होती. आइए जानते हैं मलाई से घर पर घी बनाने का आसान देसी तरीका.

एक्सपर्ट सविता श्रीवास्तव ने लोकल18 को बताया कि सबसे पहले रोज घर में आने वाले दूध को उबालकर ठंडा कर लें. दूध के ऊपर जमने वाली मलाई को साफ चम्मच की मदद से निकालकर साफ और ढक्कन वाले डिब्बे में जमा करते जाएं.

मलाई को हमेशा फ्रिज में रखें, ताकि वह जल्दी खराब न हो. कई दिनों की मलाई को एक साथ इकट्ठा किया जा सकता है. जब डिब्बे में पर्याप्त मलाई जमा हो जाए, तब इससे घी बनाने की प्रक्रिया शुरू करें. ध्यान रखें कि मलाई निकालने और रखने के लिए इस्तेमाल किया जाने वाला बर्तन साफ और सूखा हो.

जमा की गई मलाई को एक बड़े बर्तन में निकाल लें. इसमें थोड़ा ठंडा पानी डालकर मथानी या मिक्सर की मदद से अच्छी तरह फेंटें. कुछ देर बाद मलाई से मक्खन अलग होने लगेगा और नीचे छाछ जैसा तरल दिखाई देगा. ऊपर जमा मक्खन को हाथ या चम्मच की मदद से निकालकर दूसरे बर्तन में रख लें. मक्खन को साफ ठंडे पानी से एक-दो बार धो सकते हैं, ताकि उसमें बची छाछ निकल जाए.

इसके बाद एक भारी तले वाली कड़ाही या बर्तन में तैयार मक्खन डालकर धीमी आंच पर गर्म करें. मक्खन धीरे-धीरे पिघलेगा और उसमें बुलबुले उठने लगेंगे. इसे बीच-बीच में चलाते रहें और आंच तेज न करें. कुछ समय बाद मक्खन में मौजूद पानी भाप बनकर निकल जाएगा और घी साफ दिखाई देने लगेगा। जब बर्तन के नीचे हल्के भूरे रंग के अवशेष बैठने लगें और घी से अच्छी खुशबू आने लगे, तो गैस बंद कर दें. घी को थोड़ा ठंडा होने दें. इसके बाद इसे साफ सूती कपड़े या बारीक छलनी से छानकर सूखे कांच के जार में भर लें. इस तरह घर में जमा मलाई से घी तैयार किया जा सकता है, जिसे रोजाना के खाने में इस्तेमाल किया जा सकता है।



'खतरों के खिलाड़ी 15' में ट्रॉफी से चूके ऋत्विक धनजानी

बोले- 'अविनाश के साथ मुकाबला करने में मजा आया'





मुंबई। टेलीविजन अभिनेता ऋत्विक धनजानी ने 'खतरों के खिलाड़ी 15' में विनर की ट्रॉफी भले ही अपने नाम न की हो, लेकिन टॉप-2 में जगह बनाने के बाद वह खुद पर काफी गर्व महसूस कर रहे हैं। फिनाले में ऋत्विक को अभिनेता अविनाश मिश्रा से हार का सामना करना पड़ा। दोनों के बीच फाइनल टास्क के समय में सिर्फ करीब 5 से 8 सेकंड का अंतर रहा। इसको लेकर ऋत्विक का कहना है कि उन्हें अविनाश के साथ मुकाबला करने में काफी मजा आया।

हर टास्क में खुद को चुनौती दी

'खतरों के खिलाड़ी 15' में अपने सफर को याद करते हुए ऋत्विक ने कहा, "मेरे लिए इस शो का हिस्सा बनना हर बार खुद को चुनौती देने जैसा रहा है। मैंने लगातार अपने डर का सामना किया और बार-बार उन चीजों को करने की कोशिश की, जिनसे मुझे डर लगता था। हर टास्क में खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से मजबूत रखना और अपनी पूरी क्षमता के साथ प्रदर्शन करना मेरे लिए सबसे जरूरी रहा।"

अविनाश के साथ मुकाबला मजेदार रहा

फिनाले में अविनाश मिश्रा के साथ हुए मुकाबले को लेकर ऋत्विक ने खुलकर अपनी खुशी जाहिर की। उन्होंने कहा, "अविनाश जबरदस्त कंटेस्टेंट है। मुझे उनके साथ मुकाबला करके मजा आया। हमारे बीच अंतर महज कुछ सेकंड का था, लेकिन इस साल की जीत अविनाश के नाम थी और मैं इससे पूरी तरह खुश हूं।"

ये सिर्फ शारीरिक ताकत का शो नहीं

अभिनेता ने कहा, "'खतरों के खिलाड़ी' मेरे लिए सिर्फ शारीरिक ताकत दिखाने वाला शो नहीं था। इस शो में हर स्टेंट के दौरान मानसिक मजबूती भी उतनी ही जरूरी होती है। मैंने हर सीजन में खुद को मानसिक और शारीरिक रूप से आगे बढ़ाने की कोशिश की है और हर टास्क में अपना बेस्ट दिया है।"



मैं खुद को 'खतरों के खिलाड़ी' परिवार का हिस्सा मानता हूं

ऋत्विक ने कहा, "मैं खुद को 'खतरों के खिलाड़ी' परिवार का हिस्सा मानता हूं और पिछले करीब एक दशक से इस शो से जुड़े हुआ हूं। मेरे लिए यह जगह घर जैसी है। टॉप पर बने रहना और इतने सालों बाद भी खुद को चुनौती देने में सक्षम होना मुझे अच्छा महसूस कराता है।

'राइज एंड फॉल 2' में काजल राघवानी का बड़ा खुलासा, बोलीं- 'मैंने सुसाइड की कोशिश की थी



विश्व केसरी

मुंबई। भोजपुरी अभिनेत्री काजल राघवानी रियलिटी शो 'राइज एंड फॉल-2' में नजर आ रही हैं। शो के दौरान काजल ने बताया कि उनके जीवन में एक ऐसा समय भी आया था, जब उन्होंने खुद की जान लेने की कोशिश की थी और हाथ की कलाई की नस काट ली थी।

दरअसल, शो के दौरान कंटेस्टेंट निहारिका तिवारी ने काजल के हाथ पर कलाई कटने का निशान देखा और उसके बारे में पूछा। तब काजल ने बताया, 'मैंने सुसाइड करते समय अपने हाथ की कलाई की नस काटी थी।'

काजल राघवानी की इस बात ने वहां मौजूद सभी कंटेस्टेंट को चौंका दिया। वहीं, काजल की बात सुनते ही मनीष कश्यप उनसे कहते हैं, 'मैं इंजेक्शन से डरता हूं, यहां लड़कियां हाथ काट लेती हैं। आप लोगों को इतनी हिम्मत आ कहां से रही है। शिद्दत से प्यार करिए लेकिन अगर कोई भूल रहा है, तो उसे भूल जाओ।'

हालांकि, काजल ने साफ किया कि ऐसा उन्होंने किसी के छोड़ जाने या प्यार में नहीं किया था बल्कि अपने लिए किया था। काजल की बात सुनकर मनीष कश्यप ने उनसे पूछा कि भला कोई अपने लिए कलाई की नस क्यों काटेगा। काजल ने अपनी उस समय की मेंटल हेल्थ के बारे में बताते हुए कहा, 'उस समय मैं जिंदगी के एक ऐसे दौर से गुजर रही थी, जब मुझे न ही दुनिया समझ आ रही थी और न ही जीने का मन था।'

काजल इससे पहले भी शो में मुश्किल रिश्तों और भावनात्मक संघर्षों के बारे में बात कर चुकी हैं। शो के दौरान उन्होंने पूर्व कंटेस्टेंट अनीस भगत के साथ बातचीत में अपने एक्स-बॉयफ्रेंड द्वारा की गई मारपीट और प्रताड़ना का जिक्र किया था। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए बताया था कि जिस व्यक्ति से उन्होंने प्यार किया, उसी ने उन्हें जमीन पर पटककर पैरों व लातों से मारा था ।

'नई नवेली' का नया गाना 'फटा पटाखा' रिलीज, यामी गौतम के साथ दिखा अनोखा जॉम्बी डांस पार्टी का अंदाज



विश्व केसरी

मुंबई। आनंद एल. राय और हिमांशु शर्मा की अपकमिंग फिल्म 'नई नवेली' इन दिनों अपने अनोखे फैंटेसी वर्ल्ड को लेकर चर्चा में है। फिल्म के मेकर्स ने मंगलवार को इसका नया गाना 'फटा पटाखा' रिलीज कर दिया है।

गाने में यामी गौतम धर बिल्कुल अलग और मस्ती भरे अंदाज में नजर आ रही हैं। खास बात यह है कि इस हाई-एनर्जी ट्रैक में यामी के साथ एक अनोखी जॉम्बी डांस पार्टी देखने को मिल रही है, जो गाने को और मजेदार बनाती है।

'फटा पटाखा' को सिंगर मधुबंती बागची ने गाया है। गाने को जी. वी. प्रकाश कुमार ने कंपोज और प्रोड्यूस किया है, जबकि इसके बोल वायु ने लिखे हैं। विजय गांगुली ने गाने की कोरियोग्राफी की है।

गाने में जबरदस्त बीट्स और बड़े लेवल की कोरियोग्राफी देखने को मिल रही है। फिल्म की फैंटेसी दुनिया को यह गाना एक अलग और मजेदार म्यूजिकल ट्विस्ट देता है।

गाने को लेकर मधुबंती बागची ने कहा, ''फटा पटाखा' पूरी तरह से बिना किसी रोक-टोक वाली मस्ती और एनर्जी से भरा हुआ है। इसमें ह्यूमर के साथ जबरदस्त ऊर्जा है। इस गाने की रिकॉर्डिंग मेरे लिए बेहद मजेदार अनुभव रहा, क्योंकि इसका अंदाज काफी बड़ा और खास है। इसमें शरारत और हाई-एनर्जी का ऐसा मेल है, जो इसे अलग बनाता है।''

मधुबंती ने आगे कहा, ''जी. वी. प्रकाश कुमार और वायु की क्रिएटिव जोड़ी ने इस गाने को मेरे लिए बेहद खास बना दिया। ये मेरे लिए अब तक रिकॉर्ड किए गए सबसे रोमांचक गानों में से एक है। मैं यह देखने के लिए काफी उत्साहित हूं कि लोग इस गाने पर डांस करते हैं।''

वहीं, गाने के कंपोजर जी. वी. प्रकाश कुमार ने कहा, ''मुझे 'फटा पटाखा' के जरिए बिल्कुल अलग तरह की म्यूजिक दुनिया के साथ प्रयोग करने का मौका मिला। फिल्म की अनोखी और थोड़ी अजीब-सी दुनिया को ऐसे गाने में बदलना था, जो सुनते ही जश्न जैसा महसूस हो।''

सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की 'तू है मेरी किरण' का ट्रेलर रिलीज, एकतरफा प्यार बनेगा खतरनाक जुनून



विश्व केसरी

मुंबई। सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल की अपकमिंग फिल्म 'तू है मेरी किरण' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। ट्रेलर में एकतरफा प्यार और जुनून की कहानी को सस्पेंस और थ्रिल के साथ पेश किया गया है। कहानी में कई ऐसे मोड़ आते हैं, जो दर्शकों को लगातार सोचने पर मजबूर करते हैं कि आखिर पर्दे के पीछे चल क्या रहा है।

'तू है मेरी किरण' ट्रेलर में सोनाक्षी और जहीर के किरदारों के अलग-अलग रंग देखने को मिलते हैं। मेकर्स ने कहानी के बड़े राज को अभी पर्दे के पीछे ही रखा है।

फिल्म में अपने किरदार को लेकर सोनाक्षी सिन्हा ने कहा, ''तू है मेरी किरण' मेरे लिए बिल्कुल अलग तरह की फिल्म है और इसी वजह से यह मेरे लिए काफी रोमांचक रही। मुझे सबसे ज्यादा फिल्म की वह दुनिया पसंद आई, जहां एक सामान्य-सी भावना धीरे-धीरे कुछ ज्यादा गहरी और खतरनाक बन जाती है। मेरे किरदार का सफर काफी असामान्य है और उसमें कई परतें हैं, जिन्हें निभाना काफी दिलचस्प रहा।''

सोनाक्षी ने कहा, ''फिल्म दर्शकों को लगातार बांधे रखती है और स्क्रीन पर दिखाई जा रही घटनाओं की सच्चाई पर सवाल खड़े करती है। मैं चाहती हूं कि दर्शक इस दुनिया का हिस्सा बनें और सिनेमाघरों में 'तू है मेरी किरण' के अनुभव को महसूस करें।''

वहीं, जहीर इकबाल ने फिल्म को अपने लिए बेहद खास बताया और कहा, ''कहानी में एकतरफा प्यार को जिस तरह दिखाया गया है, वही चीज मुझे सबसे ज्यादा आकर्षित करती है। एक ऐसी भावना जो शुरुआत में बेहद गहरी लगती है और आगे चलकर किस तरह एक मोड़ लेती है, फिल्म इसी पहलू को सामने लाती है। फिल्म में रहस्य और सस्पेंस लगातार बना रहता है और दर्शक यह जानने की कोशिश करेंगे कि असल में कहानी की सतह के नीचे क्या छिपा है।

विशाल राणा और इशेलॉन प्रोडक्शंस द्वारा प्रोड्यूस की गई इस फिल्म का निर्देशन करण रावल ने किया है। ट्रेलर में दिखाया गया है कि सोनाक्षी सिन्हा किरण नाम की लड़की के किरदार में हैं, जिसे जहीर इकबाल का किरदार बेइंतहा प्यार करता है। वह उसे अपना बनाना चाहता है। इसके लिए वह किरण पर दबाव बनाता है।

अविनाश मिश्रा की सक्सेस पार्टी से गायब होने पर विवियन डीसेना ने दी सफाई, कहा-तबीयत खराब थी

विश्व केसरी

मुंबई। अविनाश मिश्रा की 'खतरों के खिलाड़ी 15' की सक्सेस पार्टी में 'बिग बॉस-18' के कई कंटेस्टेंट नजर आए लेकिन इस दौरान अभिनेता विवियन डीसेना नहीं दिखे। उनकी गैरमौजूदगी में फैंस ने सवाल उठाए और पूछा कि क्या वह मुंबई में नहीं हैं। मंगलवार को अभिनेता ने बताया कि वह क्यों पार्टी में शामिल नहीं हो पाए।

अभिनेता विवियन डीसेना ने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक नोट शेयर किया, जिसमें उन्होंने बताया कि वह मुंबई में ही हैं लेकिन तबीयत खराब होने की वजह से अविनाश की सक्सेस पार्टी में शामिल नहीं हो पाए थे।

उन्होंने लिखा, 'मैं कल से आप सभी के मैसेज देख रहा हूं, जिनमें आपने मुझसे पूछा कि मैं अविनाश की पार्टी में क्यों नहीं गया था और क्या मैं मुंबई में नहीं हूं। दरअसल, मैं मुंबई में ही था लेकिन स्वास्थ ठीक न होने की वजह से बाहर जाने या लोगों से मिलने-जुलने की हालत नहीं थी।'

अभिनेता ने अपने फैंस को ठीक होने का आश्वासन दिया। उन्होंने लिखा, 'अविनाश की सक्सेस पार्टी में जाने का बहुत मन था लेकिन अच्छा महसूस न होने की वजह से नहीं जा सका। हालांकि, स्वास्थ्य जल्दी ठीक हो जाएगा। कुछ मुलाकातें लंबे समय से बाकी हैं और उनका होना बेहद जरूरी है। उन सभी लोगों का धन्यवाद, जिन्होंने मुझसे संपर्क किया और मेरी चिंता की, यह मेरे लिए बहुत मायने रखता है।'

अभिनेता विवियन डीसेना ने अविनाश को खतरों के खिलाड़ी का विनर बनने पर बधाई दी। उन्होंने लिखा, 'अब जब मैंने यह स्पष्ट कर दिया है, तो चलिए सभी सवालों को छोड़कर अविनाश और उनकी जीत का जश्न मनाते हैं। बधाई हो, अविनाश।

'वसुधा' ने पूरे किए 700 एपिसोड, प्रिया ठाकुर बोलीं- 'एक ऑडिशन ने बदल दी मेरी जिंदगी'

विश्व केसरी

मुंबई । टीवी की दुनिया में किसी शो का लंबे समय तक दर्शकों के बीच अपनी जगह बनाए रखना आसान नहीं होता। इस बीच जी टीवी का पॉपुलर शो 'वसुधा' भी अपनी कहानी और किरदारों के दम पर दर्शकों का ध्यान खींचने में कामयाब रहा है।

अब इस शो ने अपने सफर में एक बड़ी उपलब्धि हासिल कर ली है। 'वसुधा' ने हाल ही में 700 एपिसोड पूरे कर लिए हैं। इस खास मौके पर शो के कलाकार प्रिया ठाकुर और अभिषेक शर्मा ने अपनी जर्नी और दर्शकों से मिले प्यार को याद किया।



शो में वसुधा का किरदार निभाने वाली प्रिया ठाकुर ने कहा, ''शो के 700 एपिसोड पूरे होना मेरे लिए किसी सपने से कम नहीं है। जब मैं पहली बार शो के ऑडिशन के लिए गई थी, तब मैंने बिल्कुल नहीं सोचा था कि यह मौका मुझे इतनी दूर तक ले जाएगा। मैं बस यह सोचकर ऑडिशन देने गई थी कि चलो, ऑडिशन देकर देखते हैं, क्या होता है। लेकिन, उस एक फैसले ने मेरी जिंदगी में बड़ा बदलाव ला दिया।''

प्रिया ने कहा, ''मैं आज उसी एक ऑडिशन की वजह से 'वसुधा' के साथ 700 एपिसोड पूरे कर चुकी हूं।

इस दौरान मुझे न सिर्फ कई खूबसूरत यादें मिलीं, बल्कि दर्शकों से भी बहुत प्यार मिला। शो का लंबे समय तक प्राइम टाइम में नंबर-1 पोजीशन पर बने रहना मेरे लिए इस उपलब्धि को और खास बनाता है। यह मेरे लिए बेहद गर्व और खुशी की बात है कि दर्शकों ने वसुधा के किरदार को इतना अपनाया।''

प्रिया ने अपने किरदार को लेकर भी खुलकर बात की। उन्होंने कहा, ''वसुधा का किरदार मेरे लिए सिर्फ एक रोल नहीं है, बल्कि इस सफर के दौरान मैं इसके साथ खुद भी आगे बढ़ी हूं। एक कलाकार के तौर पर इस किरदार ने मुझे बहुत कुछ सीखने और अलग-अलग भावनाओं को पर्दे पर दिखाने का मौका दिया है। मैं खुद को खुशकिस्मत मानती हूं कि मुझे वसुधा जैसा किरदार निभाने का मौका मिला।''

उन्होंने आगे कहा, ''शो की कहानी अभी खत्म नहीं हुई है और आने वाले समय में दर्शकों को कई दिलचस्प ट्विस्ट देखने को मिलेंगे। मैं खुद भी यह जानने के लिए उत्साहित हूं कि कहानी आगे किस दिशा में जाएगी और दर्शकों को आगे क्या देखने को मिलेगा। मुझे उम्मीद है कि जिस तरह अब तक लोगों ने 'वसुधा' को प्यार दिया है, उसी तरह आगे भी उनका साथ बना रहेगा।''

भारत-अमेरिका के बीच रक्षा और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने पर चर्चा

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने मंगलवार को नई दिल्ली में अमेरिकी पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल पापारो से मुलाकात की। इस दौरान दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा की। साथ ही, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार साझा किए।

बैठक के बाद रक्षा मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लि?खा, 'रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह ने भारत दौरे पर आए अमेरिकी पैसिफिक कमांड के कमांडर एडमिरल सैमुअल पापारो से मुलाकात की। बैठक के दौरान दोनों पक्षों ने भारत-अमेरिका रक्षा और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर चर्चा की और क्षेत्रीय व वैश्विक मुद्दों पर विचार साझा किए।'

इससे पहले सोमवार को एडमिरल पापारो ने भारत यात्रा के दौरान कई वरिष्ठ भारतीय रक्षा अधिकारियों से मुलाकात की। भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि इन बैठकों ने अमेरिका-भारत के बीच अहम रक्षा साझेदारी के महत्व को दिखाया।

गोर ने 'एक्स' पर लिखा, 'भारत में एडमिरल सैमुअल पापारो की मेजबानी करना सम्मान की बात है। एडमिरल पापारो अमेरिका के सबसे अहम सैन्य लीडर्स में से एक हैं। वह अमेरिकी पैसिफिक कमांड की कमान संभालते हैं, जो देश की सबसे पुरानी और सबसे बड़ी भौगोलिक सैन्य कमांड है। इसके तहत दुनिया के लगभग आधे हिस्से में करीब 4 लाख सैन्य और नागरिक कर्मचारी आते हैं।'

उन्होंने कहा कि एडमिरल पापारो ने भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल एन. एस. राजा सुब्रमणि, थल सेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ, वायु सेना के उप प्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित, चीफ ऑफ इंटीग्रेटेड डिफेंस स्टाफ एयर मार्शल तेजिंदर सिंह और दूसरे वरिष्ठ भारतीय रक्षा अधिकारियों के साथ मुलाकात की।

गोर के मुताबिक, इन मुलाकातों में अमेरिका-भारत की प्रमुख रक्षा साझेदारी की बढ़ती ताकत, महत्व और भविष्य की संभावनाओं पर जोर दिया गया। इससे पहले एडमिरल पापारो ने विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की थी।

दोनों ने सुरक्षा साझेदारी और समुद्री सहयोग को आगे बढ़ाने पर चर्चा की।

सऊदी अरब से रक्षा और सुरक्षा समझौता निभाएगा अमेरिका: मार्को रुबियो

विश्व केसरी■



वॉशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा है कि सऊदी अरब समर्थित यमनी सेनाएं हूती विद्रोहियों के हमले का जवाब दे रही हैं और ऐसे समय में अमेरिका, सऊदी अरब के साथ अपने रक्षा और सुरक्षा से जुड़े वादों को निभाएगा। हालांकि, उन्होंने यह साफ नहीं किया कि वॉशिंगटन इस लड़ाई में हवाई सैन्य मदद देगा या नहीं।

यूरोप रवाना होने से पहले वॉशिंगटन में पत्रकारों से बातचीत के दौरान रुबियो ने कहा कि सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों ने हमला किया है और उसे अपनी रक्षा करने का अधिकार है। रणनीतिक रूप से अहम जलडमरूमध्य के पास के इलाके को लेकर लड़ाई जारी है।

जॉइंट बेस एंड्रयूज में पत्रकारों से बात करते हुए रुबियो ने कहा कि अमेरिका का सऊदी अरब के साथ रक्षा और सुरक्षा समझौता है और हम इसे निभाने का इरादा रखते हैं। उन्होंने कहा कि मैं इससे ज्यादा जानकारी पर चर्चा नहीं करूंगा।

रुबियो से सऊदी अरब के समर्थन से यमन की सरकारी सेनाओं की ओर से हूती विद्रोहियों के खिलाफ हाल में चलाए गए अभियानों के बारे में सवाल पूछा गया था। उनसे यह भी पूछा गया कि क्या अमेरिका इन अभियानों में हवाई मदद देगा या उसने इन सैन्य कार्रवाइयों में किसी तरह का तालमेल किया है।

हालांकि, रुबियो ने सीधे तौर पर यह नहीं बताया कि अमेरिका हवाई मदद दे रहा है या ऐसा करने पर विचार कर रहा है। इसके बजाय उन्होंने कहा कि यह उन इलाकों को वापस लेने के लिए जवाबी कार्रवाई है, जिन पर पहले हूती विद्रोहियों ने कब्जा कर लिया था।

रुबियो ने कहा, 'सऊदी अरब और यमनी सेनाएं साफ तौर पर नहीं चाहतीं कि हूती विद्रोही उस जलडमरूमध्य के पास के इलाके पर कब्जा बनाए रखें।'

संक्षिप्त खबर

बांग्लादेश: ढाका बना दुनिया का सबसे प्रदूषित शहर, एक्यूआई 300 के पार

विश्व केसरी■



ढाका। बांग्लादेश की राजधानी ढाका की हवा बेहद खतरनाक स्तर पर पहुंच गई है। स्थानीय मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक मंगलवार सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर ढाका का एयर क्वालिटी इंडेक्स 213 दर्ज किया गया, जिसके साथ ही ढाका दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट में पहले नंबर पर रहा। यूनाइटेड न्यूज ऑफ बांग्लादेश (यूएनबी) की रिपोर्ट के मुताबिक, एक्यूआई पैमाने के अनुसार ढाका में हवा की गुणवत्ता को 'बहुत खराब' माना गया। यह स्वास्थ्य के लिए गंभीर चेतावनी है, जिससे लोगों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हो सकती हैं। मलेशिया का कुआलालंपुर 208 एक्यूआई के साथ दुनिया के सबसे प्रदूषित शहरों की सूची में दूसरे स्थान पर रहा, जबकि सिंगापुर 179 के एक्यूआई के साथ तीसरे स्थान पर रहा। एक्यूआई मानकों के अनुसार, 301 से ऊपर की रीडिंग को 'खतरनाक' माना जाता है; 201-300 के बीच की रीडिंग को 'बहुत खराब' माना जाता है; 151-200 के बीच की रीडिंग को 'खराब' की श्रेणी में रखा जाता है; जबकि 101-150 के बीच की रीडिंग को 'संवेदनशील समूहों के लिए अस्वस्थ' माना जाता है। यूएनबी की रिपोर्ट के अनुसार, बांग्लादेश का ढाका लंबे समय से वायु प्रदूषण की समस्या से जूझ रहा है।

मुंबई में साइबर ठगी के पैसों से महंगे मोबाइल खरीदने वाले गैंग का पर्दाफाश, दो आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■



मुंबई। साइबर ठगी कर महंगे मोबाइल फोन खरीदने वाले गिरोह पर एलटी मार्ग पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने गुजरात के अहमदाबाद और मुंबई के कुर्ला से दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 19,66,075 रुपये कीमत के 25 मोबाइल फोन बरामद किए हैं। एलटी मार्ग पुलिस स्टेशन में पीड़ित ने केस दर्ज कराया था। पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि एक अनजान मोबाइल नंबर से कॉल आया। कॉल करने वाले ने खुद को आरबीएल क्रेडिट कार्ड का प्रतिनिधि बताया। उसने कहा कि आपके क्रेडिट कार्ड पर चालू मेल आदेश सर्विस बंद करनी है और इसके लिए व्हाट्सएप पर एक लिंक भेजी। लिंक पर क्लिक करते ही आरोपी ने पीड़ित के क्रेडिट कार्ड से 3 ट्रांजेक्शन में 4,48,721 रुपये की स्वीगी प्लेटफॉर्म पर खरीदारी कर ऑनलाइन ठगी कर ली। पुलिस ने बताया कि मामले की गंभीरता को देखते हुए तकनीकी जांच शुरू की। जांच के आधार पर पुलिस ने अनिसबेग समिरबेग मिर्जा (23) और मोईन रहीम शेख (34) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने बताया कि आरोपियों के पास से 2 आईफोन मोबाइल फोन और अन्य साइबर फ्रॉड के मामलों में खरीदे गए 25 मोबाइल फोन बरामद हुए हैं। हाल ही में दिल्ली के साउथ डिस्ट्रिक्ट के साइबर पुलिस स्टेशन ने टेलीग्राम-आधारित टास्क और क्रिप्टो करेंसी इन्वेस्टमेंट धोखाधड़ी में शामिल एक अंतरराज्यीय साइबर-फ्रॉड नेटवर्क का भंडाफोड़ करते हुए उत्तराखंड के ऊधम सिंह नगर से तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

ओमान तट के पास कमर्शियल जहाज पर हमला, 11 भारतीय नाविक घायल : विदेश मंत्रालय

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। भारत के विदेश मंत्रालय (एमईए) ने होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे कमर्शियल जहाज पर हमले की जानकारी दी है। एमईए ने हमले की निंदा करते हुए बयान जारी किया। बताया कि ओमान तट के पास होर्मुज स्ट्रेट से गुजर रहे पनामा के झंडे वाले जहाज 'एमटी ऑन पीस' (आईएमओ 9893204) पर मंगलवार को हमला किया गया। जहाज पर सवार 19 सदस्यीय चालक दल में 17 भारतीय नागरिक थे, जिनमें से कुल 12 घायल हो गए। इनमें से 11 भारतीय नाविक थे।

भारत ने इस हमले की कड़ी निंदा करते हुए क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों पर लगातार हो रहे हमलों को लेकर गहरी चिंता जताई है।

विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के अनुसार, 'होर्मुज स्ट्रेट से गुजरते समय जहाज पर एक प्रोजेक्टाइल आकर लगा। हमले में 12 चालक दल के सदस्य घायल हुए, जिनमें 11 भारतीय नागरिक हैं। इसमें आगे बताया गया कि ओमानी अधिकारियों की सहायता से सभी घायल चालक दल के सदस्यों को जहाज से निकालकर सुरक्षित रूप से ओमान के खासाब ले जाया गया, जहां उन्हें चिकित्सा उपचार दिया जा रहा है। भारत ने इस दौरान मदद के लिए ओमानी अधिकारियों का आभार जताया है।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर हमलों की लगातार हो रही घटनाएं भारत के लिए गंभीर चिंता का विषय हैं। भारत ने क्षेत्र में शांति और स्थिरता के हित में ऐसे हमलों को तत्काल रोकने की अपनी अपील दोहराई।

बयान में कहा गया, 'क्षेत्र में वाणिज्यिक जहाजों, नाविकों और नागरिक बुनियादी ढांचे को निशाना बनाए जाने का सिलसिला समाप्त होना चाहिए। साथ ही अंतरराष्ट्रीय जलमार्गों के जरिए नौवहन और व्यापार को जल्द से जल्द बहाल किया जाना जरूरी है।

ईरान ने बहरीन को 'अपनी जमीन से हमले' होने देने की दी चेतावनी

विश्व केसरी■



न्यूयॉर्क। तेहरान ने बहरीन और इलाके के दूसरे खाड़ी देशों को चेतावनी दी है कि वे ईरान पर हमलों के लिए अपनी जमीन या हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल न होने दें। ईरान के अनुसार अगर ऐसा दोबारा किया जाएगा तो जवाब देने से वो परहेज नहीं करेगा।

ईरान की सरकारी न्यूज एजेंसी आईआरएनए ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र में ईरान के स्थायी मिशन के दूसरे सचिव, अली करीमी मघम ने सोमवार को संयुक्त राष्ट्र की तीसरी समिति के सामने बहरीन के प्रतिनिधि के बयानों का जवाब देते हुए ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि बहरीन घटनाओं से जुड़े हालात को नजरअंदाज करते हुए मानवाधिकारों की बात कर रहा था।

करीमी मघम ने कहा कि बहरीन कभी भी ईरानी हमलों का सीधा शिकार नहीं रहा; हालांकि, उसने ईरान के खिलाफ अमेरिका का साथ देते हुए अपनी जमीन, बेस और हवाई क्षेत्र उपलब्ध कराए थे, जिसके बाद आत्मरक्षा के अधिकार के तहत ईरान ने जवाबी कार्रवाई की। उन्होंने कहा कि जो देश अपने पड़ोसी के खिलाफ जंग के लिए अपनी जमीन देता है, उसे नतीजों के लिए तैयार रहना चाहिए। भविष्य में अगर उसे जवाब दिया जाता है तो हैरान नहीं होना चाहिए।

करीमी मघम ने कहा कि बहरीन पीड़ित नहीं है, क्योंकि उसने ईरान के ख़िलाफ़ अमेरिका के गैर-कानूनी युद्ध के लिए अपनी ज़मीन, बेस और हवाई क्षेत्र उपलब्ध कराए थे। उन्होंने कहा कि जो देश अपने पड़ोसी के ख़िलाफ़ गैर-कानूनी युद्ध के लिए अपनी ज़मीन देता है, वह इसके नतीजों पर हैरानी नहीं जता सकता।

ईरानी प्रतिनिधि ने जोर देकर कहा कि ईरान ने हमला शुरू नहीं किया था, बल्कि उस पर हमला हुआ था।

मध्यप्रदेश: इंदौर में अतिक्रमण-विरोधी अभियान के दौरान पथराव, दो हिरासत में लिए गए

विश्व केसरी■



इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में मंगलवार को सड़क के अधूरे हिस्से के निर्माण के लिए रास्ता साफ करने के मकसद से चलाए गए अतिक्रमण-विरोधी अभियान के दौरान पुलिस और नगर निगम की टीम पर कथित तौर पर पथराव किए जाने के बाद दो लोगों को हिरासत में लिया गया।

यह घटना मंगलवार सुबह 11 बजे हुई, जब इंदौर नगर निगम और जिला प्रशासन की एक टीम, पुलिसकर्मियों और अर्थ-मूविंग मशीनों के साथ बिचोली काकड़, शिव नगर और शिव दर्शन नगर पहुंची ताकि सड़क के रास्ते में आ रहे ढांचों को हटाया जा सके।

अधिकारियों ने बताया कि कुछ लोगों ने इस कार्रवाई का विरोध किया और स्थिति तब तनावपूर्ण हो गई जब कथित तौर पर हटाने वाली टीम और पुलिस पर पत्थर फेंके गए।

पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर करने और व्यवस्था बहाल करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया। दो लोगों को मामूली चोटें आईं और उन्हें इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि घटना के सिलसिले में दो अन्य लोगों को हिरासत में लिया गया।

एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि हटाने की कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध किया और पुलिस तथा नगर निगम की टीम पर पत्थर फेंके गए। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए हल्का बल प्रयोग किया गया और दो लोगों को हिरासत में लिया गया है।

उन्होंने कहा कि स्थिति को नियंत्रण में ले लिया गया है और इलाके में और किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोकने के लिए पुलिस तैनात की गई है।

उन्होंने कहा कि सड़क के रास्ते के सीमांकन और प्रशासनिक आदेशों के अनुसार कार्रवाई की जा रही है। अभियान के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया है।

महाराष्ट्र में सूखे पर राज्य सरकार का फैसला, 19 और तालुकों में होगा फसल सर्वेक्षण

विश्व केसरी■



मुंबई। महाराष्ट्र में कम बारिश के कारण बने सूखे जैसे हालात को देखते हुए राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। सरकार ने प्रभावित इलाकों में पंचनामा और सर्वेक्षण का काम तेज करने के निर्देश दिए हैं। कृषि आयुक्तालय ने 5 अक्टूबर को सभी जिलाधिकारियों को पत्र भेजा है। पत्र में कहा गया है कि जिन 265 तालुकों में ट्रिगर-1 लागू है, वहां 100 प्रतिशत फसल पंचनामा तुरंत पूरा किया जाए।

सरकार के निर्देश के अनुसार इन 265 तालुकों में पंचनामा भौतिक और डिजिटल दोनों तरह से किया जाएगा। संबंधित किसानों के हस्ताक्षर लेने के साथ ही इन पंचनामों को ग्राम पंचायत और पंचायत समिति के स्तर पर सार्वजनिक भी करना होगा।

इसके अलावा ट्रिगर-1 की सूची वाले 265 तालुकों के अलावा 19 अन्य तालुकों में भी सूखे की गंभीरता का आकलन किया जाएगा। इन 19 तालुकों में प्रमुख 5 फसलों का 20 प्रतिशत सर्वेक्षण और जमीनी जांच करने को कहा गया है। इस सर्वेक्षण की रिपोर्ट तैयार कर कृषि आयुक्तालय के माध्यम से मंत्रिमंडल उपसमिति के सामने रखी जाएगी। सरकारी पत्र के साथ जारी परिशिष्ट के अनुसार अतिरिक्त सर्वेक्षण के लिए 8 जिलों के कुल 19 तालुकों को शामिल किया गया है। इनमें नांदेड़, चंद्रपुर, गोंदिया, वर्धा, भंडारा, नासिक, सतारा और सांगली जिले शामिल हैं।

इनमें नांदेड़ जिले के मुदखेड़, मुखेड़ और अर्धापुर, चंद्रपुर के जिवती, ब्रह्मपुरी और बल्लारपुर, गोंदिया जिले के आमगांव, देवरी, सालेकसा और गोंदिया, वर्धा जिले के कारंजा, भंडारा जिले के मोहाड़ी और तुमसर, नासिक जिले के त्र्यंबकेश्वर, चांदवड़ और निफाड, सातारा जिले के पाटण और सांगली जिले के शिराला और वालवा तालुक शामिल हैं।

गाजियाबाद में कपड़ों के शोरूम में लगी भीषण आग, दमकल की चार गाड़ियों ने पाया काबू

विश्व केसरी■



गाजियाबाद। गाजियाबाद के अंबेडकर रोड स्थित यूएस पोलो के शोरूम में मंगलवार दोपहर अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। आग शोरूम की पहली मंजिल पर लगी थी। घटना की सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंची और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पा लिया। आग लगने के दौरान शोरूम की पहली मंजिल पर घना धुआं भर गया था, जिसके बीच दमकल कर्मियों ने अंदर पहुंचकर आग बुझाने की कार्रवाई की।

अग्निशमन विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, मंगलवार 6 अक्टूबर को दोपहर करीब 12:06 बजे फायर स्टेशन कोतवाली को अंबेडकर रोड पर आग लगने की सूचना प्राप्त हुई। बताया गया कि अंबेडकर रोड स्थित प्लॉट नंबर-76 में यूएस पोलो शोरूम में आग लगी है। सूचना मिलते ही अग्निशमन अधिकारी कोतवाली तत्काल चार फायर टेंडर लेकर घटनास्थल के लिए रवाना हुए। इसके साथ ही घटना की जानकारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी को दी गई।

घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्य अग्निशमन अधिकारी भी स्वयं तत्काल घटनास्थल के लिए रवाना हुए। मौके पर पहुंचने के बाद दमकल अधिकारियों ने स्थिति का जायजा लिया।

युद्धपोतों के लिए ब्रह्मोस लॉन्चर व फायर कंट्रोल सिस्टम की डील, 661 करोड़ रुपए होगी लागत

विश्व केसरी■



नई दिल्ली। रक्षा मंत्रालय ने ब्रह्मोस के फायर कंट्रोल सिस्टम व लॉन्चर की खरीद के लिए मंगलवार को एक बड़ा करार किया है। ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड के साथ 661.50 करोड़ रुपए में यह डील की गई है। यह भारतीय नौसेना की समुद्री मारक क्षमता को और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया एक अहम कदम है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता 'भारतीय खरीद, भारतीय रूप से डिजाइन, विकसित और निर्मित' श्रेणी के तहत किया गया है।

रक्षा सचिव राजेश कुमार सिंह की मौजूदगी में इस समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। इस परियोजना के जरिए नौसेना के अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर तैनात ब्रह्मोस प्रणाली को और सक्षम बनाने पर फोकस किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार इस परियोजना की खास बात यह है कि इसमें कम से कम 68 प्रतिशत स्वदेशी सामग्री का इस्तेमाल होगा। इससे देश में रक्षा उपकरणों के निर्माण को बढ़ावा मिलने के साथ-साथ भारतीय उद्योगों की भागीदारी भी बढ़ेगी।

परियोजना में कई सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों के शामिल होने की भी उम्मीद है। रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में यह कदम इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि उन्नत सैन्य तकनीक से जुड़े उपकरणों के निर्माण में घरेलू उद्योगों की भूमिका लगातार बढ़ रही है। मंत्रालय के अनुसार, यह परियोजना अगले तीन वर्षों की अवधि में रोजगार के अवसर भी पैदा करेगी।

गौरतलब है कि ब्रह्मोस प्रणाली भारतीय नौसेना के प्रमुख सतह से सतह पर मार करने वाले प्रक्षेपास्त्र तंत्र के रूप में विभिन्न अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों पर तैनात है।

शेफाली-चरणी 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ' नॉमिनेट, अभिषेक-गिल पुरुषों की श्रेणी में शॉर्टलिस्ट



विश्व केसरी ■

दुबई। विमेंस एशिया कप 2026 और एशियन गेम्स 2026 में शानदार प्रदर्शन के बाद, भारत की शेफाली वर्मा और श्री चरणी के साथ-साथ श्रीलंकाई कप्तान चामरी अट्टापट्टू को सितंबर 2026 के लिए 'आईसीसी विमेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड' के लिए नामित किया गया है। वहीं, व्हाइट-बॉल क्रिकेट में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद, भारतीय बल्लेबाज अभिषेक शर्मा और शुभमन गिल के साथ जिम्बाब्वे के ऑलराउंडर सिकंदर रजा को सितंबर के लिए 'आईसीसी मेंस प्लेयर ऑफ द मंथ अवॉर्ड' के लिए शॉर्टलिस्ट किया गया।

शेफाली के लिए भारत की ओपनिंग बैटिंग लाइन-अप में यह महीना बहुत शानदार रहा। उन्होंने सात टी20 मैचों में 72 की औसत और 184.61 के स्ट्राइक रेट से 360 रन बनाए। 22 वर्षीय खिलाड़ी ने गेंदबाजी में भी योगदान दिया और 13 की औसत से छह विकेट लिए। वह विमेंस एशिया कप में सर्वाधिक रन बनाने वाली खिलाड़ी रहीं और पांच पारियों में 236 रन बनाए।

वहीं, श्री चरणी गेंदबाजी में भारत की सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक बनकर उभरीं। बाएं हाथ की स्पिनर ने सितंबर में सात टी20 मुकाबलों में 18 विकेट चटकाए। श्री चरणी ने भारत के सफल एशिया कप अभियान के दौरान 12 विकेट लिए, जबकि एशियन गेम्स 2026 में 8 शिकार किए।

श्रीलंकाई कप्तान अथापथु ने ऑलराउंड खेल दिखाते हुए महिला एशिया कप के सेमीफाइनल और फिर एशियन गेम्स के फाइनल तक पहुंची। बाएं हाथ की बल्लेबाज ने सात टी20 मुकाबलों में 37.66 के औसत से 226 रन बनाए। इसके अलावा, 6.08 के इकॉनमी रेट से 14 विकेट भी लिए।

पुरुष खिलाड़ियों की बात करें, तो अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मुकाबलों की टी20 सीरीज के दौरान अभिषेक ने 76.33 की औसत से 229 रन बनाए। उन्होंने दिल्ली में खेले गए पहले मैच में 32 गेंदों पर 82 रन बनाकर जबरदस्त वापसी की। अभिषेक ने सिर्फ 22 गेंदों में अर्धशतक पूरा किया। भारत ने 157 रन का लक्ष्य 38 गेंदें बाकी रहते हुए हासिल कर लिया। उन्हें 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

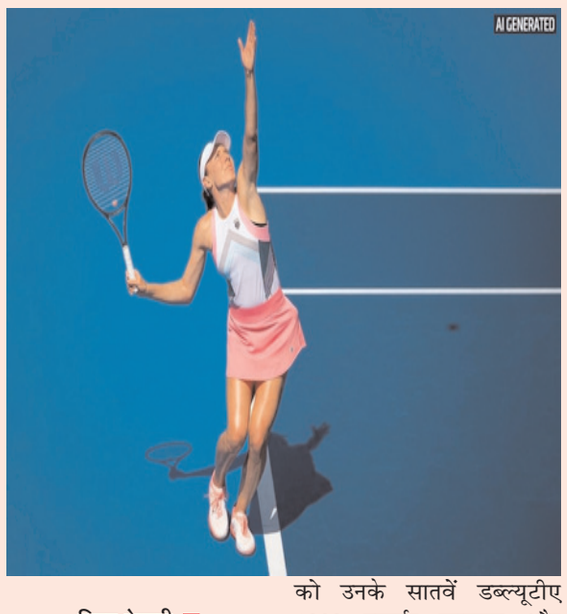
इसके बाद उन्होंने दूसरे टी20 मुकाबले में 19 गेंदों पर 39 रन बनाए और फिर तीसरे मैच में सीरीज की सबसे यादगार पारी खेली। अभिषेक ने सिर्फ 45 गेंदों पर 108 रन बनाए और 30 गेंदों में अपनी सेंचुरी पूरी की, जो किसी 'फुल मेंबर' देश के बल्लेबाज द्वारा सबसे तेज टी20 सेंचुरी थी। शानदार प्रदर्शन के लिए अभिषेक को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया था।

दूसरी तरफ, भारतीय कप्तान शुभमन गिल के लिए सितंबर का महीना शानदार रहा, जिसमें उन्होंने वनडे फॉर्मेट में रिकॉर्डतोड़ पारियां खेलीं। गिल ने तिरुवनंतपुरम में वेस्टइंडीज के विरुद्ध 110 रन की पारी खेली, जबकि गुवाहाटी में नाबाद 223 रन बनाए। दोनों मुकाबले भारत ने जीते और सीरीज 2-1 से अपने नाम की।

वहीं, सिकंदर रजा का नॉमिनेशन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ कई प्रभावशाली प्रदर्शनों के बाद आया है, भले ही जिम्बाब्वे तीन मैचों की वनडे सीरीज हार गया। नंबर 2 वनडे ऑल-राउंडर ने पहले मैच में अहम भूमिका निभाई और जिम्बाब्वे को तब संभाला जब लक्ष्य का पीछा करते हुए टीम के चार विकेट गिर चुके थे।



चाइना ओपनः एलेक्जेंड्रोवा ने नोस्कोवा को हराया, क्वार्टर फाइनल में आंद्रीवा से होगा सामना



विश्व केसरी ■

बीजिंग। चाइना ओपन के 'राउंड ऑफ 16' में मंगलवार को रूस की एकातेरिना एलेक्जेंड्रोवा ने चेक गणराज्य की लिंडा नोस्कोवा को 6-2, 6-2 से मात देकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां उनका मुकाबला मीरा आंद्रीवा से होगा।

एलेक्जेंड्रोवा ने प्री-क्वार्टर फाइनल में लिंडा नोस्कोवा को चौंकाते हुए अपनी एक भी सर्विस नहीं गंवाई। मौजूदा विंबलडन चैंपियन के खिलाफ मुकाबले में उनका दबदबा रहा और 6-2, 6-2 से जीत हासिल की। इस जीत ने रूसी खिलाड़ी को उनके सातवें डब्ल्यूटीए 1000 क्वार्टर फाइनल और टोरंटो के बाद इस सीजन के दूसरे क्वार्टर फाइनल में पहुंचा दिया।

नंबर 19 सीड एलेक्जेंड्रोवा ने टॉप 10 खिलाड़ी के खिलाफ अपने करियर की 22वीं जीत दर्ज की। उन्होंने नंबर 5 सीड को हराकर पहली बार बीजिंग में क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई है।

31 साल की उम्र में एलेक्जेंड्रोवा चाइना ओपन में पहली बार क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं। वह टूर्नामेंट में अंतिम-8 में पहुंचने वाली तीसरी सबसे उम्रदराज खिलाड़ी हैं; उनसे आगे सिर्फ सेरेना विलियम्स और शुआई झांग हैं।

एलेक्जेंड्रोवा से पहले, रूस की आंद्रीवा ने 'राउंड ऑफ 16' में डारिया स्निगुर को इसी तरह 6-2, 6-2 के अंतर से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई, जहां सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए उनका मुकाबला हमवतन खिलाड़ी से होगा।

जीत के बाद आंद्रीवा ने कहा, 'आज मेरी सर्विस अच्छी थी। मैंने अच्छा डिफेंस किया, क्योंकि वह बहुत आक्रामक खिलाड़ी हैं। मुझे लगा कि आज अच्छा डिफेंडर बनना फायदेमंद रहेगा।

आज मैंने ये दोनों काम सबसे अच्छे से किए। 'अगले मुकाबले में आंद्रीवा का सामना एलेक्जेंड्रोवा से होगा, जिनसे दोनों बार हार चुकी हैं। अपनी अगली प्रतिद्वंद्वी के बारे में आंद्रीवा ने मुस्कुराते हुए कहा, 'खैर, एक बात तो पक्की है, मैंने उन्हें अभी तक नहीं हराया है। मैं कोंचिता के साथ पूरी कोशिश करूंगी कि देखूं कि उनके खिलाफ कैसा खेलती हूं? क्या बदलना है? और कुछ नया आजमाऊं जिसे मैं मैच में इस्तेमाल कर सकूं? यकीनन यह एक शानदार और मजेदार मैच होगा। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनके खिलाफ अपनी पहली जीत हासिल करने को लेकर मैं काफी उत्साहित हूं।

जिम्बाब्वे के खिलाफ शानदार प्रदर्शन, करियर की बेस्ट आईसीसी रैंकिंग पर पहुंचीं हेली मैथ्यूज



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन मुकाबलों की वनडे सीरीज में शानदार प्रदर्शन के बाद वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज ने करियर की बेस्ट रैंकिंग हासिल की है। 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुनी गईं मैथ्यूज ने विमेंस चैंपियनशिप के तीन मुकाबलों में कुल 326 रन बनाए। मैथ्यूज के प्रदर्शन ने उन्हें वनडे बैटिंग और ऑलराउंडर रैंकिंग, दोनों में करियर की बेस्ट रेटिंग तक पहुंचने में मदद की है।

28 वर्षीय मैथ्यूज 731 रेटिंग प्वाइंट्स के साथ वनडे बैटिंग रैंकिंग में चौथे स्थान पर पहुंच गई हैं, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत की स्मृति मंधाना 790 प्वाइंट्स के साथ सूची में सबसे आगे हैं, उनके बाद साउथ अफ्रीकी कप्तान लौरा वोल्वार्ड्ट (782) और ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी (744) हैं।

मैथ्यूज वनडे ऑलराउंडर रैंकिंग में भी 467 प्वाइंट्स की नई करियर-बेस्ट रेटिंग तक पहुंच गई हैं। वह ऑस्ट्रेलिया की ऐश गार्डनर से पीछे दूसरे स्थान पर हैं, जो 497 प्वाइंट्स के साथ सूची में शीर्ष पर हैं।

मैथ्यूज शीर्ष रैंकिंग वाली खिलाड़ी से सिर्फ 30 प्वाइंट्स पीछे हैं। वेस्टइंडीज की कप्तान पूरी वनडे सीरीज के दौरान शानदार फॉर्म में थीं। उनका सबसे बड़ा योगदान हरारे में खेले गए पहले मैच में रहा, जहां उन्होंने करियर का सर्वश्रेष्ठ 182 रन का स्कोर बनाया।

फ्रांस ने बेल्जियम को 4-1 से हराया, ग्रुप में टॉप पर पहुंची

विश्व केसरी ■

पेरिस। जिनेदिन जिदान की फ्रांस ने अपने मैराथन इंटरनेशनल ब्रेक का अंत स्टेड डी फ्रांस में बेल्जियम के खिलाफ 4-1 की जीत के साथ किया। जीत के साथ नेशंस लीग ग्रुप में टॉप पर पहुंच गई।

फ्रांस ने दूसरे हाफ के 14 मिनट में चार गोल किए और मुकाबले में एक गोल से पिछड़ने के बाद भी 4-1 से बड़ी जीत की। बेल्जियम के लिए डोडी ल्यूकेबाकियो ने पहला गोल करके टीम को बढ़त दिलाई थी।

ब्रेक के बाद जिदान ने अपनी स्टार खिलाड़ियों वाली बेंच का इस्तेमाल किया और अपनी टीम को टॉप गियर में देखा, जब डिजायर डू और रेयान चेर्की ने तेजी से दो गोल करके मैच का रुख बदल दिया। माइकल ओलिस ने फिर देर से दो और गोल किए, जिससे फ्रांस ने ग्रुप ए1 में अपना बिना हारे रहने का रिकॉर्ड बनाए रखा।

35वें मिनट में अपने ही हाफ में मिडफील्ड में अकेले, रोमियो लाविया ने डोडी ल्यूकेबाकियो को एक थ्रू बॉल दी। फ्रेंच डिफेंस हैरान रह गया, और बेल्जियम के विंगर ने गिलौम रेस्टेस के साथ वन-ऑन-वन ?मुकाबला किया, जिसने फ्रेंच गोलकीपर के नेट के



ऊपरी दाएं कोने में बॉल भेजकर जीत हासिल की।

77वें मिनट में, लुकास दा कुन्हा ने सेंटर में डू को पास दिया। पेरिस के इस खिलाड़ी ने मुड़कर अपने बाएं पैर पर खड़े होकर एक नीचा, एंगल्ड शॉट मारा और साइड नेटिंग में गेंद डाल दी, जबकि उनके सामने बेल्जियम के कई खिलाड़ी थे, जिससे स्कोर 1-1 हो गया।

इसके बाद माइकल ओलिस ने जोकिन सेयस को पीछे छोड़ते हुए अंदर की ओर कट किया, पेनल्टी एरिया में घुसे, और रेयान चेर्की के लिए लो बैक क्रॉस किया, जिन्होंने अपने बाएं पैर से गोल किया। बेल्जियम के गोलकीपर को गेंद मिली, लेकिन वह बॉल को गोल पोस्ट में जाने से नहीं रोक सके, जिससे फ्रांस ने 2-1 की बढ़त बना ली।

इसके बाद ओलिस ने डू के दो असिस्ट से तेजी से दो गोल (88वें मिनट और 90+1 मिनट) करके स्टेड डी फ्रांस में जोश भर दिया। चौदह मिनट में, तीन सब्स्टीट्यूट खिलाड़ियों ने बेल्जियम को मुश्किल में डाल दिया।

फ्रांस का अगला मैच नवंबर में है। 12 नवंबर को फ्रांस का मुकाबला इटली के खिलाफ है। इसके बाद टीम 15 नवंबर को तुर्किए के खिलाफ खेलेगी।

सौरव गांगुली आईपीएल फ्रेंचाइजी 'दिल्ली कैपिटल्स' के हेड कोच नियुक्त

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) फ्रेंचाइजी दिल्ली कैपिटल्स (डीसी) का हेड कोच नियुक्त किया गया है। यह डीसी के साथ गांगुली का पहला औपचारिक कोचिंग रोल होगा।

सौरव गांगुली साल 2019 से ही कैपिटल्स के साथ जुड़े हुए हैं, जब वह एक सलाहकार के तौर पर संगठन से जुड़े थे। इसके बाद उन्होंने फ्रेंचाइजी में कई सीनियर रोल निभाए, जिसमें पुरुष और महिला दोनों टीमों के लिए 'डायरेक्टर ऑफ क्रिकेट' का पद भी शामिल है। 54 वर्षीय गांगुली अब डगआउट में नजर आएंगे।

सौरव गांगुली की नियुक्ति उस रिश्ते में एक और अध्याय जोड़ती है जो सात साल पहले शुरू हुआ था। कैपिटल्स के साथ अपने कार्यकाल के दौरान, उन्होंने पुरुषों और महिलाओं दोनों टीमों के साथ काम किया है और फ्रेंचाइजी के क्रिकेटिंग ढांचे को आकार देने में शामिल रहे हैं। गांगुली ने कहा कि फ्रेंचाइजी और वहां के लोगों के साथ उनकी जान-पहचान की वजह से यह नियुक्ति खास है। उन्होंने कहा, 'मैं आईपीएल में हेड कोच की भूमिका निभाने के लिए उत्साहित हूं। दिल्ली कैपिटल्स मेरे दिल के बहुत करीब है और सालों से मेरा इसके साथ गहरा रिश्ता रहा है। मैंने मालिकों, मैनेजमेंट, सपोर्ट स्टाफ और खिलाड़ियों के साथ मिलकर काम किया है, जिससे यह मेरे लिए एक रोमांचक जिम्मेदारी बन गई है। हमारे पास एक प्रतिभाशाली समूह है और हमने हाल के समय में अच्छा क्रिकेट खेला है। मैं टीम के साथ काम करने, नए सीजन और एक मजबूत और निडर टीम बनाने के लिए उत्सुक हूं।

दिल्ली कैपिटल्स के चेयरमैन और को-ओनर पार्थ जिंदल ने गांगुली की नियुक्ति का स्वागत किया और फ्रेंचाइजी के साथ उनके लंबे समय से चले आ रहे जुड़ाव और उनकी लीडरशिप क्षमताओं पर जोर देते हुए कहा, 'दादा हमेशा से दिल्ली कैपिटल्स परिवार का अहम हिस्सा रहे हैं। मुझे यह घोषणा करते हुए बहुत गर्व और सम्मान महसूस हो रहा है कि भारत के सबसे महान कप्तानों और प्रशासकों में से एक, अब दिल्ली कैपिटल्स के हेड कोच के तौर पर कोचिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं।

नेशंस लीगः इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया, क्वार्टर फाइनल की रेस में शामिल

विश्व केसरी ■

बोलोग्ना। रॉबर्टो मैनसिनी ने इटली के मैनेजर के तौर पर लौटने के बाद घरेलू मैदान पर पहली जीत हासिल की। इटली ने तुर्किये को 3-1 से हराया। इस जीत के साथ इटली नेशंस लीग ग्रुप ए1 में दूसरे स्थान पर पहुंच गया।

जियानलुका स्कामाका के पहले गोल ने इंटरवल में अंतर पैदा किया, लेकिन अराल शिमसिर ने रीस्टार्ट के बाद तुर्किये को बराबरी पर ला दिया। हालांकि, बराबरी ज्यादा देर तक नहीं रही, क्योंकि रिकार्डो कैलाफियोरी ने बेंच से आकर अपनी टीम को फिर से आगे कर दिया, इससे पहले पियो एस्पोसिटो ने आखिरी स्टेज में जीत पक्की कर दी।

कई बार बाहर रहने के बावजूद, तुर्किये के खिलाफ 3-1 की जीत से यह पक्का हो गया है कि इटली को यूरोपियन चैंपियनशिप क्वालीफाइंग ड्रॉ में सीड मिलेगी,



और सबसे बढ़कर, नेशंस लीग क्वार्टर फाइनल की दौड़ में बने रहने की कोशिश करेगी।

इटली के लिए स्कैमाका ने तीन साल बाद गोल किया था। पहले हाफ में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाने के बाद इटली ने सिमसिर के बराबरी के गोल के बाद जोरदार जवाब दिया, जिसकी वजह से रिकार्डो कैलाफियोरी और हमेशा की तरह पियो एस्पोसिटो के गोल हुए।

स्कैमाका का शॉट निशाने से हटने के बाद, पहला बचाव डोनारुम्मा ने किया, जो कबाक के लंबी दूरी के शॉट को कॉर्नर में डिफ्लेक्ट करने के लिए आगे बढ़ा और फिर अकगुन के हेडर को ब्लॉक कर दिया, जिसे डिफेंस ने गंवा दिया।

इटली ने पहले हाफ में अपना पहला और एकमात्र असली मौका तब बनाया जब डि लोरेंजो का क्रॉस स्कैमाका के हेडर पर गिरा, जो सेलिक की पीठ पर लगा। अटलांटा के स्ट्राइकर ने जल्दी से कबाक को पीछे छोड़ा और दाहिने पैर से एक जोरदार स्ट्राइक किया जो क्रॉसबार के नीचे से निकल गया।

डि लोरेंजो और डोनारुम्मा के बीच हुई गलतफहमी इटली को भारी पड़ सकती थी, लेकिन सिमसिर ने इसका फायदा नहीं उठाया। तुर्की के स्ट्राइकर ने एक बार फिर बॉल अपने सिर पर रखकर स्कोर 1-1 कर दिया, और मैनसिनी ने गोल से बस कुछ फीट की दूरी से इसे क्लियर करके अच्छा काम किया।

इसके बाद कैलाफियोरी ने बरेला की फ्री किक पर एक जबरदस्त छलांग लगाकर इटली को फिर से आगे कर दिया। हमेशा की तरह गिगियो डोनारुम्मा ने ओजकान के लॉन्ग-रेंज स्ट्राइक पर छलांग लगाई, फिर सब्सटीट्यूट अकटुरकोग्लू को स्कोर 2-2 करने का मौका देने के लिए दौड़े, लेकिन उन्होंने इसे गंवा दिया। इसके बाद एस्पोसिटो ने आखिरी समय में कमान संभाली, रोमानो के क्रॉस को नेट में डिफ्लेक्ट करते हुए, इटली के लिए तेरह मैचों में अपना सातवां गोल किया।

डब्ल्यूटीए टूरः गॉफ ने सन को हराया, झेंग किनवेन 'चाइना ओपन' के 'अंतिम 16' में पहुंचीं

विश्व केसरी ■

बीजिंग। अमेरिकी खिलाड़ी कोको गॉफ ने 16 वर्षीय चीनी खिलाड़ी सन जिनरान को 7-5, 6-1 से शिकस्त देकर चाइना ओपन डब्ल्यूटीए टूर इवेंट में लगातार चौथे साल 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। दो बार की ग्रैंड स्लैम विजेता ने शानदार खेल दिखाते हुए आखिरी 10 में से 9 गेम अपने नाम किए।

गॉफ ने डब्ल्यूटीए टूर लेवल पर अपने से कम उम्र की खिलाड़ियों के खिलाफ खेले गए 28 मुकाबलों में से 24 जीते हैं। इस दौरान किसी टीनएजर के खिलाफ उन्हें एकमात्र हार 2025 में मॉन्ट्रियल में विक्टोरिया मबोको से मिली थी, जो बाद में चैंपियन बनीं।

मुकाबले के बाद गॉफ ने युवा चीनी खिलाड़ी को सराहा। मैच के बाद इंटरव्यू में गॉफ ने कहा, 'मुझे लगता है कि 16 साल की उम्र में मैं जितनी परिपक्व थी, वह उससे कहीं ज्यादा परिपक्व हैं। मुझे लगता है कि मैं उससे थोड़ी ज्यादा परेशान हो गई थी, लेकिन वह एक शानदार खिलाड़ी है। मुझे पता था कि यह



मैच मुश्किल होने वाला है। उनका जूनियर करियर बहुत शानदार रहा है। जाहिर है कि वह इस स्तर पर भी बहुत अच्छा करेगी।'

वहीं, सोमवार को चीन की स्टार झेंग किनवेन ने चेक गणराज्य की 18वीं सीड मैरी बाउजकोवा को 7-6 (3), 4-6, 7-5 से हराकर महिला सिंगल्स के 'राउंड ऑफ 16' में जगह बनाई। झेंग ने मैच का पहला ब्रेक हासिल किया, लेकिन बाउजकोवा ने छठे गेम में ब्रेक प्वाइंट्स जीतकर वापसी की। सेट टाई-ब्रेक तक गया, जहां झेंग ने 7-3 से जीत हासिल की।

बाउजकोवा ने दूसरे सेट में मजबूत शुरुआत की और 3-0 की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने झेंग की वापसी की कोशिशों को नाकाम किया और मैच को निर्णायक सेट तक पहुंचाया। आखिरी सेट में ज्यादातर समय दोनों खिलाड़ियों ने अपनी-अपनी सर्विस बचाए रखीं, लेकिन आखिर में झेंग ने अपना दूसरा मैच प्वाइंट जीतकर जीत पक्की कर ली। अगले राउंड में झेंग का सामना आर्मेनिया की अलीना चाराएवा से होगा।

विश्व बैंक ने बढ़ाया भारत की विकास दर का अनुमान, वित्त वर्ष 2027 में 7.1 प्रतिशत ग्रोथ की उम्मीद



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। विश्व बैंक (वर्ल्ड बैंक) ने भारत की आर्थिक मजबूती पर भरोसा जताते हुए वित्त वर्ष 2026-27 के लिए देश की विकास दर का अनुमान बढ़ा दिया है। अपनी ताजा साउथ एशिया इकोनॉमिक अपडेट रिपोर्ट में विश्व बैंक ने भारत की जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 6.6 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.1 प्रतिशत कर दिया है।

विश्व बैंक के अनुसार, भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत घरेलू मांग, औद्योगिक गतिविधियों में विस्तार और सेवा क्षेत्र की निरंतर मजबूती से समर्थन मिल रहा है। रिपोर्ट में कहा गया है कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद भारत की विकास गति मजबूत बनी हुई है।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की दीर्घकालिक विकास संभावनाओं को पिछले वर्षों में लागू किए गए कई महत्वपूर्ण संरचनात्मक सुधारों से मजबूती मिली है। इनमें श्रम संहिताओं (लेबर कोड्स) का एकीकरण, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) सुधार, टैरिफ युक्तिकरण, दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) और भौतिक एवं डिजिटल अवसंरचना में बड़े निवेश शामिल हैं।

विश्व बैंक ने कहा कि कृषि क्षेत्र में कुछ चुनौतियों के बावजूद व्यापक अर्थव्यवस्था में मौजूद मजबूती भारत को मौजूदा वित्त वर्ष में मजबूत विकास दर बनाए रखने में मदद करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, घरेलू मांग आर्थिक गतिविधियों का प्रमुख आधार बनी हुई है और यही भारत की अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत है।

हालांकि, विश्व बैंक ने कुछ जोखिमों की ओर भी ध्यान दिलाया है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ऊंची ऊर्जा कीमतें और एल नीनो से जुड़े प्रतिकूल मौसमीय प्रभाव आने वाले महीनों में आर्थिक वृद्धि और महंगाई प्रबंधन के लिए चुनौती बन सकते हैं।

दक्षिण एशिया के परिदृश्य पर नजर डालें तो विश्व बैंक ने वर्ष 2026 के लिए क्षेत्र की विकास दर का अनुमान भी बढ़ाकर 6.9 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 6.3 प्रतिशत था। रिपोर्ट के अनुसार, इस सुधार का सबसे बड़ा कारण भारत की अपेक्षा से बेहतर आर्थिक प्रदर्शन है।

दिलचस्प बात यह है कि भारत को छोड़कर दक्षिण एशिया के बाकी देशों की विकास दर का अनुमान 4.1 प्रतिशत से घटाकर 3.6 प्रतिशत कर दिया गया है। इसका मुख्य कारण बांग्लादेश की विकास दर के अनुमान में की गई बड़ी कटौती है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि दक्षिण एशिया के सामने वैश्विक स्तर पर कई चुनौतियां मौजूद हैं। क्षेत्र कच्चे तेल का बड़ा आयातक है, इसलिए ऊंची ऊर्जा कीमतों का सीधा असर महंगाई और आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है।

इसके अलावा, अल नीनो के कारण कृषि क्षेत्र पर दबाव बढ़ सकता है, जो दक्षिण एशिया की बड़ी आबादी के लिए आजीविका का प्रमुख स्रोत है।

भारत में डेटा सेंटर्स का तेजी से विस्तार बढ़ा रहा बिजली, साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढांचे से जुड़े जोखिमः रिपोर्ट



विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), क्लाउड कंप्यूटिंग और डिजिटल सेवाओं की बढ़ती मांग के कारण डेटा सेंटर उद्योग तेजी से विस्तार कर रहा है। हालांकि, इस क्षेत्र में बिजली की उपलब्धता, साइबर सुरक्षा और बुनियादी ढांचे की मजबूती से जुड़े जोखिम भी बढ़ रहे हैं। यह जानकारी मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में दी गई।

बीमा ब्रोकर कंपनी एऑन की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में स्थापित डेटा सेंटर क्षमता 2030 तक चार गुना से अधिक बढ़ सकती है। नई क्षमता के लिए कई परियोजनाओं पर पहले से ही काम चल रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि बिजली की उपलब्धता अब यह तय करने में एक प्रमुख कारक बनती जा रही है कि नए डेटा सेंटर कहां स्थापित किए जा सकते हैं और परियोजनाएं कितनी तेजी से शुरू हो सकती हैं।

एआई से जुड़े बढ़ते वर्कलोड के कारण ऊर्जा की खपत बढ़ रही है और बिजली के बुनियादी ढांचे पर दबाव भी बढ़ रहा है। एऑन के भारत में कमर्शियल रिस्क सॉल्यूशंस के मैनेजिंग डायरेक्टर और प्रमुख सुशांत सरिन ने कहा कि ग्रिड से जुड़ी बाधाओं और कनेक्शन में होने वाली देरी से निपटने के लिए डेवलपर्स ऑन-साइट बिजली उत्पादन, बैटरी स्टोरेज और हाइब्रिड ऊर्जा प्रणालियों जैसे वैकल्पिक ऊर्जा समाधानों पर तेजी से विचार कर रहे हैं। सरिन ने कहा कि इन उपायों से डेटा सेंटर की मजबूती और आपूर्ति की निरंतरता बेहतर हो सकती है, लेकिन इनके साथ परिचालन, रखरखाव और आग से जुड़े जोखिम भी पैदा होते हैं।

कंपनी ने ऐसे शोध का हवाला दिया, जिसके अनुसार दुनियाभर में डेटा सेंटर की बिजली मांग 2030 तक 165 प्रतिशत बढ़ सकती है।

एऑन ने यह भी कहा कि एआई के नेतृत्व में हो रही वृद्धि डेटा सेंटर के भौतिक जोखिमों की प्रकृति को बदल रही है। इससे बिजली की अधिक क्षमता और कूलिंग की जरूरत बढ़ रही है। खासकर पानी की कमी वाले क्षेत्रों में पानी की उपलब्धता एक बड़ी चिंता बनती जा रही है, जिससे डेटा सेंटर के लिए स्थान का चयन और अधिक जटिल हो गया है। भौतिक जोखिमों के साथ-साथ साइबर खतरे भी डेटा सेंटर के संचालन से अधिक मजबूती से जुड़ते जा रहे हैं।

इसके अलावा, आधुनिक डेटा सेंटर आपस में जुड़े कंट्रोल सिस्टम, डिजिटल मॉनिटरिंग टूल्स और थर्ड-पार्टी वेंडर्स पर निर्भर करते हैं। ऐसे में साइबर हमलों से संचालन बाधित हो सकता है, संपत्तियों को नुकसान पहुंच सकता है और लंबे समय तक कारोबारी गतिविधियां प्रभावित हो सकती हैं। एऑन ने कहा कि बीमा कंपनियां डेटा सेंटर के जोखिमों का आकलन करने के लिए तेजी से लाइफसाइकिल आधारित दृष्टिकोण अपना रही हैं। इसमें डिजाइन और निर्माण से लेकर बिजली की मजबूती, साइबर जोखिम और लंबे समय तक संचालन तक सभी पहलुओं का मूल्यांकन किया जा रहा है।

शरीर को डिटॉक्स और रीढ़ को लचीला बनाता है अर्ध मत्स्येन्द्रासन, जानें लाभ

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। आधुनिक जीवनशैली और घंटों एक ही जगह बैठकर काम करने की आदत हमारे शरीर को नुकसान पहुंचाता है। योग के कई आसनों में से अर्ध मत्स्येंद्रासन एक ऐसा आसन है, जो हमारे पूरे शरीर के लिए बहुत फायदेमंद है। यह आसन रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, पेट के अंगों को सही तरीके से काम करने में मदद करता है।

अर्ध मत्स्येंद्रासन, हठयोग का एक प्रमुख और महत्वपूर्ण आसन है, जिसे महान योगी और हठयोग के प्रवर्तकों में से एक, महर्षि मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया।

संस्कृत में 'अर्ध' का अर्थ आधा, 'मत्स्य' का अर्थ मछली और 'इंद्र' का अर्थ राजा होता है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, इस आसन के नियमित अभ्यास से शरीर की सुप्त ऊर्जा जागृत होती है और रीढ़ का स्वास्थ्य उत्तम बना रहता है। यह आसन केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि आंतरिक संतुलन प्राप्त करने की एक वैज्ञानिक विधि है।

यह एक प्रमुख 'ट्विस्टिंग' (मोड़ने वाला) योगासन है, जो न केवल शरीर की जकड़न को दूर करता है बल्कि आंतरिक अंगों की मालिश कर शरीर को डिटॉक्स (विषमुक्त) करने में भी मदद करता है। आइए, इस प्राचीन और लाभकारी आसन के महत्व, सही तकनीक और स्वास्थ्य लाभों को विस्तार से समझें।

हठयोग प्रदीपिका में मूल रूप से मत्स्येंद्रासन (पूर्ण मत्स्येंद्रासन) का वर्णन मिलता है। आधुनिक योग अभ्यास में इसी आसन को सरल और सुलभ बनाने के लिए इसके आधे रूप यानी अर्ध मत्स्येंद्रासन का विकास किया गया। इस आसन का नाम नाथ संप्रदाय के महान योगी मत्स्येंद्रनाथ के नाम पर रखा गया है। अर्ध मत्स्येंद्रासन करने का तरीका भी ज्यादा कठिन नहीं होता और नियमित अभ्यास करने पर इसके परिणाम साफ नजर आने लगते हैं।

किसी भी उम्र में हो सकता है मेनिनजाइटिस, जानें इसके लक्षण, कारण और बचाव के तरीके

विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। मेनिनजाइटिस दिमाग और रीढ़ की हड्डी को ढकने वाली झिल्लियों में होने वाला संक्रमण या सूजन है। यह बीमारी किसी भी उम्र के व्यक्ति को प्रभावित कर सकती है और कुछ मामलों में तेजी से गंभीर रूप ले सकती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के मुताबिक, बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस खास तौर पर गंभीर चिंता का विषय है।

मेनिनजाइटिस कई कारणों से हो सकता है। इसके लिए बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और कुछ परजीवी जिम्मेदार हो सकते हैं। बैक्टीरियल मेनिनजाइटिस के प्रमुख कारणों में मेनिंगोकोकल, न्यूमोकोकस, हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा और ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस शामिल हैं। किस उम्र में किस रोगजनक का खतरा अधिक है, यह व्यक्ति की उम्र, प्रतिरक्षा क्षमता और संक्रमण के संपर्क जैसे कई कारकों पर निर्भर करता है। नवजात शिशुओं में ग्रुप बी स्ट्रेप्टोकोकस का खतरा अधिक हो सकता है, जबकि बच्चों और किशोरों में मेनिंगोकोकल, न्यूमोकोकस और हीमोफिलस इन्फ्लुएंजा महत्वपूर्ण कारण हैं।

इस बीमारी के लक्षणों को पहचानना बेहद जरूरी है। डब्ल्यूएचओ के अनुसार, सामान्य लक्षणों में तेज बुखार, सिरदर्द, गर्दन में अकड़न, उल्टी, रोशनी के प्रति संवेदनशीलता और भ्रम या मानसिक स्थिति में बदलाव शामिल हो सकते हैं। कुछ गंभीर मामलों में दौरे पड़ना, बेहोशी या हाथ-पैर में कमजोरी जैसे लक्षण भी दिखाई दे सकते हैं। हालांकि हर मरीज में सभी लक्षण एक साथ नजर आएं, यह जरूरी नहीं है।

शिशुओं में मेनिनजाइटिस के लक्षण थोड़े अलग हो सकते हैं। बच्चा सामान्य से कम सक्रिय हो सकता है, उसे जगाना मुश्किल हो सकता है, वह लगातार चिड़चिड़ा रह सकता है, ठीक से दूध नहीं पी सकता या लगातार कमजोर आवाज में रो सकता है।

योगाभ्यास की शुरुआत प्रार्थना से करना क्यों है जरूरी, आयुष मंत्रालय ने बताया महत्व

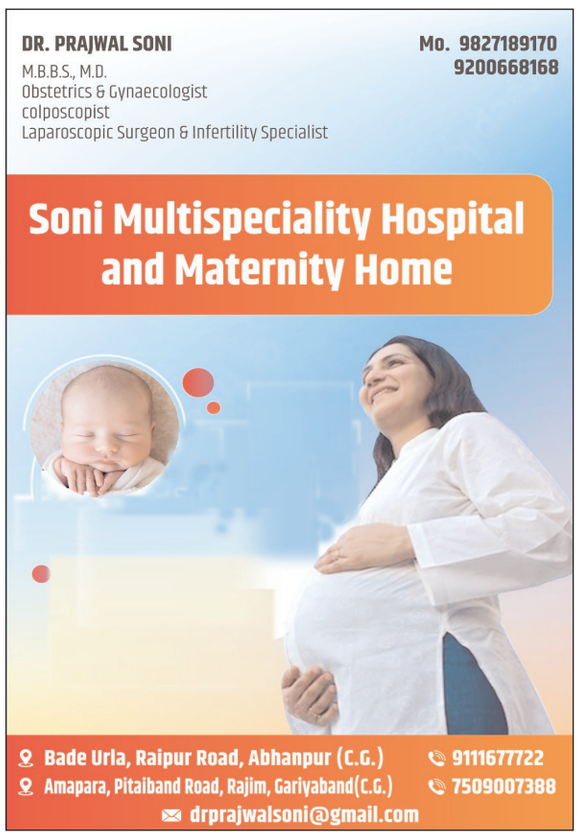
विश्व केसरी ■



नई दिल्ली। योगाभ्यास को केवल शारीरिक कसरत तक सीमित नहीं माना जा सकता। यह शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन स्थापित करने की एक संपूर्ण प्रक्रिया है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, योग का वास्तविक लाभ तभी मिलता है जब इसकी शुरुआत सही मानसिक अवस्था और सकारात्मक सोच के साथ की जाए। इसी कारण योग की शुरुआत प्रार्थना के साथ करना बेहद महत्वपूर्ण माना गया है।

मंत्रालय का कहना है कि प्रार्थना मन को शांत करने का सबसे सरल और प्रभावी माध्यम है। जब हम प्रार्थना करते हैं तो हमारे बिखरे हुए विचार एक जगह केंद्रित होते हैं। इससे मन की चंचलता कम होती है और हम वर्तमान क्षण में लौट आते हैं। प्रार्थना के दौरान ली गई गहरी सांसें शरीर को योगाभ्यास के लिए तैयार करती हैं।

योग 365 अभियान के तहत भी लोगों को यही संदेश दिया जा रहा है कि अपनी योग मैट बिछाएं, प्रार्थना से दिन की शुरुआत करें और पूरे ध्यान और कृतज्ञता के भाव के साथ अपना अभ्यास शुरू करें। योग 365 का उद्देश्य योग को सिर्फ एक दिन तक सीमित न रखकर इसे पूरे वर्ष की दिनचर्या का हिस्सा बनाना है। विशेषज्ञों के अनुसार प्रार्थना से शुरू किया गया योग अधिक ध्यानपूर्ण होता है। जब हम अभ्यास से पहले कुछ क्षण रुकते हैं, गहरी सांस लेते हैं और मन में एक अच्छा और सकारात्मक इरादा तय करते हैं, तो हमारा शरीर और मन दोनों ही अभ्यास के लिए तैयार हो जाते हैं। यह छोटा सा ठहराव हमें दिनभर की भागदौड़ से निकालकर योग के प्रति समर्पित होने में मदद करता है। आयुष मंत्रालय ने लोगों से अपील की है कि वे योग को जल्दबाजी में न करें। पहले प्रार्थना करें, मन को शांत करें, एक सकारात्मक संकल्प लें और फिर धीरे-धीरे योगाभ्यास में शुरू करें। प्रार्थना के साथ की गई यह शुरुआत ही ध्यानपूर्ण योग के लिए सही माहौल बनाती है और पूरे अभ्यास को अधिक फलदायी और सार्थक बना देती है।











पंजाब में पराली जलाने पर दिल्ली सीएम ने केजरीवाल को घेरा, वादाखिलाफी का लगाया आरोप

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल पर पंजाब के किसानों के साथ विश्वासघात करने का आरोप लगाया है। उन्होंने उत्तर भारत में सर्दियों के दौरान वायु प्रदूषण बढ़ाने वाली पराली जलाने की समस्या का कोई समाधान न देने के लिए भी केजरीवाल को जिम्मेदार ठहराया।

दिल्ली की मुख्यमंत्री ने अपने आधिकारिक फेसबुक अकाउंट पर पंजाब के तरनतारन में पराली जलाने का एक वीडियो साझा किया और केजरीवाल को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में वायु प्रदूषण बढ़ाने वाली इस समस्या के समाधान के अपने वादे की याद दिलाई।

उन्होंने केजरीवाल पर केंद्र द्वारा संसाधन उपलब्ध कराए जाने के बावजूद पंजाब के किसानों के साथ सामूहिक समाधान खोजने की इच्छाशक्ति और संकल्प की कमी का आरोप लगाया।



मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को अपने संदेश में कहा कि अरविंद केजरीवाल ने कहा था, मुझे एक साल का समय दीजिए, मैं पंजाब में पराली जलाने पर रोक लगा दूंगा। कई साल बीत गए। किसान मदद का इंतजार करते रहे, और 'आप' की सरकार ने उन्हें पराली जलाने की मजबूरी से मुक्त करने के बजाय, उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया।

उन्होंने आगे कहा कि तरनतारन में पराली जलाना फिर से शुरू हो गया है। केंद्र सरकार ने धनराशि दी, मशीनें दीं, सब्सिडी की पेशकश की, फिर भी भगवंत मान जी और केजरीवाल जी की 'आप' की सरकार जमीनी स्तर पर व्यवस्था करने में भी नाकाम रही।

सीएम रेखा गुप्ता ने पूछा कि संसाधन पूरी तरह उपलब्ध कराए गए, लेकिन इरादा, दृढ़ संकल्प और जवाबदेही, तीनों ही विफल रहे। दिल्ली की जनता ने अरविंद केजरीवाल को नकार दिया है। क्या अब वे अपनी इस करारी हार का गुस्सा दिल्ली की जनता पर निकाल रहे हैं?

एनसीआर में वायु प्रदूषण कम करने के प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री ने कहा कि हम दिल्ली की हवा को साफ करने के लिए जमीनी स्तर पर नए समाधान लागू करने के लिए दिन-रात काम कर रहे हैं। वहीं, पंजाब में पराली जलाने से लगी आग ने 'आप' की सरकार का असली चेहरा उजागर कर दिया है। न कोई तैयारी, न कोई समाधान। सिर्फ झूठे वादे और किसानों के साथ धोखा।

इससे पहले, एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने पंजाब के 18 जिलों में पराली जलाने की निगरानी के लिए हवाई दस्ते तैनात किए हैं, एक बयान में यह जानकारी दी गई।

इसमें आगे कहा गया है कि 1 अक्टूबर से 30 नवंबर तक की तैनाती को क्रमिक चरणों में संरचित किया गया है, जिसमें 2026 के धान की कटाई के मौसम के दौरान निरंतर जमीनी स्तर की निगरानी सुनिश्चित करने के लिए अलग-अलग तैनाती अवधियों के लिए संबंधित जिलों को फ्लाइंग स्क्वाड सौंपे गए हैं।

संस्कृत भारत की भाषाओं को जोड़ने वाला 'सुनहरा धागा' : उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने मंगलवार को नई दिल्ली के कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया में लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के द्वितीय दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने इस अवसर पर स्नातक छात्रों, उनके अभिभावकों, संकाय सदस्यों और विश्वविद्यालय समुदाय को बधाई दी।

उन्होंने उपस्थित लोगों को 'नशीली दवाओं के बहिष्कार' की शपथ दिलाई और मेधावी छात्रों को स्वर्ण पदक प्रदान किए।

सीपी राधाकृष्णन ने कहा कि अब समय आ गया है कि यह संस्थान संस्कृत अध्ययन के लिए एक अग्रणी अंतरराष्ट्रीय उत्कृष्टता केंद्र के रूप में अपनी पहचान स्थापित करे और इसके संस्थापक, पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री के दृष्टिकोण को साकार करे। शास्त्री जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उन्होंने कहा कि उनका अमर नारा 'जय जवान, जय किसान' मात्र एक नारा नहीं था, बल्कि भारत के अपनी सीमाओं की रक्षा करने और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के संकल्प को दर्शाता था।



उपराष्ट्रपति ने एनएएसी की सर्वोच्च ग्रेड (ए++) प्राप्त करने और भारतीय ज्ञान परंपरा के विविध क्षेत्रों में अनुसंधान करने के लिए विश्वविद्यालय की सराहना की। उन्होंने कहा कि यद्यपि प्रत्येक भारतीय भाषा ने राष्ट्र को समृद्ध किया है, संस्कृत भारत की अनेक भाषाओं के मोतियों को एक भव्य माला में पिरोने वाला 'सुनहरा धागा' है। उन्होंने सुभाषितों के माध्यम से परिसर में संस्कृत को जीवित रखने के विश्वविद्यालय के प्रयासों, विद्यापीठ पंचांग के प्रकाशन की 44 साल पुरानी परंपरा और प्राकृत एवं वास्तु शास्त्र सहित शास्त्रीय विषयों के शिक्षण की भी प्रशंसा की।

सीपी राधाकृष्णन ने इस बात पर जोर दिया कि भारत का विकास उसकी सभ्यतागत विरासत से जुड़ा रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में कई पहलों ने संस्कृत के पुनरुत्थान और भारतीय ज्ञान प्रणाली के संवर्धन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार किया है। उन्होंने 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020' और अष्टदशी योजना का जिक्र करते हुए कहा कि दुर्लभ संस्कृत ग्रंथों को लुप्त नहीं होने देना चाहिए, बल्कि उनका संरक्षण, अध्ययन और भावी पीढ़ियों के लिए सुलभ बनाना चाहिए।

उपराष्ट्रपति ने भारत की पांडुलिपि विरासत के साथ विद्वतापूर्ण जुड़ाव बढ़ाने का आह्वान करते हुए विश्वविद्यालय के शिक्षकों और छात्रों से अप्रकाशित संस्कृत पांडुलिपियों की खोज, संरक्षण, आलोचनात्मक संपादन और प्रकाशन का बीड़ा उठाने का आग्रह किया।

21 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचा डीआरडीओ का स्वदेशी प्लेटफॉर्म

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। जमीन से करीब 21 किलोमीटर ऊपर जहां हवा बेहद विरल हो जाती है व आम विमान भी नहीं पहुंच पाते। उस ऊंचाई पर भारत ने अपनी एक नई तकनीकी क्षमता का सफल प्रदर्शन किया है।

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने स्वदेशी हाई एल्टीट्यूड प्लेटफार्म का सफल उड़ान परीक्षण किया है। परीक्षण के दौरान यह प्लेटफॉर्म समुद्र तल से 21 किलोमीटर की ऊंचाई तक पहुंचा। इसके बाद इसे करीब 20 किलोमीटर की ऊंचाई पर 30 मिनट से ज्यादा समय तक सफलतापूर्वक बनाए रखा गया। तय परीक्षण पूरा होने के बाद इसे नियंत्रित तरीके से नीचे लाया गया और सुरक्षित रूप से जमीन पर वापस उतारा गया।



रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस सफलता पर डीआरडीओ, भारतीय वायुसेना, रक्षा क्षेत्र के सार्वजनिक उपक्रमों और उद्योग जगत की टीमों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह सफल परीक्षण लंबे समय तक समताप मंडल में रहने वाले वायुयान को विकसित करने की दिशा में आत्मनिर्भर भारत की यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक, इस पूरी उड़ान पर जमीन से लगातार नजर रखी गई। प्लेटफॉर्म से वास्तविक समय में वीडियो और उड़ान से जुड़े दूसरे आंकड़े नियंत्रण केंद्र तक पहुंचते रहे। इन आंकड़ों ने पुष्टि की कि प्लेटफॉर्म ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया। इसमें उड़ान को नियंत्रित करने और निगरानी रखने के लिए कई अहम उपकरण लगाए गए थे।

दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर को 'नो-हॉकिंग, नो-वेंडिंग जोन' घोषित किया

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर के एक खास हिस्से को छोड़कर बाकी पूरे इलाके को नो-हॉकिंग जोन और नो-वेंडिंग जोन घोषित कर दिया है। कोर्ट ने 90 पहचाने गए वेंडर्स को तब तक किसी दूसरी जगह से काम करने की इजाजत दी है, जब तक कि टाउन वेंडिंग कमेटी-II उनके वेंडिंग अधिकारों पर कोई फैसला नहीं ले लेती।

जस्टिस प्रतिभा एम. सिंह और जस्टिस दिनेश भट्ट की डिवीजन बेंच ने नेहरू प्लेस इलाके में हॉकिंग और वेंडिंग गतिविधियों से जुड़ी



कई याचिकाओं और अवमानना ??के मामले पर सुनवाई करते हुए यह निर्देश दिया।

हाईकोर्ट ने कहा कि याचिकाकर्ताओं और प्रतिवादियों द्वारा रिकॉर्ड पर रखी गई 26 सितंबर की तस्वीरों से कोई शक नहीं रह जाता कि नेहरू प्लेस डिस्ट्रिक्ट सेंटर को 'नो-हॉकिंग और नो-वेंडिंग जोन घोषित करने के फैसले की पुष्टि की जानी चाहिए।

इस फैसले में 'स्ट्रीट वेंडर्स अधिनियम 2014' के तहत कुछ वेंडरों को मिलने वाले संरक्षण और सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले का भी ध्यान रखा गया। साथ ही, 'नो-वेंडिंग जोन' से हटाए गए वेंडरों को काम करने लायक विकल्प देने की जरूरत पर जोर दिया गया।

हाईकोर्ट ने कहा कि ऊपर बताए गए फैसले के अनुसार, अगर स्ट्रीट वेंडर 'नो-वेंडिंग जोन' में वेंडिंग कर रहे हैं, तो एमसीडी या संबंधित अथॉरिटी का यह कर्तव्य है कि वे उन्हें 'नो-वेंडिंग जोन' से 'वेंडिंग जोन' में जाने में मदद करें, ताकि स्ट्रीट वेंडरों को काम करने लायक विकल्प मिल सके और वे अपनी आजीविका कमा सकें।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित होंगे वायुसेना के नए प्रमुख, 31 अक्टूबर को संभालेंगे कमान

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। ऑपरेशन सिन्दूर में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले वर्तमान वायुसेना उपप्रमुख एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित को भारतीय वायुसेना के अगले प्रमुख होंगे। वह 31 अक्टूबर 2026 से वायुसेना प्रमुख का पद संभालेंगे। मंगलवार को केंद्र सरकार ने उनका नियुक्ति को मंजूरी दी है। करीब चार दशक के सैन्य करियर में एयर मार्शल दीक्षित विभिन्न अभियानों और सैन्य अभ्यासों का हिस्सा रहे हैं। इनमें ऑपरेशन सफेद सागर, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन सिंदूर शामिल हैं।

एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित भारतीय वायुसेना के 29वें प्रमुख होंगे।



वह मौजूदा वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह का स्थान लेंगे।

बता दें कि मौजूदा वायुसेना प्रमुख एपी सिंह 31 अक्टूबर को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। एयर मार्शल आशुतोष दीक्षित ने 1 जुलाई 2026 को भारतीय वायु सेना में उप प्रमुख का पदभार ग्रहण कर लिया था। एयर मार्शल को 6 दिसंबर 1986 को भारतीय वायु सेना की फाइटर स्ट्रीम में कमीशन किया गया था। वे नेशनल डिफेंस एकेडमी, डिफेंस स्टाफ सर्विस कॉलेज (बांग्लादेश) तथा नेशनल डिफेंस कॉलेज के पूर्व छात्र रहे हैं और 3,500 घंटे से अधिक की उड़ान का अनुभव रखते हैं।

उन्होंने मिराज-2000, मिग के विभिन्न संस्करण, एचपीटी-32, एएन-32, एवरो, किरण, जगुआर, आईएल-78, हॉक और तेजस सहित अनेक प्रकार के विमानों का संचालन किया है। वे एक एक्सपेरिमेंटल टेस्ट पायलट और क्वालिफाइड फ्लाइंग इंस्ट्रक्टर भी हैं।

सेवा संकल्प अभियान : दिल्ली में आशा वर्करों का मानदेय दोगुना, नवजात की 56 जांच होंगी मुफ्त

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल टीएस संधू और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने मंगलवार को 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी अहम पहल शुरू कीं। उन्होंने टेक्नोलॉजी और सहानुभूतिपूर्ण देखभाल के जरिए एक स्वस्थ 'विकसित दिल्ली' बनाने का वादा किया।

उपराज्यपाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश में लिखा, 'प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समावेशी विकसित



भारत के विजन के अनुरूप, 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत स्वास्थ्य सेवा से जुड़ी अहम पहल शुरू करने के लिए त्यागराज स्टेडियम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और स्वास्थ्य मंत्री पंकज सिंह के साथ शामिल हुआ।'

संधू ने कहा, 'हमारी फ्रंटलाइन आशा वर्करों की अहम भूमिका को देखते हुए उनका मासिक मानदेय 3,000 रुपए से बढ़ाकर 6,000 रुपए कर दिया गया है। साथ ही, नवजात शिशुओं की एडवांस्ड स्क्रीनिंग के लिए 'प्रोजेक्ट अनमोल', जीबी पंत अस्पताल में एक समर्पित 'स्टेट ऑर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट ऑर्गनाइजेशन' (सोटो) सेंटर और नर्सिंग होम मैनेजमेंट के लिए एक पारदर्शी पोर्टल भी शुरू किया गया है। टेक्नोलॉजी, मजबूत पब्लिक हेल्थ सिस्टम और संवेदनशीलता के साथ देखभाल से ही हम एक स्वस्थ विकसित दिल्ली की दिशा में आगे बढ़ेंगे।'

इस कार्यक्रम के बाद मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक संदेश शेयर किया।

मुख्यमंत्री गुप्ता ने कहा, 'लेफ्टिनेंट गवर्नर तरनजीत सिंह संधू के साथ मिलकर आशा कॉन्फ्रेंस-2026 में दिल्ली की स्वास्थ्य सेवाओं को और बेहतर बनाने पर चर्चा हुई।'

2,000वें एयरो-इंजन की डिलीवरी, अगला लक्ष्य 10 हजार इंजन: राजनाथ सिंह

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) ने मंगलवार को भारत की एयरो-इंजन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की मौजूदगी में एचएएल कोरापुट द्वारा निर्मित 2,000वें एयरो-इंजन की डिलीवरी की गई। इसी अवसर पर हेलीकॉप्टर में लगने वाले शक्ति इंजन की दूसरी निर्माण लाइन का भी उद्घाटन किया गया।

रक्षा मंत्री ने कहा कि यह उपलब्धि केवल एचएएल के लिए एक संख्या या मील का पत्थर नहीं है, बल्कि भारत की एयरोस्पेस यात्रा और सशस्त्र बलों की परिचालन क्षमता में 2,000 महत्वपूर्ण योगदान का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि इन इंजनों के पीछे कई



पीढ़ियों के इंजीनियरों, तकनीशियनों, पर्यवेक्षकों, वैज्ञानिकों और कुशल कामगारों की प्रतिबद्धता और कर्तव्यनिष्ठा है। वर्ष 1964 में स्थापना के बाद से एचएएल कोरापुट भारत की एयरो-इंजन क्षमता के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हुआ है। यहां निर्मित और रखरखाव किए गए इंजनों ने मिग-21, मिग-27, मिग-29 और सुखोई-30 एमकेआई जैसे अग्रिम पंक्ति के लड़ाकू विमानों को शक्ति दी है।

रक्षा मंत्री ने कहा कि 2,000वें इंजन की उपलब्धि इसी लंबी यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव है। उन्होंने एचएएल कोरापुट के इंजीनियरों, तकनीशियनों और पूरी टीम को उनके समर्पण और तकनीकी दक्षता के लिए बधाई दी। वहीं, कोरापुट में शक्ति इंजन के लिए दूसरी उत्पादन लाइन भी स्थापित की गई है। इस पर 218 करोड़ रुपए का निवेश किया गया है। इससे देश में शक्ति इंजन के उत्पादन की अतिरिक्त क्षमता तैयार होगी। यह अतिरिक्त क्षमता उन्नत हल्के हेलीकॉप्टर और हल्के लड़ाकू हेलीकॉप्टर जैसे स्वदेशी हेलीकॉप्टरों की बढ़ती जरूरतों को पूरा करने में मदद करेगी।

महिला पत्रकार उत्पीड़न मामला: दिल्ली सरकार ने अधिकारियों के प्रभार संबंधी आदेश में किया बदलाव

विश्व केसरी■

नई दिल्ली। महिला पत्रकारों से उत्पीड़न के आरोपों से जुड़े एक अधिकारी के अनुरोध के बाद, दिल्ली सरकार ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को अतिरिक्त प्रभार सौंपने वाले आदेश में संशोधन किया है।

अपने एक्स हैंडल पर जारी आधिकारिक स्पष्टीकरण के अनुसार, दिल्ली सरकार ने बताया कि 5 अक्टूबर, 2026 के एक आदेश में दिल्ली, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा (डीएएनआईपीएस) के 12 अधिकारियों को अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त के पद का वर्तमान कार्यभार सौंपा गया था। अब सहायक पुलिस आयुक्त विवेक



भगत के संबंध में इस आदेश में संशोधन किया जा रहा है।

इन अधिकारियों को अतिरिक्त ड्यूटी का काम सौंपने का प्रस्ताव 25 अगस्त को ही शुरू कर दिया गया था, यानी उन हालिया घटनाओं से काफी पहले जिनकी वजह से लोगों का ध्यान इस ओर गया। 5 अक्टूबर, 2026 को जरूरी मंजूरी मिलने के बाद ही इसके आदेश जारी किए गए।

आदेश में बताया गया है कि वर्तमान कार्यभार सौंपना एक अस्थायी प्रशासनिक व्यवस्था है। इससे संबंधित अधिकारियों को कोई आर्थिक फायदा नहीं मिलता और न ही उन्हें उस पद पर नियमित रूप से काम करने वाले अधिकारियों की तरह कोई कानूनी जिम्मेदारी निभाने की इजाजत मिलती है।

विवेक भगत ने अपनी स्वेच्छा से अनुरोध किया है कि महिला पत्रकारों के कथित उत्पीड़न के मामले में पूरी जांच होने और उसके संतोषजनक रूप से संपन्न होने तक वे वर्तमान कार्यभार की जिम्मेदारी नहीं लेंगे।

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेलः vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415